Hitesranjan Sanyal Memorial Collection Centre for Studies in Social Sciences, Calcutta

Record No.	CSS 2000/12	Place of Publication:	Srirampur
		Year:	1802
		Language	Bangla
Collection:	Indranath Majumder	Publisher:	Srirampur Baptist Mission Press
Author/ Editor:	Ram Ram Boshoo	Size:	13x21cms
		Condition:	Brittle
Title:	Lippi Mala (or the Bracelet of Writing)	Remarks:	"A series of letter on different subjects".

LIPPI MALA,

OR

The Pracelet of Writing;

BEING

A SERIES OF LETTERS ON DIFFERENT SUBJECTS

By Ram Ram Boshoo,

ONE OF THE PUNDITS IN THE COLLEGE OF FORT WILLIAM.

SERAMPORE:

PRINTEE AT THE MISSION PRESS.

1802.

Hi Acte of war

College of Dorthelliam

রাঘ রাঘ বসুর রচিত।

প্রায়পুরে জাপা হইল।

The dale



সৃষ্টি দিতি পুলয় কর্তা জানদ সিদ্ধি দাতা প্রম বুক্ষের ওিদ্ধিশ্যেনত হইয়া পুলাম ও পুথিনা করিয়া নিরেদন করা ঘাইডেচে।

এ হেন্দুন্ন মিরান্ন বন্ধ দেশ কার্য ক্রমে এ সম্মা অন্যোন্য দেশীয় ও প্রদানীয় ও পর্যবস্থ ত্রিবির লোক প্রথম মর্বাম অর্থম অনেক লোকের সমাগম ছইয়াচে এবং-আনেক অনেকের তারন্থিতি ও এই ন্থানে এমান এ ন্লের অস্থিপতি ইংলগ্রীয় মহা পায়েরা ভাঁহারা এ দেশীয় চলন ভাষা অর

এই পুষ্টেকের মধ্যে কদাচিত কমে কলিচত
দেখি ইইয়া থাকে তাহা অনুগুহ প্রকি
দৃশ্ভি মাত্রে নিন্দা মদে মত্ত না হয়েন
একারল কোন লোক দেখি ভিন্ন ইইতে
পারে না।

মানব দ্তান বিধি করিল ঘামান।
দেই কালে মত্রিপু কৈল নিঘোতান।
অত্রেষ ভূল ভূবি আচে দেবর জনে।
মানব লক্ষল বদ্যু রামরাম ভনে।
শতাদিতা বদু বর্ষ পশু শুেদ্ধ মাদ।
পর্ম আনন্দে রাম করিল পুকাশ।

- ४ न्यम श्रीता ।
- । नथम जतामि नि

ঃ প্থাম লিপি রাজা অন্য রাজাকে লেগেন ।

পর্ম দেবতা ভাগিলের শ্রেণানুরাদ করনের পর ঘিনি শ্যিবীকে বাবন্তি করিয়াজেন মানব করনক আরং পশ্র পদ্ধী মান কটি পত্র ইত্যাদি সমস্তই মানবের নিমিত্তক। তন্মব্যে রাজাগিলকে নশ্বর্যাবন্ত করিয়া ওট্রব করিয়াজেন আরং সমস্তের রহ্বাথে । ইহাতে ইহার্লের ওচিত সম্বর্তো ভাগৈ সেই ভাগিলের স্থাবক থাকিয়া তাহার অনুজা পালন করেন নবং দেঘী বিদেঘী না হইয়া অন্যোন্য বল ও ভিন্ন বল সমস্তকে আনন পরিবারের নাায় প্রিণানন করেন। এজাথে দেয়া আমি ক্যান কর্বাতিত ক্যে এ সকল দ্বিতিই

लिंक्त्रिपिशिक जिन्नजां का कित्र्यां मध. ভাবে পতিপালন করি ইহাতেই দিনে২ আমার ঐশ্বর্যোর বাহলাতা অত্রব হেই আমার প্রত্ কথানের পুমান। আমার ইচ্না সমস্ত পুরান (लांट्यू दीवां अपदे यु इय डाइाउइ পৃথিবীর শোভা আমার ক্রগোচর হইল। নিজাবিকারের বক্ষর পর্গলা তোমার অধিকারের সানিব্য চিরকালার্থি এই মত কথানং দীয়া দেত্র বাদ বিসম্বাদ হইয়া আমিতেলে এবার ওামার পৃষ্ লোকেরা নিজাবিকারের প্রতার ওপর দৌরাব্যা অন্য প্রাতে এই মত শ্বানে মহা করে। अस्रांग अध्यान्ति इर्गा विर्णम विरविष्यां না করিয়া দৈন্যে ডশ্কার আজা হইবা মাত্রেই করিমন্ত্রী জমাদার পাঁচ হাজার তবকী ও দৃই হাজার সোহার সমেত পুস্তত। আজা এই ঘাহাতে মে নিজাধিকারের

उ राष्ट्रीरस मानिता म्न कर्डल र्ग আক্মন করিয়া আনে কিন্তা ডাছার মন্তক (ह्रमन कत्रिय़े) (पटल। डेजियरी नमुत्रेले जावरीय रहेग्रां जानाहेल असकल जामशेष কিয়া তত্ত্বৰ আমাৰ দে সমাগৰ পুতি অনাদ্য হইয়া সংযোগতে করা গেল বুঝিলাম এমত হইতে পারে না। আমার न प्रमे अने मार्ग मार्ग न के मार्ग हे हा एउ . जाननां पियां महमा भाउनां रहेयां थांकि বেক ঘদি আনার অকোবের কোব হয় তবে न नेरमण्य कोशंव मिरिष जीगांव मिरिष नेजियाशिय क्रियां कर्या वसा क्रियां थांक्टिउ नाद्य। अक्र कि इन्टेरिक সম্মন্ত এক কালীন মক্ত্র্যান হটলেইবা তাহার দের সাধ্য কি আয়ার বিজয়ী সেনার সন্মা इय डाइरिड जानित उ जानाना नेरीत रांडा शालिय मुक्तां नार जोरा रहेल्लरेयां कि र्ग

विज्यो रेमना अक प्रध्य निर्वातन क्रिवांत আটক কি এঘতং কার্য্য তাহারদের অসাধ্য কি আতে। আপনকার সহিত এখানকার পুরুষ আছে এব০ অনুগত মদান আমার म্বভাব কথান নহে আরু ভোমা দিয়া এমত ছইতে পারে না কি সাহসে ত্মি এমতং ইহাতেই এ সমাচার অপ্রামান্য ক্রিবা रहेल। किन्दु (मनात मज़ी नूरवर रहेग्रा চিল ইহাতে ক্যার বাহাদর শীকার থোলিতে এ অঞ্লে রাই হইলেন বুঝিতে পারি আপন কার সহিত সাদ্ধাত করিয়া শিদ্ধাতার পুকাশ करवन्यां यमि उ रेशं मियां (कान याउ किछ् ত্রটি হয় তাহাতে আপনে ফ্লোভিত নহিবেন আপনি এথানকার ভিন্ন কোধী নহেন। ইনি বালক ইহারদের কিয়া তোমার আমার বিত্ত वात् यादी। नार । वांलक वारे किनु जाडि

भंग मारविर १व० कार्गाक्य उदि। जानान श्हेल हे जानिए पोशिखन पुरीनर स्रोत अ यांज्यांज किंद्रिटक (कांन स्रांत जानेएस र्य मारे। (एए) किल् कान १७ रहेन म्यूजिन्त जिशिकां ने जितियं त्रांजा जानन पूर्णाक्य क्तृिक्त घरेनांग् अथानकांद्र महिउ जिं उद्व विष्यु विद्यं दे अनिष्ठ क्रियं जिल्लन जोशंत निवात्नारथं क्यांत वास्पत अक पार्ट আট হাজার সেনা মজ্জী হইয়া ঘাইয়া তিন দিনের ঘুদ্ধেতে তাহাকে পরাভক করিয়া তাহার সহর বাজার নগার চাত্র লুট করিয়া न्डिरित त्राजारक आक्रमन क्रिया अर्थात् আনিমাজিল আধার ইম্না জিল তাছাকে न्नत्रां य जानन अधिकार्त नम्नेन करिएड তাহাতে তিনি আপনি কার্গিারের মব্যে আতাহত্যা ক্রিডেচেন তাহাতে ফেদ হইল আমার মত্তার নহে'তে শ্রুলা

গাঁও নিকলায়কে কলাত নম্ভ' করা হয় কি, করা ঘায় তাহার দৈবা লিলি এই জিল। অতএব কুমার বাহাদুর দৈব পরাসান্ত বালক আগনি এখানকার অন্তর্ভ্রম আপনকার আনন্দ বাহলা তার করেন এ সমস্ত লেখা গোল অন্যতে এ পর্যান্ত লিখিবার বিষয় কি। ভগবান আমাকে একটি সম্ভারিত্র মহানুল দিয়াজেল ইহারি প্রভাবে এখানকার প্রভাগাল ও সেনাগাল ও আরং লোক সকলেই সুখ্যী এবং আমার পার্লাগালের কুখান বিশ্বদ হইতে পারে না আমার ইট্না আপনি ও স্বর্থনা নিক্রেগ্রী হয়েন। ইতি।

র দ্বিতীয় বারা। রাজা অন্য রাজাকে।

जमीया अनुकात डिनियां डिनियां নত হট্য়া প্রাশ করা ঘাইতেচে কাহার সাব্য তাঁহার ওে। ব্যামাণ করে। অনক্ত ণ্ডেল অসৌমা জান ও আপু মিত বজু হইলো किष्ठित किरिए भीवियां डेरांट यानू एसव उठिउ उद्दिक अभाग्न प्रशिष्ठ ना कित्या जमीया अल्ला जां जीय विवदन निर्वहन করে এতাবনাত্রে ইহার অধিকে দোঘ। क अक पिरम १७ इर्न खना शिग्रां जिल म्यलीद्वत त्जांकत तार वालकतालावि এই **अवकादित (शिधा कि**ज़ कांन इहेन এখানকার সহিত নদ্ধতা করিয়া আপনকার অন্গত হট্য়াজিল তাহাতে কি হয় নম্বা পুকৃতি লোকের স্ভাব কদাত অন্য মত

रहेर पार्त ना। कार्याक्त्य अभारत अ उपन्यक्षे कित्री स्त्र्षेति अत्रात्त ষ্ফপুর ঘাছা চির্কালাবধি এ অধিকারে ङ्कि उद्योग मागन कतिया ठजुष्ट्रांत्यंत ज्ञा লোকের পীড়া দোঘ় ডাহাকে নিরুদ্ধ করা অতি সামান্য কথা। এবং বক্ষর আপন কার অধিকারের নিকটাবতী বিবেচনা করা शिय़ां जिल उद्येत किन्द्र विभिन्न इरेल ना ভাবিলাম বৃক্ষি আপনকার ওথানে কোন বিভূচি হইয়াচেবা নত্বা ইহার দমনের গৌল क्लित निर्धिष्ठ कि। जाउगर्त् अधानकांत क्राक जन रिमना स्रीयां करन यांद्रेयां उद्दांत निवांवन कवियारित। अव अधानकांब श्क्य रहेग़ांट वक्तांत नक्षे गढ़ निर्मान क्तिएउ उद्ये उ प्रमुउ इहेल प्राय । (म मर्वर्व বিবর্ধ অবগত হইয়া থাকিবেন। বৃক্ষি আপনকার বিস্তর্থ সাহাত্য এদিক দিয়া

इरेट भेदिदक्र। यथन कोन्न ए अस्त ठांत जांवणाक हुए घांठ्यांत इंडेल जुहि इंडे (वरूमा अहे अहे महज विक्रिमा जन्न शक्त यशिक किश्चिलिन। इंडि मारी। जानेन कांत्र भित्रिष्ठ (लांत्कत् निर्वपनक्राय अ नि ने ए ए जानागि इअग तन् जानतकांत সাহ্ম পরাক্ষের বিবর্ণ জাত হওন নিতাত্ত আলুদিত জানিবা। আপনকার সন্যুগ্রে (कह मितं रहेएउ भारत ना मिना उ मिहे यउ বিতাঘিনী ৰিগ্যাতা অভাৰ ইহা হইতে আৰু काशिक कि। डेशांउ जान्यांत जानां शिल अथानकांत्र विद्यादीनियुक इडेग्रांकिन अधि जिशिक जांतरमञ् विषय । मकल विषयपुर হ্নয়তাপন্ন হইয়া থাকিবা কিন্তু অৱবান करन । विध्या पर्न जिल्मा कतिरवन ना । यहानिमा' न मगस त्रांजारितत म्रांय वाधार्ग वरहे किन्दु जोधांत नतांग्राण 'इरेड नांद्र

A STATE OF THE RESIDENCE OF THE PARTY OF THE

ना। जाधि वृक्षि पांत्रपीय नांभी गांद्रहे अरू छा० मं इरेए अपुब कमांठ उद्यंत हिन्नर नरइ এ সকলি নশ্বর অদ্য ঘাহা আচে কলা তাহার प्रियां यांग्र कि तां मत्प्र पा वसु जांज जालु कांत्नव विषय जार्श्व पार्श्व विष्न पर्न এ অহঞ্চার ভগরাদের আপনার শোভা তাহা जातात तिशिष्ठ नरह, अउपर्ध अकल अधि उठि मांगाना वस्तु उ उ नन्न क्रिग्रिकन তথাত লোক ভাহারি পুলোভী মুঘত না হয় वियवना क्रियन। नाइक्षात्रोध नरता तिन् न मग्रस लिया पांदेखक जानिनकांत दिउथि जातित्वन जाना यउ नट्ह एपेश् जीवात्मव नांग उद्भंद नेजि एधि कित्रियां समा सांव शिन थाकिरवन। नेयुर्वा वीर्वा ऋगउ। कन ध्व वन नेवांक्य मयमुद्दे जनिउ। जङ्कांब এমত দুষ্ট প্ৰব্ৰুকালের মহাং রাজাগল লয় यांकाजा पिल्लीन जित्रिय नुज्जित प्राम पांश्रंत

व्यक्तित रहेगारक उपशंत प्रयत उरक्षांक इरेशंटि । अउन्न जामान जामान जरहान অতি অন্তিত। দেখা এখান দিয়া অহন্ধার হইলে হইতে পারে যেমত আগনকার আনু গত্য এথানকার কারন এঘত ১ অনেক আর जांत 3 अरे यउ करतन अंशर्पात बाधना घरथक्ष सामानु जान्यित ज्ञान्य जन श्राहाउ अववज्रे विज्यो रेवित वानिक काल साग्री इहेरउ नारत ना। भाजि यां जहे जाहांत प्रात रग् जन् ज लाक गर्निस्ग्रम् यांवपीय लाक हो अधानकात मंडि भानत जनशंड আসমুদ্ অধিকার প্তা লোক মান कांत्र मुद्द्या विष्ठांत् उ अष्ठत्तिञ्जां कत्य अग्रम्बरे मागाल निविध :उज़िन नेमुर्गा . छाँशरिष अ आर्क्षारत्त्र तमिष अ आर्थल रहेरउ मात् ना। इश्खर जारात जागात्क রাজাধিরাজ করিয়া ভোমার দিগের স্বর্বর

विभाज कतियां किन। यह आयांत (कर्वन ना अप्रुल अ निरंहितीत्व नक्त जानिका निशिया, किन जाननकांत्र वानक म्राणांत्व अ जाश्रालं আগমন ক্রিয়াজেন ইহাতে আনন্দ হ্য়া लान क्यक वर्ति कार्याक्त्य अ शंजितानी उ আপনি আমিয়াজিলেন। নত্তা আপনকার बानक अउ वड़ इहेग्रांटलन उथानि अगारत अधिमत नारे। ,जांन अरे तांत आरेमत मक्न वांद्रव जानम जाना चाहरवक। আ শনকার লি শিব্যক্ত তাহাকে সহর মধ্যে वर्गन क्रांच्यां जातिए (नाक विशेत शिन यहानिमां - कन्द्रं (क्लूंग् उ नुह्र यड লোক আতে তথাপি বালকের আগমন আনন্দ্রমে আরু হাজারদশেক দেনা তাহার আগবাড়ান জন্য পাঠান গেল ভাহার নিমিত্ত আর ভাবনা করিবেন না।

लियुकी (प्रणाशिन नक्षेत्र) कित्र्यां व्यावरभिष्ठ नानाव वादीन जातिया पियार्कत उद्दित भुजानकार्व अधानकात् लाक शिवारक प्राम ब्हेरवक जोहरेए कि इस आनेनकांत अ आक्षेत्र ने वारीका त्रका नाम जाशंद ग्रातायाश क्रिव्यन। अर्थान विशा (य आन् १) उ। इडेरउ नारत जिक्त रहेरवक्ता। हेह्रा जानित याद्या छायात अ उपक्षन याद्या क्रां भीत তাহা করি কিন্তু এয়ানে আরু অনেকং লোক এটানকার মহিত বিপদ্ধতা করিয়া नक्षेत्रं कविष्ठ अमृत उद्देशियम् নছিলে এফানকার ওপর বিপত্তি ছওনের आहेक रहेरड भीरत ना। अहे रहेन अश्व रादिक पुराह कुहि रहेन ना। काक হাজার দেনা ময়েত রাজা নবক্যার আপন কার আন্পাত্তা নিমিত্ত হেলৈ ইহা पिया जुढि श्रवक ना। आंवर निर्मूष् प्रमण्य

আনেক ঘাহা আলিয়া ভাষা ইলি পৌরিয়া আনকার সুযোগির করিবেন। কোন বিষয় ভারনা করিবানা ইহা দিয়া অনেক আনুগভা ইইবেক আমি ও এই লোকের দিগোর দমন করিয়া আনকার ও অঞ্চলে ভারশা আমিব ইহাতে সন্দেহ করিবানা ভুরা পুতুর করা ঘাইবেক। ইতি।

দ্বাতা তান্য রাজাকে।

রাজাধিরাজ হিন্দুশ্বন মাঠা। মহা দর্পমায় স্থা অভিশ্য। শরলাত্তঃকরল কণ হেম বরল। শক্তিমত্ত ধীর অভি মহাবীর। আত্ম লোক দাল বৈরি মদ্দিলা। প্রামান শুলবর মহা রাজ রাজেশ্বর রাজ। চফ্বর্তির সাহাঘ্য আকান্ধায় সাহাঘ্য লিশি লোমা ঘাইতেটে। प्रक्रिया । (पर्ण 3 अज्ञक्ष्म कप्राधिउ क्षिपीटित करो किल मा न न महे द्रीजाहे नक नवारमं मिउं देपांतीन किजूकान शंउ रहेन न्यानकां उत्तरकात जात्रांना कार्याध তেমানিত ছিল ৷ অত্যৰ পত্ৰ পাতি লেগা পড়ার বিষয় स्किउ চিল। এখন আপনি কৃষি এ্যানকার লেগা পড়া পাওনের গতজ্যাতে অন্তঃকরনে ভিন্নভাব কুরিয়াচেন বিশেষ लिणिरवतः। म०पुं जि पात्रिणना तांजा घांडा न्यानकातं उ उणानकात् यवास्तं व्राट्यात् व्यंजा नव्यंनाथ न्यव म्याजिद्धि जिल न्यात न्या न्याशित (म द्रांतार न्यां नालव पृथ्य एउड़ावी (नोलाइटउल्हा यउ जानेनकांत्र अशास्त उ भोजारेश থাছিবেক। ইহাতে আঁঘার ও আপনকার মনোযোগ না করাতে লোক বিমা বিকন্ধ কিন্তু আমার কেননা ভাত্তঃকরন অনাদিনে

वाख माराख किला आंनेति उ देशंत भुजुनकात करत्त नार्ड देशंत कांत्रन. বিবেচনার বাহির হইল এমন প্রা लाक जागांत्र कांक्त (नोक्सि जांद्रा निर्वपन করিলেক অত্রয়র ইহারদের আন্পাত্তা কার্ধ पंत्रणनार्थत् प्रयत जावणाक न्यानकात् रिमना मग्रम् जीजनी कित्यां वाहित इहेपांटर क्उक नेगांतरे जांका जा। कना ঘাইবেক। আমার ইচ্না এমহারাজ্যের প্রারদের ওপকারাথে আপনে ও সজ্জীয়ান रहेगां यपि उ जाशंल जन्ताती करत्व ठिवकात्नव मानाम् श्रा अञ्चारम मृत रम नव-ভগবানের স্চির্দিগকে রহা করা হয় अ०-वाम भारेरन जाजिनिया करा पारेयक। ঘদ্যপিদ্যাৎ আপনকার আইদনের কোন यांद्री थारक कि इक्षेष- अनिविज इय जानहै। घरद्रां जित्रितित जानकरक नित्ने न मञ्जां उ

भितिदेखन। महल सातित नुहति पुरुष्टि , (नांटकर्वापरांटक जांचा (प्रज्यां शियांटक अकल्टि नाशिननाएं डनिएउ इहरवक। . यपि जानि निकास नेज्ञानीस्थव उनर्तारी . आश्चाज्यं संगाननं इत्यतं लिणियन छाष्ट्रीस्य कार्त्यात् वारी इष्टेस्य नात्रितक ना अधानकांत्र रिविज्ञ विश्वास्त्र (मना अविस्टि जातगढ़ वज अक्टी जावनाक थारक ता । छथां जीय पाव पाव जानुरवांत शनना कर्तन विलिध लिणिएन (प कर्ववा इस कर्व मार्टिन्द्वं (प्रपाक व्राजा धिटितक । আমার সভার সভাসদ প্তা লোকের . শ্বনা গেল नुजिनानत पर्थािठिउ कर्त्र। जानेनकांत शीमिठिव (म्यांनम् क्रांनर् (म अधिकारित डेनेर प्रतिशिष्ठा करत ने अमिष्ठ। এটানকার লোক ইহাতেই রক্ষা নত্যা ইহার মুমোডিড বিলফ্রণ করা ছাইড তাহার কি

स्रोदी अ नर्गास पूर्णमञ्चा कर्द्र। जानिनकांत्र खार्मित नेवां क स्थानंत र्या शिल नेद्र - जुन्हांत निवादन जानु मन्तान कतिए इदेरवक জানিবেন। আশনকার দেশের বিবর্ধ আন भूवर्वक जानत्तव आकाञ्च श्रात्वां जि उ जम् ছয়ি রুমা শ্বান মিঞ্জ জন বালকা ঘুক্ত দেখিশ च्या वांजांम म्हान्स प्रालं दीना प्रदिप्ति जाउ मूलड। लाटक्द्रां समाविती मठावाती জিতেজিয় মভাজন স্বর্থ মতে ওত্তম ग्न हेर्रा अकदांत जानित पाहेग्रा प्रिकृति আনন পর্যাইন করা ঘার সহসা অনুচিত। ইহা আধনকার চিত্তে অন্যয়ত লওনের जाहिक कि जाउनद लागा शिन निविनना হুইতে বাহ্যভিবার কালে ঐ রাজ্য হুইয়া क्यां भिरुष् भित्रिया। नज्या चुर्गाय अक्रांत (कांतकस्य मनिविवाद घाडेयां (मनं (प्राां

याद्दिक। देशांठ मिनिर्द्रो तहिरतन , अक्ल म्यांठांत निस्त्रप्तियिछ।

রাজা অন্য রাজাকে।

শ্রুলার দানের বুলার মহাদর্শয়। আবা শাল বৈরিজাল দ্যো করে কয়। মহারাজ ক্রিডিয়াজ দানে অকাতর। দ্যায়ার অভি শাল্ত শরল অন্তর। মহারার্যা ঘেন স্র্যা পুতাল দুর্জ্য। পরাক্রম ঘমসম রাজা মহাশয়। বীমন্ত নমুতার আ শুলাব্দু মহারায় রায়ের লিলি কুল্তার্যমিদ্। এ বসন্ত কাল পুতুলার সময়ে তৃত্তিজনক মাহেন্দ্রোদ্যানে বাস করিয়া নানা পুকার স্ন্যাভোগি কাল ঘালন করা ঘাইতে চিলে। ইতি মধ্যে

धियांक लिनि न्वर्राक नकानं रहेश जायां. प्रिंउ करिल। न्थमस्डा निनि पृष्ठि मार्डि या नेपांत जानस्मत वाश्नाज रहेग्राहिन ব্রিবর্থ জাপনে তাঁহার হৈল্য কিন্তু দেলিায়্যান क्रियार्थ अनुध्यतः विस्मा विस्कृता कित्र्। कित। यहानिमां एकतांना कार्याक्या निनि डेउ। पित् शिष्ठापांउ स्किउ किन उद्योखिक रग चुक्जांभान महाव अहे करांठ विकस्त रहेरउ शिर्त ना । यमिष् निउछि हम उदि किए तिरे किनु अधानकांत्र स्टांव अदे कर्राविउपरस ग्रातिज् त्कांन (लांत्क्त् महिंड अध्रीिंड इंडेन उरव उदां व जनाभे (कानकरम इस ना । পাতির গতজ্ঞা কামান্য কথা ঞানকার खेडांखंड विपिउ नां रअत्नव रिष् निरंत्रान ख्रा पहित्यका उथानकात्र निधान जारे লেও তাহার পুতাতরের অবকাশ জিল না

अर-मात्विश प्रेन पात्रिणांतांत प्रक्षे प्रका शंव जानेताव पिरशंव जिल्लाव मिड्ड णांज ৰতা করিয়া আকাষ্ট্রা করিয়াজিল 'রাজা नम कित्या जानमाता कर् इ करत देशाउ समाउत प्रत्व वार्याम त्राजा उ यांत् महिष स्यानसः रहेगा १४०- उन्होत्रिति कृपनुना भूपारत वन्नी जुउ कविद्यां किर्ना रेशाउ नंबर्गताथ विवु उइग्रा तिजात नंबना अश्याजात यावयात रहेल। आयातिह खार्श्वांक क्वांत्यां पृथिष्टिएक (मनां नितिः . उपसक्ते (प्रणिलाग्रा। अ अम्बन कियो प्रध (अए क्टाउरे अग्रांति। इअत्नत् आहेक रहेरहरू मा। जाउनव जानिमांत्क न कांत्री वार्यारहत विषय रहेल तो पण्टि क्लान करिन किया 3 अधानकांत समादा इस उहिर्द जातात

शांधां जागांत जनकिउ जानिया। अहे, खोशोज तीता वृद्ध विषय पृक्षितकारकार नानान नुकाह जान्मक्तान कविग्रा (मरे मद नेजात्नारस्य प्राम न्यः आयोगरक प्रयानिक कत्रिया नेत्रभेनाधारक छोश्त तार्णात कर्न ध्रह एशिया भूनद्रांग मिया स्थिन राष्ट्रिक्तिन देखि यारी। नृत कहा। नृत्य नवर्ष उत्यादा রাজা ঘাহার সহিত প্রের্থ জাবনকার প্রথম किन 2व० प्रश्वित प्रतम (मंत्रंष ड॰-पंडि আমি তানি মে আপনকার প্ৰক म्ल। क्रांत्नत वास्तव अधन वृत्यि (तक्यां रहेगां थाकिरदक्। नजुवा अभासकात्र हि॰ मह হইত না মাজনী করিয়া পঞ্চাশত সহসেক जुब्रीक्ट (मना मजी कविया न सहिविज शिनीत अयुक्तारी बिर्वाशीव्यु क्रियांट । न्ति याद्यहे म्हास्ता ने जक्षल यनत्या क्रुं। शिल एिडिएक (मनोत् डज्रुं ब्ले

कार व्राचा वसकातिभागिनान भ्रावावरम् सहनाडां नेप नहात्स्य अनुस्य किया किला निर्देश किरडमस्कर्ग भोजिए। असे क्नित । म ताजारक भवास कविशा जारात माग्रद राजांत जिल्लंक मर्गगृहक नित्रांव नार्या निज (मनाय ने विक्षं रहेगांटक । (मा क्रियरब्रह्नक्या भ्यानकांब कर्मान्यापि भयउध विषय अजिमहज जांत रहेन अजाब याजिमा खाउं। जग्र हेर्राय निक्नेन किन । नगत स्वर् विद्याग्रउद्दे सनस्द्र जानिया (एथ रिष কুয়ে পারিশনা ও শ্রামানিহিকার নিজাঞ্চি कांद्रित ज्ञ इहेन। अ पूरे त्र्ठ त्रांजा তাহা আপুনি ভাত আচেন প্রশ্ नाथ अर्थावत् जाउन्नव नाथनकात् गत्ना গতের এ মত ব্যাপক্তা ঈশ্বর করেন निनि द्वारांग् जानति (प्रतानम् अ अधिकारत्य डनेव क्यनर तांजडा क्रिन ३ जिंड

वामध्य कथो (म तिलक्षक करने जात (प আয়ার আনুগুরুর অদুগুরুমদান নহে । उधिराट अग्रउ१ करत जाउन्न जानिकात लाभा नामाना कतिन उपरांत निव्यत्य गर् मन्द्रांग्रांक तियुक्त करूरे शिल जाहांत्र कांत्र छोत् छिन् कत्रियन ना। (प्रवर्शक छाङ्गिय विकास वरहेन अउहरथ अंश्रंटक स्मिनात श्रादी। (अनीनडिं केत्रिय्ं नेत्रांनारध्यः आश्चार्याथ निक्षेन जातिरहन। । यश् यांचा पियां आनेनकांक कपाछिउन्या कापन किछ हि॰ मा इरवक ना। वंत अनकात अवदीन करून वस्तिगांशिन अवः त्कांमनाशि क्षांद्री उक्लीरहेब वाजा नव० जावर भाराष्ट्रिय पूछ ताजागन अकरांकाजा रहेया करेकनांवती क विरिद्धका । नंज अहे (घ जानेनात वांजा ভাহারদের সান্নিধ্য ভাহা ব্যভিরেক ভাহার प्रमुखित राम्यानियानत नथ जनार्य

, जान नार्ड । जाउ उत्त ठाउन हिंगार जानम कारक देवन के विद्या ग्रामां की कार्य ३ बिख्य विन्छां बिख बिखानां क्विस्तन। न वज यक्त कथा बहुन छाइ। द्रां दिछाछ प्रस लांक जाउन्य जारांत प्रमास्त्र माग्रान् আপ্নকার ওপ্ডিত নাই তাহার সাহাত্য नुगान पिया ना इहेरन रहेरड भारत ना उदि कतिएउ राहरू। अउपाध निरमित (नगा याद्रिक जानत्कात जाकाद्री अ स्रोजा जारालीकन कतिया जा नर्गाहित करिएड ক্রিতে ইহাতে দুই হইবেক আপনে निविद्तारि थाकिया । प्रमं ज्यन म्रान्डर श्रीतक। यसि यान्यां इस् यांगांत हेरू। আপন আকাঞ্জা নাম ককন দেশ বৃদ্ধায়ে मुक्तिज्ञ (सनाविभिश्विक श्रीजांव विश्निक उवकि हेजापि अववं अध्यउ भौतित तीन । जाना हित्तांत विषयु मारे जानित्वन यपि अरेहांत

দিনা দিয়া ক্রুটি দেখাঘায় তাহারদের।
ভাহায়তার জন্য এথানকার মনোঘোণ হবেক
ভানিবেন। আপনে তুরা এ অঞ্চলে সপরি
হারে আদিবেন কোন বিষয় ভাবনা করিবেন
লা। এখান দিয়া কত্য লোকের সাহাত্য
হইতেকে আপনিতো এখানকার তাতি
আর্মিয় এ রাজ্য পুর্বাবিষি আনাধিকার
ভাবায় এ রাজ্য পুর্বাবিষি আনাধিকার
ভাবায় মপরিবাবে কাল্যাপনা কোন মতে
হইতে পারিবেক। নিবেদন্মিতি।

হাতা অন্য হাতাকে।

क्रांक्य मिश्च खर्जा (यह ग्रांग्स ज्योजय भाष्ठ हर जोत बन्द नग्र। স্থিতি করা তাদাতা অনন্ত আধনি
তার ভক্তে বিজাতে কভু নহে হানি।

এ জাতে শতেং আছে রাজানন

ছেই ভক্ত দেই শক্ত নহে অন্যজন।।
তার পুতি মনন্তি করি কহি শুন
অসমূব আশা না করিও কদাতন।

রিবানীর পবিত্র পুর সর্গেবায় আপনকার
নিতামহ বারী থাননেতে দৈবক্ষমে কর্টানি
বিল পুণ্ড হট্য়া জিলেন। তথান রাজাধি
রাজ তার পুত্ত মনোযোগ করিলেন না কিন্তু
হিরামন মাত্র বিন পুণাক্ত আক্রমন করিয়া
জিল। এ পর্যার পুনার্ম হটলে তাহার বারন
হল তথাত মে ব্যক্তি ক্ষমতে মন্ত্রীননের
মনোরপুনা করিয়া মন্বদে মা্য়ী হইল।
মেই বিনেশিলক্ষা তাহার পুত্র ক্রমক জন মেনা
মন্প্রহ্ করিয়া শির্মী প্রপ্নার রাজা
নিঃমন্ত্রান বিয়োগ হইলে তাহার ক্রিড্র

अधिकां इ कार्चाक्या स्मनां व व्यावभावाणं । অন্যায় ক্রিয়া উহ অধিকার করিয়া क्रिक्नत। निजा इरेट न्य जागारह 3 क्रमजानन जिल वर्ष ज्यांठ अहे दार्वत जातिकिक कागन जाइक्षाति या इहाउन ना। 11° जातात हि॰ मां हीन जिल्लान अधन अति जोनेति रिव भेद्रोक्तां लोक प्रांत लोगा की जिंगी गांजा ममुप्त गरा जार क्उ अवः (प्रवीमीयांत छत् धांश् छित्रक्रांनावि अ মহারাজ্য ভুক্ত শির্মীর সহিত ডাহার কোন जा०, मां०, भी नारे उथांठ जानतकांत रेहा निज नत्रंक्त्य उद्धा अधिकांत करत्न अ कि व्यामिका डालर २ ३ डाल आनेनकात २घउर भंताक्य रहेन 1 अक्टी जानत्मत विषय वर्ष কিন্তু শ্বন কছি অববান কর একি ত্যি (कान यान्य (य ज्यिकहेक नैं। ठनी कर न

अकल्व अनेव अखायांव कि नेकांव हेउत् বিবেচনা কোথা শুনিয়াচ শুনি আহারে लांग् न स्किउ इउ। अभागना विषय পুরুক্ত এফানকার কোনের বাহলা হয় না ण्गालित राज्ञत स्मारी नाहि तास यपिड इहेन उरव खांगांव कि शिंडिक इहेरव (कांगांग गहेवा जागात महाग्रा (क अवव दक्षावा रक कविएउ भारत। अधानकां इ (कारी प्राप इय उरव ने जि हेन् माथां कि दिन 3 नां नारव वका रैवविषया स्मना धाव युषानि कांत्र मदेमताउ म॰ शंत कतिता मक्हेप्स . सावरीश जानेनाव निज निजागरत्व स्थाभ छिएउ साधार्यान्उ इहेग्रा (कानक्या दिन পাত করিতে ইহাতে বিরুদ কেন হয় এখান कांत्र महिउ पुंजिरयां शिक्ष कित्यां उपि कि फ्द्रिक्तिया। निम्माधिन त्रांजा वलवख्तां ए यादात जम्भुता (सना अवक एन्यान क्उ वज्

छाष्ट्रोत नेतांकरमत सीमा कि यमसम रेतेती इंदेल मृत्य कात (छम्। घोद्यंत त्रांजा नक्षिविणां जित्राम् वर्ध विमुंत प्रानांत क्लांबाहन जिल्हा शिक्षन भाग अग्र ग्रहांशांजां नत्नेक्री नगरत्व आर्ल पांहा न्रव्य उक्ति ক্ষেথন জিল কৈ কিয়ত্ত আপন শক্তি আহান্ত कत्रियां वर्न कित्न ब्र॰-मत्राविध (म विद्नारि उनिम्उ जिन। यथन रेवश्रिया (मना जाननात्राप्त नत्राक्ता पद्याग्यान रहेला महरज वलवं उत्ह म॰ हां व किंग्री नरं॰ उशित पुंजियांगी एवं त्कृष्ट आमियां इहेन मग्रस्ट निर्वातन कतिन जग्रकात श्रीन मवर्त्त वानिक कवाहिल। अधन (म निर्माप রাজা এ অধিকার ভুক্ত ইছাতে ডোমার এ কি বৃদ্ধি শিবা হইয়া কর যাদ সিত্তের সহিত ज्यि कांड्राल न न्युक जायांत्क कहि आंववितर अग्राहम जांव कथत

कत्रित ना। ज्ञि प्रीत न्यानकात लायाधि प्रतिषु महांग्र हीन जांगांत्र डेठिउ यपि प्रती সীমার চরে ডোমার সেনার গমন হইয়া थात्क देशं उ मिणानकांत नेजांत्र प्र কিচ ফেডি হইয়া থাকে ডাহার দিওল क्रिया प्रिया जो श्रां क्रिया जिल्ला क्रिया क्रिया ঘাহাতে তাহারা এ পর্যান্ত জান্দোলন না करत्। उदि। इरेल तुर्सी भी उग्ने डीत्। यदि। र्डक। भगउर कविया संवाक्तववर्ग उ मरिमता अक्त रहेगां विविषया (मनाव সাধিনা ক্রিলে ব্যার্ক্ষা হইতে পারেবা। अकार्त कील शिन पीन जाकिकान (नांकित বাংযোহেতে জানার জন্তর দদা কাত্র এব न्तुरत्त तर्ग जाउन्न देशहे कत कहि श्रेन यपि ভোমার ভাগোদয়কমে জানের राष्ट्रना হয় ভবেইদে ভোমার রক্ষা নত্বা নয়। কিন্তু यमि मुस्याि छोयातं नुक्छित मभा इर्गा

থাকে তবে আর হিতোপদেশের আবশান্ত নাই দৈন্য দাজনা বাহির হইয়া দ্যাচার ' নিচিলেই বৈরিদ্যা পুস্তত হবেক। ইহার ঘাহাতে অভিকতি কিন্তু আদাই দেবীদায়া হইতে লোক ওঠাইয়া লহ তাহার দিহ্নএ গৌন করিবা না। তোমার দশা গৌড়াহিল ও একব্বর দাহের মত হবেক ওপায় কি।

রাজা অন্য রাজাকে।

দর্শহারি ভগবান তাহার নাহি তান তেকারনে দর্শমদে হইয়াল অতান। আননার মত বন্য কার নাহি তান ইহাতে হইবে তবে সকল নিব্যান বন মৈন্য রাজ্য মদে বিভোল হইয়া ত্নবং স্বর্গ ফিডি দেখ মত্ত হইয়া। জাঁচার বিচার হীন কেন মহাশার শুড়োত্তর পত্র ইথে শুনহ শত-সহা।

वरहे जानंत्न (य नुकात निर्णायांटकन (म প্যান প্ৰবকালে আয়ার পিডায়হ দৈবান্ গুছে বন পুণ্ড হইয়াচিলেন পরে পিতা মহা शांजा रिपतनेतांग्रन अजमर्था (एथा जीकांत्र वैग्रांत छ। मार्गर करने डरावांत मुसि वाविग्रांकिन। আगि रेप्रवान्श्रहीउ १४०० ॰ জামার সাগন্ত ও দৈবশিক্ষিত তবে দৈবের मंश्जि ज्ञाता जुलाजां कि। निर्देशवां পর ০ বল০ ৷ দেবতার সাহত নরের প্রা न्टाक्ज प्रमुक्त जानित कि जानेनांक रांगां निया जर्द्वात करत्व रिक शिंख शिंख नरे नक् जोंद्रांत म्हिं अहे यक प्रथा यांकांजा महात् पिल्हीन नुङ्डि घउर पिक्निडि फिल्न उशिक्षं क्षांथाय देषांनीच पूर्णादिन क्षांध निकार जा काश्वाहिलीत कर्जा कीया (मुल

अशिव अशिव अशिव जानकर अश्री রাজান্গত বনবামী পাত্ৰণ্ডা পঞ্চ ভাই मुख जाक्षाहिनीएउ कि यउ प्रिकारम দামস্বকে দণ্ছার করিয়া আদায়ুদ্ অবিকার गूशिक्षित्र न्वरत मार्था जांत (एव नात्रांग्ल অভাৰ দৈৰ ৰড় সভা হইতে হয় দৃঢ় ইথে দ্বির্যা না কর রাজন এখন আবনকার ওচিত দেবীদীয়ার হর ঘাহা আদ্যোগান্ত শির अतिरात् वांछं उांशं मियां रिष्यांन् शृशिकतः पिटिशंत ने जो करतेल अव०- कपांठ जायां जुत ना करत्न उरव तक्ता इहेरउ भारत यमि जानन কার অনেক মেনা এখানকার অলু তাহাতে कि करत महम्पादिश मृश, मधनीस्य अक সি০্হ পুত্র কড়গেলা কাকের পাল মেনা शिष्टे कत्रिगंदिन छोष्टांत यदी। यथानकांत দুইতারি রাজপরাজান্ত বীর ঘথেশ্ব সামন্তের क्षित्र थोक्क । अ जन दिवर्गाजन (प्रवृत्य

श्रेषता (लांड भाभ भारत मृज्य मार्ता

নরাক্য সজ্মান হইলে কাহার সাব্যি সন্মুথী হইবেক ভোমার ঘোত্র কি এবং কত বড় সাব্যি আগনকার কার্য্য কি ঘরি আগনকার বান্ধবরণ রাজাণাল একডা হইয়া সজ্মান হয়েন দৈব প্রাদুর্ভবে একা আয়ার স্পাব্যা। একার পুরাপ এই শুনহ, রাজন একা সিংহে কি করিবে জাণা পশুণাল। একা ভীম শত ভাই কুক পুণ্র শাসে একোর পুরন্ধর দানব বিনাশে। একেশ্বর পুরন্ধর দানব বিনাশে।

ुक नव्रवि श्विजाक विप्रविल।

অলু হেত্ত সাবংশেতে না হও নিহন্।

বিবেচনা করিবা দেবীদ্রীয়া শিরদী রাজ্য দে

আশিনার নহে অত্যব পরবিন লোভ বজিত

इउ तीं जिल्लांक पूर्नी जिल्लां क्षित ना

अकांत पांडाप्त डग् कत यहां णग्

. ऋात जानिस्वन (एग क्यने छ देउता हा পর্বনে লোভ করিয়া ওতার কালে ভাঁছার कि शिंउक इंडेल जानित उ तृष्ता (प्रार्टे प्रमाना इए रिट्र मिंड मांवरीत इहेरवन विवास भाविना यहिए भीत् ! (एए जानवान रेपदवत् বিবাদ করে না তাহার সান্ধী ক্যাণ পরিষ্কিত मि विध पुंडिकांत विप्रारं जिंदिक किल रेत्व दिर्शियां वाष्ट्रिन। यनुतां कहिल মহাশ্য আজা ককল কি হেতুক ক্সাপ বাহুত্লি। তাহার বিশেষ ক্রিয়া ক্ছ जाग्रा अपमा कार्य कर्त नहि। র জিপ কহিতে চেন তবে ডোমর্প মনেশ ঘোণ করহ এ মহাভারতের এক অইগায় দ্বাণর ঘ্যান্তে ভারতবংশে অভিমন্য সন্ততি মহারাজা পরিক্ষিত সাবু সভাবাদী

जित्विभूग अवस् नृक्षात्रिक निर्माः अक ं पिरम मृश्यां कार्या क्यां अ स्मिना शिदांत मन इरेए जिन रहेगा मिर्क मृत यन पराणं कित्रियं जिल्लन जाजात गातु তৃষ্ণত হট্যা জল না পাওনেতে বিবৃত্ত জল जान्यन कविराउ६ (म्राथिन अक द्या म्ल किनु जन निकारेत यादी। (पाणन ना अक জন ঘৌনবৃত্তে বসিয়াচে তাহাকে বার্থ ভিজামা করিলেন তাহাতে ওত্তর না পাইয়া क्लिशित्उ रहेग मिरे स्ति म्लू। मन চিল তাহা মেই মূনির গলায় বেদ্রান করিয়া षिया पुरांत कितिष्णत। (म म्नित्र न्य আমিয়া পিতার রিগতি দেখিয়া ওদায় अध्यानित इहेवां जन इएस कवियां भान फिल য়ে তন মৃত্যুদ্র আমার বিতার গলায় विव्हेशिक जा। इरेड मछ पिइस टेश्टिंग्स उसक कालमान प्रवासक नक्षांच

कील विपिठ इंडेल (म वाकि जिल वाजा निविधि। यहांयमि (योन असे हहेग्रा विवर्ध জ্ঞাপনেতে অত্যন্ত শোকাত্তর হইয়া পুণকে कहिल्तन वृद्ध ग्रहांत्रांका नेति छिउरक नान গুস্ত করিলা এ অনুচিত্ত ক্রিয়া আমার আশুমে वाजीयि इहेग्रां किल आंग्रत्रं उाहांत आंजिया করিতে অভাতান হইলাগ্র মে আ্রাক্তে ডাড জিল না ওাছাতে যদিত কিলু অপরাধ করিয়া थोरक डांहारड । ग्रांचान मांडि कर्न जांडि অবিচার অত্যব তাহাকে শাপান্ত কর। ম্নিণ্ম নিবেদন করিল পিতঃ আমি মহা क्षांत्व ३ मान पियां कि इंश्व विद्यांतन আমার সাব্য নহে ইহা জানিয়া যে কর্ত্ব্য इग्र जोको इडक। इङ्डि (म क्षिष विग्रम् इदेश विख्र (शंप्रन कविलन এव॰, जानिलन यापीय वृक्तभान (यांठन इहेरड नेरित तो ভাহার এক শিঘা দিয়া র তাকে সমৃদ

गिरलम् वाजां मनविवादिव वृक्तानानाय जीउ इरेग्रा अक गुक्ति होत्मव गरिश अक गुक्र র্ডনা করিয়া ভাহার ওপর রুত্ন মণ্ডিভ बिवारजव मान बहना कविए। डाइरिड जविएडि क्तिलन। १४० जातकर मनिविधांत उठ्यां शेन स्थित् जानेतांत्रात्तं अधरी अधि अधि य्विम क्रिया त्हिलन। अध्याउ मक्ष पिरम গত হইলে সপ্তয় দিবদে তন্ত্ৰক সৰ্ণৱাজ ' शंक्षवशंदनव अहिउ ज्युं इहेग्रा शिंख क्तिएडिल मिरे येख कमाने योक्तन परिष् রিন ও সাধ্যাতি পাওনের আশায় রাজা निविक्तिउत्क अने विष ज्ञाल वक्षी कर्नार्थ श्याध्य श्चित्राय शक कार्राक्रिल। नरथत् ग्रारी। काग्रकनी नागितांज युक्तिलंबं (वर्ण शिंउ कविरंडिंग विज्ञत्क प्रिणियं জিজাদা করিল কহ দিজ কোথায় গমন कमान रिल्हलन सिग्छि করিতেল।

छारा उक्तर नहीं रेशि शिक्ष प्रश्नित করিবেক আঘি ওকমনু ধলে ভাহাকে রক্ষা করিব ইহাতে আমার ঐছিক পার ক্রিকের • पूर्णित छल इक्टरक । देश खित्या नार्श बलिल जुमि निर्दिशि व्यक्तिन कांत्र मारी। वृक्ती করে ওক্তক দত্শনে। দ্বিজ বলিল এয়ত কেন কহ ওয়ক কোন চার আমি ওক্মনু প্রাত্তে অবাবে রাজাতে রক্ষা করিব। একখা अतिया नारा (कानानिउ इहेया विलल जांगि ভক্ষক শ্বন তুমি কি মত একা দেখিব দেখা আমি হক্ষে দণ্শন করি রক্ষা কর' দেখি। এযত किश्यां निज गुजि रिवियां घोष्ट्यां प्रवासन स्त्रिल व्यक्तरक जांश्व, श्रश्विष्ठानरल वृद्ध अग्राल उम्म रहेग्। (शल। उ॰ स्वना॰, उर्गा विज उल्यान करिया जांशित अक स्मि जम्म शित्रन ক্রিয়া প্নবর্ষার সেই গতে মহামন্ত্রাভিষিত্ত ক্রিয়া ঘাণনা ক্রিলে ভাছাতে একটো অঞ্ক

इहेग्। (महे पए कृष्णि निहिष्ठ । नेनवबात (महे न्वर्ग्य वृक्त रहेन डारां किञ्चित विद्यम र्हेल ना। उद्धार कांक्षे ह्वं व कांव व अक महिउ उमा रहेन (म 3 आंत्रांत जीवन भारेल। न मग्रु (प्रशिशं नाग्रंज विग्रम इहेग्रा द्राञ्चलक कहिएउएत पिज আয়ি জানিলাম ডোমার্ব শক্তি আতে আমার 🔹 ए॰ मन इक्ष कहिए किनु विनुभान रेएव কিয়া তাহাতে কিয়তে রক্ষা করিবা কার भंकि वस्रो करत रेपव निर्वस्ति धरिष् ভাহাতে কেহ হয় শক্তিমান দৈব বিরোধে কাক নাছিক কল্যা।। শুন দ্বিতা তুমি पत्रिष् किन्धिउ देनांत्थ रेप्रत्य यादी जन्मा ইতে তাহ ইহা করিও না আমি ভোনকে विक सर्वित फिर घांश्र उांत डाउरित नांरे। এত বলি নাগ রাজ আপনার মন্তক হইতে

य्विक किंद्रिय पिल ने उसे यने (मोवा ने उपिन नेमर रहा। षिज जीवित्नत रीन नोहेलांग दुस्तुलाने रिएव वर्षे उउ अव रेपरवत महिड বিরোধ ডান্ডিড বন পাইয়া বাহড়িয়া न्नवर्वार निजानग् शयन कविल्लन। उउन्र জানবান লোক জানে দৈব বিরোধে ভদু নাই বিবেচনা করি 3। মনুরিগ জিজাসা করিল ग्रह ताज निरत समन कि कमा कतिरलत 1 রাজা কহিতেচেন শ্বন নাগ দ্বম্থে সমাদ পাইয়া জানিল রাজার সমীপে यांस्त्र वाडिरव़क घांद्रेख मार्व ना जाउन्द তাহার পরিবার মামস্তই দিজকা হইয়া क्षांजीन छल उ नूम त्रांजीक जामीवरीप কার্ল হাতে করিয়া লইলেন কামকণী নাগ द्रांज जोश्ति अक प्राल्य यादी। कीर्दिन रहेगा न्राम क्रिया त्रिया किछिउ (वलां विक थांक्रिउ घांद्रेश वांजाव

अग्रीत्न अने विष इड्ग्रां (अर्डे क्ल उ लेख 'রাজাকে আশাবিষাদ করিয়া বাহ্মণ মণ্ডলীর श्रुति। रिमाल त्रांजा कहिरलत । कि रहेल স্ঘা অস্থাত হইল আসিয়া অমেণ্য राक्तलभान वाथ इद्देल ३ कि ठय-कात इहार जामांत वस्तान जन्मार अह क्रिएइ (मर्डे आंगीवर्तापीय छल हश ক্ষরিতেই তাহারি এক ফলের মধ্যে দেখেন अक कीरे जां कप्त क्षवर्श जांश्व यूग इंग्ड হল দেখিয়া রাজা কহিতেচেন শ্রন ভোমরা मत्व रस्मानं वाडाग्रग् अउ डाल नर्ह ठाउन्य न कीर्ड उसक रहेग्रा जानारक म्॰ शह करक। ये दिल्यां वृक्तांल्ड कीं धरेश विलालन । उसक रडक मकलि दिनिन इंडक ना। कांग्रकती नांग निज मृत्रि বিরিয়া রাজাকে নাশ করিয়া অন্তরিক্ষে গাঁও ক্রায়া পুন্দে করিল রাজার শরীর বিদানলে

मिहन इहेग्रे (शल। जोत (य (लिशिय्) जिंदनन দেনা সাজান করিয়া সমাদ দিতে তাহাতে বিমকানের অনুভাব হইল আপনি আপনাকে ঘে জান করিয়াজেন তাহা এখন তাগি ককল এখন দেকাল গত হইল এখন বাডাদ তির্য়া বহিতেতে জানিবেন। আর এও यामुका वरहे यपि मक्वेंकान नक जन विजाता গুদ্র থাকে তবে জনোর গভাতর হবেক ना जगरात्व मुम् विठांत वर्षात्वान गरंड শ্বতির স্মাণ্য হইবেই সত্রব ক্রিক্মে একং জনের বৃদ্ধি ভাছাতে শোকিত কেন निश्हं विख्यान क्यित्न जानिए पार्विखन। আমার বিকেনোয় এই আইনে এই অপানকার ভদু অনেক কালাবিধি রাজত্ব করিয়া আদিতেতেল এখন দৈব ইন্না এক জনকে मवर्गिशिन कतिएउ नव० जानिन उ जानिन

মনে বুঝিয়াজেন আমি দৈব পরাকার এমত
ছইলে পরিরারের সহিত্ত পুলি রক্ষা করিয়া
থাকিবার আটক হয় না নতুবা বুঝি আপ
নার শেঘদসা ওপদ্তি কেবল দেবীসীমার
চবের কারল সবংশে সংহার হয়েনবা এ
দুইতেই আমি সম্মত ঘাহাতে আসনকার
ইচ্না হয় সেই মত করিবেন। অদা এখনকার
সামিত্ত পুলুত মতে দেবীসীমায় পুন্নি করিল
সাবিবান প্রবিক জাপনমিতি।

রাজা অন্য রাজাকে।

স্ভি মিতি পুলয় ঘাহার আজা হইতে।
প্রায় করিয়া ভার চরল ঘুণোতে।
ইন্মারিয়া মুগ নুরক যে জন করিল।

राम णांच प्धिरीत मरीं प्रांतिन। जात अप्लप्पाउ नउ रहेगां नम् स्था। जान विवतनांकां प्रांण क्रम्।

शिक्तू मलीएउ नुशक्तन सन्तिय रिक्या लेम् अहे চারি বল আদি পরে ইছা হইতে কতেকং जािउ अपुत इरेगांका। जजन नेक्याउ नांक रेनाव रेवछव (मोत शांनचंडा मुंड जांद्र , रूल रूलां तुर्व इंडे मध्युरे जंजन उर्व नेथ <u> १६ (वप 3 लाम्स (वप्रांक मधमुद्दे विमा</u> उद्वित जित्या । (तप प्नीःजा तिस्मांश्रीस्म मुक्तिनर्गागुः अर्थतमान्। हेर्। आंग्रार्थ जानि नवल ने या जाठवल कवा घारे उठित किए कांन शंउ रहेन निक्ध्य मग्रु शेख अक জন পালিম্ভ মাহামদ নামে ওটুৰ হট্য়া তাহার নিজক্ত শান্ত্র প্রকাশ করিয়া কাক जत रलरांन तक्षं (लांक अक यनुनां रहेग़ां অনেক। লোকের জাতি ব্রু০ স করিল। এব০-

उद्दिनितिक हिन्तु रीमा निर्धित विनेधीय 'গতি করাইয়া মচলেমান করিল ইহা বারিরেক এ মানে অন্য বিধি আর কিচ্ न्ठांत जिल ना। हिन्दू रीमा शुक्तव अनेत श्न श्रेल जिसला। केल्लिंड क्रिरिक डउत यांजन हेआंपि कवियां मयन जातांना লোককে সত পথে গতি করাইবেক এবং ঘাগ যত দানাদি করিবেক (বদ ও অন্যোদ্য শাস্ত্র অব্যায়ন করিবেক। ফুত্রিয় রাজ আপন যাহ্বনে আর্থ রাজ্য শাসন করিবেক 11° नीउ भौमान्मारत प्डा लारक्त पुडि भोलन कतियां भववीतीऋ दांजा इहेया विभ मियां उ पिराईनां पुडियां हेडापि क्रिटिक। रेवणा कृष्टि कमा भूप दिन (स्वा उर्श्वरप्त দুরীন ক্রিয়া এবং আর্থ ভতান দ্বিজ বাক্যানু মারে করিবেক। বুল্লন ভোজন যথাপজিতে क्यां हेर के हैर विविधाय तो . इय छार १

अधेराज अज कांन शंज इट्टल्ड नान। इरेटिए अधन क्यक पिरम रहेल अउर पिणीय क्रांक जन ज्रांनी जारायन क्रियां মঙ্গল সমাতার নামে গুলু বান্দলার সামানা डांघां शृतिंउ कवियां नुकानं कविरउत्व करह गोस हे समन्छ। ३ कि हेशंत उपत परि उ उपकेल किल् नेकांनेग्रांन थांतक लिशिखन । नज्या जन्मक्रान क्रिया छोउ क्रियन यपि এ শাল্য নিতান্ত তবে আর সমস্তই অঘ্যাথ ডাহার বিশেষ জানিতে হইবেক যে লোকেরা जामियां ए उन्हों त्रिति ए पिएन व्या पांच ইছারা মহাজন তাহার সন্মেহ নাই। ইহারা भोतुभीन प्रग्रांभीन स्मावतु क्यन उत्तु क्रवं नेव्यक्षण काउव (जाउनिय जाइ॰ अक এঘন লোক কোন কালে আয়ার এ নদেশে (पिधि नार्ड अव० उार्वां इराप्त अरे मांगाना क्या जातकर (लांक मग्रांप्रत गुंवन करत

अर०. कडक (लांक गुरुन 3 कतिगांक 'जाराज्य अ पिया जात्नव लक्षन। जान नक आकर्षा (यग्र डामा जाराता पर अव° তাহারদের লাম্ম মে আভাঘা হারলা कथा मण्मूड नरह। इंश्व यु छन्। रही र्टेल एपि डर्गितात्त्र में कि उत्य आंत्र मयन শাস্ত্র সংহার করিবেন এ সকল অনুসন্ধান हेरांव (य किल् जांड थार्किन निधिरतन। जांत তির্কাল গত হইল আশনকার অঞ্লের বিবর্ধ শিপি দ্বারায় না জাননেতে স্থোভিত জিলাম সমূতি নবনগার রাথের ভাতা কমল নয়ন আমিয়া মবর ক্লোভের নিবৃত্তি জনাই মাজিল তাহার স্তান্ত স্গোত্র হইয়া थोक्टिवक क्रांक पिरम (म जानेहर्व मृजि नागित्र मुक्त वृक्ष म्राष्ट्र जिन्ति मिज जिल डेडि यरी। यक पिरम पिरक्या उद्दिश जारिक्षकराय मिथ्यी, क्रियी, व्यापकर मंथ

ইত্যাদি পশ্ত হনন করিয়া আনন্দে, পরিপ্র হুইয়া অসাববানে বাত্রিকালে আগমন ক্রিডেজিল আদাতলার কানন পশ্চাত ক্রিবা शांत्रहे यहांवाांन् क्यननग्नत्क म॰ हांत क्तिल। अधे याउ वि॰ णाउ भीनी इउप করিয়া দে ব্যাঘু মারা পড়িয়াতে ইহাতে অতি শৌকাত্র হওয়া গিয়াচে ওপায় কিচ্ নাই े दिव लिनित वादी र्त्सन या इटेंड नाद ना পরে তাহার স্থা অনুম্তা হইয়াকে তাহার (जास न्य उनम्ब अश्रांक ममाज निर्धात ঘাইতেচে আমার আৰু গ্রা তাছাকে তাহার পিতার পদে নিয়ক্ত করে। মাগবের মানৰ চৌবরী ডাহার নিত, নিতামহের স্থাতে স্থাতাবিত ছিল এখন মে তাপনে রাজ্য ভার পাওনেতে অতিবাদ দুরত্ত পুজা (लांट्यु अनेत मर्विपा (पोर्ज्ना करत क्ट्रक डाक्रांडि व्याणियां प्रमाव्जित्व नेवव

जिन्नाशिकारत्त् (नांरक्त्रिप्रांटक भीजा वर्ष ं ग्रांड कतिरङ्क्त डांहात् नियात्ने नहिल्ल अ लाफ जिसिए नांद्र तां उउन्व ভাহাতে মনোঘোগ করিতে হইল ও অঞ্ (लग्न जान्यवीती पांवपीप (लाक महाधांत कविरवत। अथानकांत्र व्यामित्र (लांक 3 उरिाय प्रांठा होल आंतकांत्र प्रयांठांद অপেক্রা জানিবেন শ্রনিতপুরের নাগর্গী यिष्य यहां वा प्रत्य प्रत्य नद्रांकां व प्रत् यल्याकारण विष्या ब-मब्राविध आनिकांव प्मिना प्रिक्षं रहेगांटा नगन खना (शंल মে অপুণনকার মেনাপতি কোন বিষয় गनमानित रहेग्रे दिरवकी रहेग्रेरा उद्येश विभग जानताउ न्तरांग जारांत स्नारम् করা গেল জানিবেন। আবলাক হয় लिणित मोरीन घारिक ग्रांजी यार्क वाधात नेत्रलांक रउत्न (प्रायम्त्रांध् कांज्ब

इहेग्रे जानंतसांक प्रभातंत्रं कार्न क्विडिंड. আমার কাদনা যদিত্র সংকলে আগমন হ্য় হিশেষ লিখিলে আমি ও প্নরায় আপন কার সান্ধান্থে মাগাণ্র গাঁড করিব ডাছাতে पृष्ट इरवक। प्रध्य अहे विजीय शिक्लांतना मि॰ ए ए मयुं जिल्ला नुजान नुजान मार्थती , प्रजाशिकांत कवियां भव्य म्गी रहेगांट মে আ্যার নিতান্ত অনুর্ধ্ধ মে এ ঐ ম্বানে अने चि कि छे जो वाने न में उ रहे गोरिक स्म स्त গোরাগৌরার ঘুররাজের মত হইয়াজে उद्भित विदल जारियन करूल। नाथन्त्रिय মনুদেন রাজার কুমার গোরাগোরাম ও उद्दित नाजन्य नुर्तिश्रत यह पृष्टे जत्नाज छाउिणंग् मञ्जीउ अक्त थारकत मार्गरे (प्रा' लांदि कालाकान करवन। हेडि यादी। वांज क्यांत अक वर्षात्र माप्त (पराधन दैमिश्हीत

, নীলপুজ মহারাডার চন্দাবলী নামা পর্ম ज्ञानती क्नाति महिउ छोड्रात विवाह इहेएउट कियां अधिनात ना शहरउ तिष् । इसेना। (अहे जान्म्भारा नानान रज़रे फान इड इहेग्रा मंडांट लांट्यत्राम्य अनंत अम्बा कविष्ठ পুরত। রাজার একুই প্রা আর নাই জতাব म्यार्थ रज्हे (यनखांतिष्ठ म्य स्वार्ग मुंधन श्वरक जोकियो बनिन न्य (लोशेव नागोव বিদ্লাগ্ৰ আমি নিতার শোকাত্ত ইহার अनाव विति (उधा विसा किन् रहेर नांदन किंद्रिश किए कोला (य कि कोरन अगड शंडिक छियांत महिउ निठांत मन्ने उ ज्ञा यपि रकोमन करिया विवर्भ जानेन इहेरउ भार्य এर°- रेश्त प्रिकांत (डाया रहेर**उ** रहा 1 ভায়ার নিতান্ত মাহার্যাতা পারপুতা রাজ क्यारत्त्र निक्रिं अद्रांडे थार्टिन किन्तु जानाने इय नां भेडे गाउ कथक जिरम पांत अक जिन

नाजन्य दांजन्याय डांटरत राजाय (प्रणियां एतं वर्टक जिजामां कतिलनं मारा यश রাজ আমি আপনকার চিন্নিত ভ্তা অভান এ म्। मारक जांजा इंडक (प डेड्रांत विवत्न कि। दांजन्य मग्र नुरूष कवित्त पांजन्य जांश (क स्राडु न्लांकिउ करिय़ा आशाम करिष्ट ভাষনা ছি আঁম জানি চাঁদহালীয় নীলগ্ৰজ यं जारक न कांग्र उथा अश्रज आरेन करिय তুরি দ্র হও। ত'হার আশাদে রাজকুমার न्यत्वित न्यतं त्रक्षे इतेन। राजा नात न्यात विद्याति ज्ञाति हिंदी स्वाहित (नन नरत दां क्यां दां क्यां दां नोजन्य क्लाव उत्माल के प्रश्री शांक कविया खेनियन नोनदेश क्यांदी प्रांड कना किन् मिन्ह म्उन ने ति यादी। थांत्र ने उन्हों वक्षाव्याप मण्त करत्ना। देशंत उपड नेरउनोट्य नाजनेश विष्ठमा कविष्य द्राजांद

ग्रानितीत वांधीर बामा कतिया तिहाना। विसुत्र क्षेत्रा कड़ि प्रिया याननीरक वड़ রশীন্তা ক্রিলেন মালিনী ইহারদের আজা वर। पोन्पण ग्रानिनीत्क कहिलन एगि पति রাজকন্যার প্রদাদ্শনের কার্ন কহিতে পার্হ তবে ভোঁনাকে সহস্ মুদুা বুদান হুরিব। মালিনীর সাহত রাজকনার मुला जांका अक पिन विस्तुत एक मेरवर्ष জিজাসা করিল ঠাক্রিয়ি আঁথাকে নিডান্ত जानेनकांत प्रांभी जानियां जानवाम जायि ভিত্ তিভামা করিতে তাহি কিন্তু শক্ষা ছ্য় ঘদিতু না ক্রেন তবে নিপ্তান্ত ফোভ श्रीत का दांज कता। कहिलान (सांज পাইবা না ডুমি ঘাছা ডিজানা ক'র্বা जांद्रा निजान जाशिक हिर (जाशिक डांद्रांत मस्पर्काइ अविश्व क्रिक्ट क्रिक क्र क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्रिक क्र क्रिक क्रिक क्रिक क्र क्रिक क्र क्र क्र क्र क्र क्र क्र क्र क्र यानिनी कहिन अंक्यि कियाध कर्ड।

ज्यानीत नक्षात् सूध एणत करत्न तां, ইহার কারন কি আজা ককন রাজকন্যা কিখিত বিঘাদিত হইয়া কহিলেন শুন এ ভাগার অক্থনীয় বিবর্ধ কিন্তু বাক্য माननार्थ कहित मांतरीन कोशं क किंड না আঘি তাতিষ্মরা তান্যাতি প্রব তান্য ভাগ্রি কপোতী জিলাগ্র অমুক বনে আমার দের বাদা জিল আমার তিনটি অতি জোট বাণক আমরা দুই জনেই মেই বনে বাদ করি মেই মানে চরি কাপ্তার আহার (एडे (महे कांत्न श्रांधीय (लांटकरां (म वतन जायन एया राज कायन कायावर या माव নিকটে অভিন আমি বাস্তা কোলে করিয়া রহিয়াজি আমার কামী ও তাহারি নিকটে র্মিনা জিল আমি কানিতে ওাছাকে किंगिय करनेउ (इ अथन किं कर्) याहरवरू जाि निक्छे इर्न जािम्या याष्ट्रा अज़िए मात् ना कि श्वक कानाउ वनिन परि जारी जारिय जत्वं वाष्ट्रांत्वं महिज जाम्तां उ विज्ञा गरिष भेरे वित्र कोन वेद्र जाएवन निकारे जानियां गाएउरे कालांड মাত নিদ্য ওত্য়া পুদান করিল তামি यां होत्राप्त महिङ ने ज्यां यत्नांध। अङ्गर जांद्र च्यायंद्र यूगा पर्णन करित नां अहे खोगोह ने उजा। यह महल विरुवन योनिनीह मारोप नोजन्य नातन किंगा अहारक भंद्रम् जनांत (उप कड़िया जांत कड़क रांनर ठोकत लिया मर्यन शांत कवियां ज्यल करंवल शंजन्य भाग विषय वड नांवक हेशंद उंश्वरत्व शीरत्व वर्गाणा वर्गाष्ठ इहेन मन्यं प्राक्तिन महन्दे यान रहम द्रांनीद्रदर्श भीत खनत्त हेष्ठ! इहेल उद्धारिक म आम जाजा चहेल मांज खनाम नेव धारी। ात इरेल मकलाई শ्वन कविए भविएत

उशिष्टे रहेल। शाग्रक त्रांजनेत नीरत्त्र. पूंधात अनरमान जानन एक तरकृत नही पियां आहापन कतियां छाडिश्नं न्रियां ক্রিলেন গান বড়ই লাগিল কিন্তু মূল शिग्राक्त एक जोहाँदन विवद्य द्वांनीत्र তিভাদা করিলেন। রাতকুমার গায়ক प्रज्ञा कित्रला । ठांक्रांबीता न जांगांत जाक्थतीय विषय (उांग्रवा जिजामा कविला अङ्भव तिरवपन कृषि आग्रि जाउन्मव जिना निर्द उत्ता जाति करने उन्हो চিলাত্র অনুক বনে আত্রার্নের বানা আমার তিনধী অতি শৈশর বাস্ত্র' রাহ্বালেরা वत्त जांधन जिल नेत् प्रधान जांधन निक्हे रहेन उधन जांचि दांहा अनित क्लांल कवियां कामिएउ कामिएउ जायांव करनाउरि क्टिश्रा अंतरह अधन किं इहेरवक ভাহাতে দে বলিৰ আগ্ৰহা বাছাব্ৰের সহিত

, प्रिया गरिव परव जानल निकार जाहिल (मार्ग कलांडो अयउ तिर्माग अज्यानम्यान করিল আমি থান্তার সহিত পুড়িয়া মরিলাম। वह रूथा कहिया यादा तांजकना। धत रहेरउ যাহির হইয়া কহিতে লাগিলেন মে দুঘি কেন দেও আমি গায়ক বলে কছ তুমিও अछिया शिल आग्नि । इग्राह्म प्रेजानत রচনা হইতে: রাজার কনা কৈ কহিলেন এ তোমার প্রত জনোর स्था অভাব মান ও ভূমি বিবাহ কর। তাহাকে সেই মত इर्ल १ उ (मरे गउ सा दे फिछ रहेग्रांफ छोड़ाटक (प्रशिष्ठ इड्रेटक । अक्न विद्यहन ल्वर्क यांश् उप क्यां यांश्यक निर्वादन গ্রিতি।

রজা অন্য রাজাকে।

মত রজর তেন ঘাছে নিঃমরিল।
কাতরে শরন তার পাদ পদ্মে নিল।
তাহা বন্দি পুতুতর পত্র লেখা ঘায়।
হদবর্তী হয় ঘেন না হয় সংশায়।
শুক্তি বিবর্ধমহা শাস্ত্র দেশে পুকাশ হই
তেজে এই কথা শুবনে আমার সভান ঘাবদীয়
লোক মহানন্দে পুমোদিত এজন ও ততোবিক।
এখন ভোমার দের ও দেশীয় লোক ত্রান
হওনের হেতু ওপন্তি ইহা হইতে আর
অবিক আলুদি কি শুন মানুষ সমস্তই
এক বিজ হইতে ওদুব ইহাতে সকলেই ভাই
ভাই ঘদি ভুণ্তুগনের মধীয় কাহার দুংশা

ক্ষি সাথ হয় তাহাতে জন্যোনা ভাত্দিগের इम कि विग्रम जर्दीन कर जांजा विदर्भ निर्वाम कविव । (एम ।) हिन्त्य निव । क जाराल देशव नाम मानअमा वाजा नामात्व प्रत्य प्रिया प्रा १ वर्ष यात एक प्रांत शान हेजांपि अक्टे यउ जिल भरत भीछ বিবর্ণ মর্থল স্মাতার আগমনে সমস্ত অনিত্য প্ৰথ শাস্ত্ৰ লোপাপত্য হইয়া এথন न (एएन (एस विववन नेकान इडेग़ांटल এখন সমস্ত বল একত্র কাহার সহিত্র কাহার ভিন্ন ভাবের লেশ নাই মে শাস্ত্র বিবর্ণ তাত্রি আজানুকা নিদেন করিতেচি । डरावान मिछि क्रिया नेशय यान्धरक ग्नित क्रिय़ (अप्राप्तांत म्नि प्रिल्न (म लेख्य उर्श्व तांग्र जांग्र जांत्र अरू जत ची जनाशिए जामयात ची कित्या मिलन डांडांत नांग सांउग्रा भेडे प्रे जन भ

उप्राप्त कर् व नोहल अग्रजान जित्रनेजीग प्रज पांचांत जातेशनंउन इहेल जाहक्षांतांथ उर्शत हेहा अग्रदात स्मिति तक करत अहे मक्ल जनुरत विरवहना कृषिया मरन्त् यांकांत्र इहेग्रां (महे अम्रांत्त यांह्यां (मिणन ফাও্যা একান্তরে তাহার সমুধা করিয়া • जिजामा कतिन (डीग्राता कि 1 अपारतत कु व नोहेग्रांक। स्रांथ्यां नेजायत कित्यां কুছিলেন বটে আঘরা এ রনের কর্তা হইয়ালি। আমরা এ সকল ব্ফের ফল भिरेट नीति (करन नहे यादी) स्तित पृष्टे গাঁচের ফল মাইতে বার্ণ করিয়া কহিলেন यपि (जीयदा देश्व एन भारेवा उत्व निउाउ মরিবা। ইহাতে সপ কলে সম্তান হাসিমা कृष्टिन (उाग्रव) तिर्दिति एन भोडेल ग्रविश नां ঈশ्वतं कहिल्लन (म नेजांत्र भा वठन पणि खांत्रा ३ शांकत् छन् भांह्वी उरव खांत्रा

ङ्गिश्वत्व यष जानवान इहेवी अउपध्य ज्ञावान প্রার্না করিয়া মানা করিয়াজেন জুমি ও व्सर एन जानिया गां अ (पणि घाडेया (पण কেমন মর। তাহার থাকে। দে নারী ঘাইয়া क्ल जानग्न कृतिन किए जानि गाडिन <u>न</u>य०, किन् जांशंत सांगी जांपगरक पिन १४०० (म उ गांडेल डेशांउ डाश्त्र डार्वातत् जांकां जम कतिल। नत्त जेल्दत अमाति আমিয়া আদমহ বলিয়া তাজিলে ওাহারা रस्त्र आंरजात थां किएं। किल् जिल्ल जायत्र नगारन जाकि जायाद्र अन्तर তোমার সন্থো অসিতে আমারদের লক্ত্রা ञिश्र इलिएलन (क ठलिल (ड्रांत इय। पिशिक्ट अनिभे तृति। (जात्र) मिन्यकृत छन ए। हेर्। किम पांचा जाति प्रांना करिया किलाग गाहिए (अंत्रितित्य कांन्य कहिन ही पेत क्षियांत एउ नांदी दिन आंधारिक अवव आंधि

उंशि भारेग्रांति परत जिनि जिज्ञामा कतिलन नां तीरक कर कियाथ उरे १ कांचा कतिनि तांदी तिनिन सर्गिय अहे सर्नाप्ता जास गिरिलांग १४०- गिरंशिंहलांग जांगांव स्वागीत (महे हेश्रंड (ए। वांचां डि इहेन जांप्रा २४०. ফাণ্যা ডাহার সন্তান সমস্তই ডাহার नात्ने नानी। जैन्धत निग्य कित्रारक्त नान करिएन उपर्यंत्र नामिस्यान नत्क निर्धानी इहेल मूणाङांश मृश किनु जांपरात भीत यांत्म मयस्डे नेनिक्षं रहेल यान्तमत् अक्षांत नेनव यटउ इहेटउ नीरत ना उत्याच आखा এव^२ निष्धिते छि। वर्गतित्व वाउ। य इहेर्ड भीरत ना उनुना उ म्हार्शव म्हाराशि म्यास्ट অনত্ত ঘদুপ ভগবান আপনি (म उनुना মান্দের ওপর পড়িলে অনন্ত কালে তাহার कीयां रहेएउ नांद्र नां। अउ २४ (प्रिप्लन हेश्वाद्य यात् निम्हि ताहे किनु यहि

-भाष्यं प्राप्त न्रांग्रिक्डिंग र्यं उरत नान भाष দাপ তাহার সমান অনত্ত জগত হইলেইবা হইবে কেমনে ইতি মধ্যে ভগৰানের তেজো ময় শরীর হইতে দ্বিতীয় তেজ বাহির হইয়া कि हिल्लन आंशि नृथिवी उ जित्त्व अव्य अव्य निर्न्त जनुना (एट्ट वांवन कविद्या नाटनव नाविक्टा হইব। সেই য়েশুমুখি তাহার জনোর विवत्न न्रवर् घउ जित्याउ वक्ता रहेरलत न्थिवीरड नांग् जरूलहे भीत विववन क्रिया (जन उर्शित स्वाका न्जिनाननार्थ प्रश् उंडू जनाधनाथ पृथिवीत् जिनाग माति। रिमा नाम हिछानएन कित्लित। वध्यउ ठग्र-कांव कांचा कविल्त नृधिचीरज करङकर नंत जीन निहेल डोड्रं जीकांग् এव॰, (मिरे खरख्त ठक्ष एमि २४०, विशिष्ट उँ उ मारकत् वोका महे मछ जतकर जामन्

তিনি নিবও করিলেন কেবল তাহার जोक्रांग्। अव० नानां यउ (क्रूमं नोनीव्रावर् जांबाध्य निज (एष्ट वीव्रंब कविद्यां जविद्यां उ वांका जन्यांग्रियांता (शंतन २६० प्तववांत उन पितां उत्रांन क्रियां ठिल्ला पिरम मर्गात निधिवीरि जबस्जि क्रियां स्रातर पेतरदीत अपरिष्ण कितिस्नि । पेर्त डार्शत लिए छात्रिशिक अने प्रमान कतिए नियुक क्रियां अथन जिनि म्यर्ग डगंदानित एकिन ভাগে আফেন যে পাপী তাহার ভক্ত আন্থা করে তাহার নাম দেই ওদার হবেক। जांश्व भाष्यं जन्भा भीक्ष नह्यां एतन अव०-विमा पाछ रहेल भीक्ष मिया देशत विखात বিবর্ণ মহাবিদ্য শাস্ত্র মধল সমাচার মবো ভাত হইবেন অতাৰ শুষ্টিই সমস্ভ দেশ न्वर्कारल जानाकांत्रयम किल अधन सर्गिम् প্রকাশ হওনেতে লোফেরদের জান নেত্র न्यान रहेयां विष्ठतां रहेयां का **এব**০-(लांत्स्त्रप्रं आतक आनम् पिवा जान विलिक्षं रहेगांटच जाउन्न मीम् नहे नातित এই जान्यां ए हो उपित्र उ जरूत हैश শ্কাশ হইতেচে ইহাতে অধিক আনন্দিত ভূলোম। ইহার অধিক আর ভাগ্য কি रामनग्रनत् विर्योशि न्थेयउ स्यांठांत . পাইবা মাত্রেই শোকাব্ত হওয়া গেল মে তুষ্ক বিঘ্যু সকলেরি সেই পথ হইবেক ডাহা किल् नाइ पृथ्या अहे अंश्रंत नंत जनुना ज्यमीया रहेन भीक्षं ठाडित्वक (लांकिव अक्षांत महि जारदीन थाक्तितन उदिग्त नृत्यात दिग्त আশনকার বিবেচনা অন্যায়ি করা ঘাইবেক यानव छोरेशीत विवत्न न्द्वर गुंउ रहेतां जिल अहेराउ राहे फ्युंड (म जानित अशंल अधिमा भेरांनड इहेग़ांट अर॰ एछ वावमां महल जांश क्वियां एत जांश्व कड्यां

ভাতে এথানকার সকলে তাহার গ্লাফান্ত अधि अ विकास क्रिनाम मुद्ये (कान लिक निज स्डांव छात्र कविया लिएडा ठत्न कर्त उरव डिरोबान कृष्ट्रिक प्रयो . হরে। আহর ধোন বস্তু মান্য আহার मित अठिउ ज्ञितालित जोजान्यस कार्या করিতে তাহাতে মে প্রতাবধি আপনকার 'रूकी निविक्ष' जाउन्त 'जांशांतक जाउग् प्रांन क्रिग़िक्त (म अर्थानकांत् श्रीमिक्शित्रीत्वत गुली निविधं जीनिद्दन। नारावृत्र ग्रानुक ित्रकान रहेन (कांगांत निर्माहर जन्मकान जिल ता ऋछित लक्षन न्या रहेग्जिल जानिकांत्र अभारत अने ग्रिक इंदेग्रीरक जालहे जावनाक रहेरन (नगा घाहरवक। (शिक्ना नम मि॰ हित विवद्या आभिष्ठे । (व व इहेन उद्शिक्ष (एथा) आवनाक आंत्र विवक्षानव

পরে আপনকার সাহাতে এ আনন্দ স্মাতার অত্যব মধন সমস্ত মায়াপুর সাজন হইল আপনকার আকাঞ্জাপুর কারন নিবেদন

রাজা অন্য'রাজাকে।

সংশার স্তান কর্তা তগত তানের ভর্তা হর্তা কর্তা ঘেই মহাশ্ম ঘাহার আকারাকার হয় বুদ্ধি আগোচর জান নেত্রে যে দর্শন হয়। বাক্য শক্তি কৈতে নারে বুঝিতে তাকেবা নারে আক শিব নারে কদাচন আর কে তগতে শক্ত তার কণ করে ব্যক্তি নর বুদ্ধি কিন্দেতে গালন ওক্ষেশেতে নমস্কার করিয়া চরতো তাহার শতংনতি ঘনে ঘন সেই সে আপদহারী তার পাদ পদ্মমারী প্রেম লিপি কৈল আরম্ভন।

व्यानिक कोल शंउ इडेन अधानकांद्र शिविक জাপনাথে শাবর সি৹্ছকে প্রেরিডে অনুমতি इडेग्रां जिल उनारी। नागन्तराशीणं घात्रा नाथ इने कथक नाठनी कत्रियां कि कथेरकत वार अधिकांत कत्रावत जीएण म्राम्ब क्रनाय नाउं लिक च्यो नेवात (ने निल সমাচার পাএয়া গেল তাহাতে ব্যাস্ত চিত্ত किल। मगांठांत पाँच्या गांद्वहे जिन लक्ष (मना मजा इड्या क्हेरकत न्या नेव्हारी (नीनिल पांत्रकानाथ नेशानकांत् (मनांत्र কোলাছলে শুরু হইয়া নিজান্য বাহতিতে जिल्लन रेएव शिंडिक (एए) अर्थानकांव अक মেনাপতি ও এক লক্ষ ত্রগাক্ত মেনা পুত 'य् मत् आंग्रांत मगस अधिकांत (वर्धन करत

उद्धित्रपत् (पणा इद्देल उद्धिता प्रात्रका नाथ्य (मनावितिक नवास कविया इनेक्ट जांक्यन क्रियां जांनियां एए। अधिकांत् ताराप्त उ सायांचा दांजा नरह उद्दिष्ट नर्मि-इ द्वांतनानाक कर्या कत्रिया माठान (तन प्रांत्रमान जाननकार एम पिया यहित्क (मह भार श्रीत अ अनितात अ भारत तिक नेउ इहेलन। करव यहित उद्दित तिरत्रांत्रेन इसं नार्डे नेक्ट्रंड (लग्गे प्रिटेश्वरू । न्दिक खना शियां जिल कोकी नेत जिल्लि विकल वाजा या न्वरकारन उदेशान थाकिया विनवान इहेत्। जिल अधन जानेनकांत जालमा কার্ল কাকী ব্র কর্তন কর্মা রাজা নাম न्धन (म किन्धिउ तेन मर्ण्य क्त्रियांटण ! कतिन (मना विधियां क्षेत्रांत्रमोठाफि शहा जीत्यं यांचि (लांद उत्तर व नत्य व वांचा बहेतां सक्त लिक्टिन ने कि दिया नय यू प्रिक्त

कात्रांन काश्रंटक जारा करत् ना। न विष्य यांनित खितियां थांकिएवन उथांठ देशंत प्रात करद्रन ना डेड्रांत कात्र कि। (म जीएर्त প্রায়াতের দল অপনকার অধিকার নত্তা এথান দিয়া তাহার সমোচিত হওদের जािक रूप नां किन्दु जानिन नेशानकांत् মহন আধনকার অধিকারের মেনা পাঠান আপনাকার অন্যতি (ভিন্ন হইতে পারে না। न कार्य ज्याषित किया निर्मा कर्मादित श्हेर पार्य ना यान जन्या श्र का निधियन जारांत्र पुंजिकांतार्थ जान्यन कता पांरेरका নত্বা ঘাহা হয় আপনি ক্রিনেন ঘদিও (करल जोनेता पिय़ा जामारी। इय लिभिटन अश्वजात्य न्यानकात (अनानिजिश्वता) অগ্রতী হইবেন তাছাতে অনাত্ত হবেক এ আগ্রার অবশ্য ক্তব্য কেননা সে ंछांग्रांत्रपर (परम्ली उांशंत यांजित वांतिक

যেহা তাহার দ্মন অক্তর্ব্য নহে অনুমত্তি छामकत्य कृतः धाइरदक। मि॰ इन्त्रंविकातीः প্রবিপর এথানকার আশ্তি জানিতাম এথন তাহার গতায়াত রাজ প্রেরদের এগানে मप्रमार्वपा देशांव विष्णम कि । वाज नेरववां এমানকার নিতান্ত বহিরম এ আত্রালাক ইহাতে আত্যতার বৈদ্যোতা হয় কিন্তু এখান कांत् उचतुःकव्ल १६६ मार्गाः। विष्युट र ना (याश करत नां कि जानि रेशव शिंहकरस ত্রাছার বৈশক্ষল হয় তাবৎ বিবাৰ ততাব দ্যিত ছপ্রীকে বার্ন করিবেন এমত তার না যদিতৃ তিনি আপনকার এগানে इग्र। महजङात वृद्द ग्रउ ना थारकत जातिए मितिया डाइर्न महार्थिउ क्रियो नेमार्थेड ऋरत्वित जाहिक कि। जोहांत कि निक न्यानकात् मिছ्उ पेडिर्णानिशं कतिरउ नेघड स्य (कान काम नाइ एक्ट्रिक्ट क्रिक्ट्

STILL STILL

গেতরাটের বন ব দত ইইয়াছে श्रीतिक । क्त अग्रं कि ज्ञान विरागम जामि ना परि जानम কার অঞ্লের লোকে করিয়া থাকে ভাল जागांत हेहां जातिए ठाहि। व्यवसात বিবর্ণ শুত আচে প্রবকালে কালকেত্ नांध्य गांते অতি प्रतिषु ঈण्यत रेष्ठ्रांकध्य মহামায়া ভগৰতীর দয়াতে বন প্রাপ্ত হইয়া नै भारतत तांजा इंदेगां जिला। (म कंदकांल डांश्त्रं तिक्हेंग् जानां घांग् ना स्ति रनभूतीयग् लिंटिक करह हेर्। वि याती कौन किनु व नेवी আছে। তাহার বিবর্ণ যদি কিছু প্রাণ इहेग् थांत्क अथांत अयांतं इहेल एप्यान्त डेह्रा इहेट नारत अकारन प्रवासीयना अव० দৈব আন্ণতাতে এথানকার অন্তংকরন নিতাত্ত পুতল্প আপনি ও ঐ অঞ্চলে মনো (यांत करत्न उरव यांडेग्रां मुस्रां रुग्र । विरव ' ठेना' क दिल जाना यांग विषय कि चपि नेवव

र्जो ख उरव जायांव अ म्रांत जन्त्रभाविङ অত্যব মুশানকার সেনাণতিরা মে ম্বানে অবিদ্তি করিলে বিবর্ণ জাত হয়েন অত্যব তাছার কি গতিক জাপনাথে স্থান तिरतत। शंजक्क व्यंग्र क्रांक प्रियम रहेन এখানে আসিয়াতে ভাহার এয়ত দশা কেন ভাছার নিতা ও নিতাম্ছ সব্যক্তানেই ও भगानकात प्रजिभाना भारतिमानिक रहेसा जामियां नेपारत नंत्र लहेग्रांक जानेनकांत এ খান ভিন্নকোটি নছে অভ্যাব তাছাতে বড় ज्ि किति नांडे छोड्रांत निमिय (नाग) छोडे उत्त (एए (एव व्रांज (ड्रीणीयी स्वास्व व मात्र शंउ इडेल कांग्रकने मुन्दन शियां जितन न्य जोहांत नेत डोहांत जांडा अध्य जांड क्रियां जाराम नर्गा (ने निल्लन ममार्थां त मंद्रय माउग्ने शिग्नां किन मद्य गुनां शिग्नां किन (प उद्भाव ज्ञान प्राचित स्विया (उपाव

ত্যানে ওপন্ত হট্যা সভায় নিবিদ্ধ আদা জন্মে নাই মমত হবে কেন তাহার পুরুষ পুরুষানুক্ষে মুখানকার পালিত এবং-মুখানকার সেবিত তাহাতে মুখান হইতে নদ্ধতা করিয়া গিয়ালে মুখানকার অনুমতি ব্যতিরেক কদাত আপনকার সমুত্র নহে তাহাকে সভাসদ করিতে ঘাহা হওক ঘদি তাহারদের বিবর্ণ পুতার ইট্যা থাকে সমাতার পাইলে মুখানকার লোক ঘাইয়া তাহারদিগাকে আন্মন করিবেক নিবেদন মিতি। নাজা অন্য রাজাকে।

সবর্ব হও কর্তা যেই হও অধিকারী
ভাহার দ্রুন হয় দিবদ দর্শররী।
হারাহ্রও ঘত জাজে তার কৃত হয়
জগতের মধ্যে দেই দব্দ শক্তিময়!
ভাহার চরনে নতি করি ঘনে ঘন
প্রাত্তর নিশি এই ক্রিল লোখন।

ঘারকানাথ লুন এথানে আঁফ্যিও

হইয়াজেন মে ভাল হইয়াজে একারন মে
নাগালুর অঞ্চলের ঘারদীয় লোক কি নিজা

বিকার কি ভিনাধিকার সকলেরি দীড়া

দায়ক জিল। তাহার রাজ্যে ঘারদালকে

কর্তা নিযুক্ত করিয়াজেন মে ভাল বটে কিন্ত ঘারণাল ও অঞ্চলের ভাত নহে ভাল ভাহা

বুঝা ঘাইবেক এথানে লৌশিলে তাহার

ঘেষতে নায়াশ করা ঘাইবেক মেথানকার

বিবর্ণ আপনে ও জাত নহেন দার্পাল ও उछोशिक एम म्रान यु किंदिन मार्ग मर्वितां, पाहाजिया (डाग्रें। ज्वा नांग्रिया वांजा नहे करत जो होत तक। र्हे वार्य व वार्कानीय न विषय वज्हे स्वाजानन जिल रिवकत्य আফ্রিড হইরাচে নত্বা ডাহার সমান দুদিনা বাজা ছিন্দ্ধানে কেন্দ্ৰ নাই সেই . नाङ्। ज्यांवरप्य पांच विव्य जिल यांड। इंडक (म स्रात (क्रान प्रांत्रनान प्रिया) निय्योह इहेट पीरत ना। (मना पुरुक जावणारू १व० अवाक लोक उर्शंव वावस् এথান হইতে হইবেক দারকানাথের রাজ্য প্ৰেব এই বাজা নিবিচা ছিল ফিছ কাল म्वांत्रहानाथ प्रान महोग माउन महोग हिला জানিবেন। বিক্র বিবর্ন আপনে বৃক্তি ছাত नर्श्न (कांन पूछ) (नांक घोडेग्रा अग्र कांनांन भजान करिया थाकिएवक। प्राधंत संजीव

48 उद्देशित गाउँ आंखागरी। रिवाम रग अरे তাহারদের মনোভীষ্ট তাহারি বিবেচনা না क्तियां (घ उद्धांड जाम्। क्ति (मः (मःह यं नाया विक्र यहा विभिन्न प्रांत (डांडा) मप्तित्वी बोहांत्र मप्तित्वत खोळांची यागान यांद्रणीय यांद्री लाटकद्रिगटक यांद्राचांरी অভিযা করে অপার্ল মাধারল মান্ড লেশকের मिशक जनमान करतं उन्ति विगुरुप मिर्ड কেছ পারিকেল না দেবতা তাছার সহায়। उत्व कि (प जांश्व जिश्वांत्व अक माहि छारित उन्हारित याद्यीया मन्य करिल्हे कर्म कारिकन जांहोत दोत्व ऋतित्न जांहोत त्रांखा আরু বিষয় কিছু নাই যে লিডিয়াডেন আমি ভাহার দমন করি কি আগনৈ সহতে ভাহার प्रयत कर्त (म अयु राजि तरह (म जारतहे महीता (लाक डाहारक हिरजान (म्रामंत्र जारामाक रज अक्टी नाहे एरब

য়নে জায়ী হওন ডোমা আমার শক্তির বাহির खामात् अहे जामध्यां मत्न जुम इहरउरज्ञ আশিনে তাছাকে অব্যাত্ত নছেন প্ৰৱ কালে म्बर्गीय वाजा मक्दमां देहां व अधारत कर দায়ক হইতেন এথান আমার ওোমার ওার তাহার দাওয়া করে না এতাহার মৌজনাতা নতুবা তাহার অমাব্য কি আয়াকে তাহার দ্যনাথে বিবেচনা ক্রিয়াকেন আমার মত তাহার শতং দারপাল। তাহার প্রযোগিঙা আমার সহিত নহে আমি তাহার আশিত এব ত আমার মত মহমাবধি পুন্তত তাহার विषय (क्रांन क्रांय (क्रांन क्यां) क्रांय जायां व দের কেবল অতিলাম প্রাপ করা নির্দ্ত थाक्रियन। मि॰ इ न्तांशियनं विषय यादा लिणिएरिस्त मिन्यांन उशिक्ष प्रयतांव ध ठिसे कदिल उ शामि जिल्लो जानशंजा হুইতে পারিবেক। ওজহাট বন অনেক

कारलग् विष्ठ जन्न जार्थ आर्थनकात् . (पारक्रा में भागित क्यिंद नेंदर इंग्रेम् याय्वाधिक इडरल जाना पारवक। जाइंद्र गरिश विषय कि नेक्सं - जातिरउ निर्विति । গোশাগির ভুাতা মহা পতিত নকারন নাগা कांत् जारी। निरुष्ट एतं जान्य नहेयां महाय याजांना कड़ीकाल एंग्रास्त्र राज्य राज्या जाना (एउरत पूजा पुष्ठिक्षांत्र वांध्ना छाष्ट्रा ' नां क्वा (कन। उउःव देशंव विल्मिन ाहे एउन्हां व्यात गुंउ जारित क्लिक्ट्र অবহিতি জিল ওাছারি তদত্ত জাননাথে এচানকার লোকেরা আজানুচাঘ্ বন কাটি उठ्य यानित्रात रेह्रा र्य अयहाल আগায়ন করিলে ম্বান মাছ্তা আনিতে পারি ध्वन नेगानकांत उर्ह्य किन उथा गरियो ভিত্ত কাৰ অভিভিতি কৰি তাহাৰ বাধা হারেলকে রাজা প্রজিব মহিত দুর্লিতা

আর্ম করিয়াচেন পুরতি ব্রাহ্মন তাহার আনুগত্য আবশ্যক এবং পুরব কালের পুতি আচে এখন কমলরায় মেনাণতিকে বিস্তরং দেনা সহিত পুরিত করিয়া সাহা আরম্ম হইয়াচে। এখানকার পুতিজা তাহার পুতিকার করিতে তাহা না করিয়া অন্যর গতি করা আইবেক না। আগনে ঘদি ওতারাট বন দেখানের আবশ্যক থাকে এ আঞ্চল দিয়া গতি করিলে আপনার প্রামশ পুরবক তাহার সাহাত্য করিতে হবেক। আইসনের সাংবাদ পুরব জানা গেলে এখানে ও সকলে সজ্যান থাকে জানিবেন ইউ।

याजा ठाक्याक ।

রাজত্বে মি° হাসন ও স্তান্ত নিরোশন ঘাহে রাজ্য হয়তো মাণন পুজু ভক্ত মহাবল দিয়ে ঘেল কলিনিল বিগুহেতে জন্তক ঘেমন। বিশোতে তথার মতি দ্যাথা হদয় জতি দানে মানে কন দুর্ঘ্যোধন বৈর্ঘাবান ফিভি সম কোবেতে বিপক্ষে ঘম মহাবীর রায় জনার্দন।

जानुको लिनि एए उ जयंदल कांग कमा मुनियोनन्वर्गक ग्राष्ट्र पुजालोक ग्राप्ट्र योष्टला रहेग्रा नेल्लानेल्ल, मुनोमिठ र्ग २०० जानाना राज्लोकिक २०० जननेप्रायोक २०० पुराशिक हेजालि हेर्निरास्य नोल पुजारीनेटल पुशा निया येन मक्ष्र करत उद्देश

TO LICENSE

मां रत्। किंदु जन्दीनेन कदिरदन नेजांत সুখ হদ্মি করিবা আর বিবেচনা দুবর্বক जान्मकानकत्य पूछे (लाक मृहक प्रमा চোর বাটপাত মিথ্যান্ত্র পরাহত নক ইত্যাদি যাবদীয় লোক আক্রমল করিয়া আনিবা किनु । यक्कालीन महमा जोश्त्रिशिक नाध করিবা না। দেখিবা তাহারদের মধ্যে य निर्जाख मूक्षीकांदी रम उरिश्क निराज्य एक রাগিবো এবং তাহার পরিজন লোকেরদিগোর निर्दाष्ट निष्ठित म॰ स्निन कित्रा पिता पृश्य ना नाग्। तिराउ विसिद्धिरास्क नीजिणाञ्च हैंडाफि जनाम क्रांहेरउ६ पांहांत्र यांठ नोजि प्रिष्ठ इय अश्वं किरिक नुनवाय स्रापेष অপল করিবা। অন্যের্দিগকে নীতাভাামে ऋगानन इउग्रां नरह तत् , जारां उहे जातु মুরিকেন মুমত লোকেরদের পরিকারণানের

নিবাহ নিমুত্তির মনঘোগ করিবা। হইলে তাহার রাজ্যে প্রা বৃদ্ধি হয়। डिवानीनगरतथत डवानम्मिंग्र त्राजितानीरड आंभिग्राहित प्रांभ किछ्डे करद नांडे इंडांद्र जनपात् नुजा लाक देशाक गांतना हेहारउ २ जानेत स्मह्मन्यर्क निजािश कांत्र न त्रांजिते। निव इक कविया (प्या अंता (शंल (उग्रांव अधारत शिवारिक यमिषु अहे हव उत्य उद्मियं आक्रिश्च नेन किर्द्रत्यन नेगान कांत्र मण्यापत् जालका कित्या ना। नव তাহাকে ভোমার কত্ত্র মব্যে ম°্যান ক্রিবা ঘাছাতে ভাছার প্র্যেত বিবাহ निव्या छात्रांत आरत भार ख नुरुत नशत् स्टित ताचा ना यातित जारज । विवेदवर्त अन्त फोत् का करा याजभा अंशंत भोहांगाध्य उपक ज्यानांयह देवल वित्र याद्यां डांद्रांत रेवित प्रयम इत (म न यांद्रित

विविषय ज्यवकारन अधियानकांत्र মহারাজাদের কৃষ্ণী নিবিশ্ব ভ্তাবত জিল ন্যালেও দেই ভাব আমার দুদ্ধবা হইতেকে অভ্যাত্র বাহার ওপর আবশাক বিবেচনা क्रिया। त्रथमत (लंघ इहेन उथाठ अधानकात् कत् कि नज किल्हे जाहरम् ना কার্ল কি তদুদিশা, বসন্তরায় ঘাঞ্চিক সহিত পরিবার পোনের জন প্রেরত হইল সামুৎ अदिक कत वकी अ० नुडि एणनक (नुत्व कतिया भील ना र्य। न्यांत मञ्जि বিগৃহ ওপদ্তি সিন্ধুকুলাধিপ যানব রাজা वलव ख व रिष्य अने व वल क विष्य अधिक व ल हे कत्यांटन जाज्ञांत पुंजि छन मिएउ रहेरतक তুহির আসনকাল ওপন্তি বুঝা ঘাইতেতে নত্রা হি আশাস্যে এ রাজ্যের ওপর पोर्जनाज करव यांश रडक नेपात नक्जार नरनम् (मना नुमुउ रहेग़र्फ २४०- (जांग्रु।

সকলে ও আপনং দল সহিত সিলুকুল দেশ গান্তন করিবা এখানকার বাহিনী পুস্তুত জানিবা ইতি।

वाजा ठाकवरक।

সুবৃত্তি শ্বন্ধতি বৃত্তি ভকতি অতি
হাত কার্যে নিবুনত্ব প্রার দাননে হত্ত্ব

জন্মত্ব জন পাল শ্রু মধ্যে যেন কার্

পুরস্থ তাগিতো জন ভক্তরায় নারায়ন
লিনি দ্যু করি নিরন্তর। ডোমার ও দেশ

মাফ হয় নাই এবং আরু বৃদ্ধাদির কর বদ্ধ

হয় নাই অভাব ও অগল পর্মান করিতে

হয় বাই অভাব ও অগল পর্মান করিতে

जार्ड किर्या। अधन रर्घा जार्य नेहिस्त আর্ড্রের কাল নহে কাতিকে আর্ডু হই (वका नुन्धन्द्व (शिनांनाशिविक उद्यु कर्ना रहेग्रांक जुनहे जाजा नेन नोहेल उ उक्रांन शिंउ कृतिरहरू उधि उधोरन मध्य धर्मित उत्भित्र उत्पत्त मास्त्रीय য়াগিয়া কাতিক মানের দুখমে এক ं बांद्र अवर्ज निर्मांन जार्ह इहेर्दक। অলুমানিক পুতি সহদু বজ্জতে এক তান আঁমিন এক তান লেখক চারি পরাতিক দুই उद्दित मांड उ न्तिन न्दा लिक जानेनात्र उदित् जार्ग्जन थेरिक्ताः রাম্স সূত্র व्रमुखिव काल रहेत्। कि उथित भौरकात নিঘ্ম হইয়াতে তিন লক্ষ মৃদু গু ভাহার পঞ্চাশ সহ্দু ডোমার নিথানে বহুণ গিয়াতে তাহার

जरमं कविया लहेवा हेकि। नेगन जांवांव इद्देख (प्रदेश शिल जानिया। जांव 3 छाक्षाला रेवानेडि लारकविष्ठीरक नियनुन कितियो (य टांहोत्रो आंतर अधिनार्वेश यांध्यन मणिड (लारकर्मिशिरक अंड लहेंद्री নিমনুরে তামিয়া অধিষ্ঠান ছয়েন। আর प्रापित (एर निविधिक नेज जियोव अभीर न धिरिउटा उपन्तने मग्छ पुरा लोको विशि প্রাইরা। তুমি ভাত আঁত্রহ চ্তৃ'মনি श्वारक मन्त्र पुञ्छ मछ मण्यत् कल्य (म्यूर्ग शियां जिल्ला अभन स्थान विभाग शियां शियां (म (प्राणंत कत नवण अनायन हेडारेपि यांहा निय्याय कार्य ना नांगात ना नांगात वार्ष चुतां कित्रिक शियोक्ति अधन कर्न शिष्ठ হইতেচে যে মে অমত মতি কেদি রাজার মহিত যোগ করিয়া এখানভার আজা অন कोब कोरमांक द्रांका नो। তাহার দমন

আবশাফ কিন্তু চেদি রাজার সহিত কলহ अनिख् जातियां जिति जायां व अंश्वर्ण वीर्ण অর্গত নহেন অত্রব এথানকার চিহ্তিত (लांट्स्त्रिप्रिशास्क ज्लाहेग्रा अग्रज जाठरून করেন এ তাহার কুবুদ্ধিতে আক্মণ করি য়াতে ইহার নিবারলাথে হজুররায় সেনা পতি লক্ষ অশ্ব সহিত গিয়াতে আর্থ সমস্তু' রাজার্দিগকে সন্ত্র্যান হইডে পত্র গিয়াচে क्उक्र आंभिग्रांक वकी आंभिएक अग्रा কল্য আমিৰে তুমি এথানকার মেনা মজ इहेंगा ने निर्ध शिंड कर्त्रियां विनम्न ना इग्रा বামনপুরের চন্দাধিপ সিৎহকে সংবাদ पिया (म न्वं मज़ांट आंद्रमा (कपि রাজার কড়্ব তাহাকে দেয়া ঘাইকেক भियाजी नमीत ज्ला वत्स्वत कार्पा न्रवत দক্পদাদরায় নিয়ক জিল তাহার পর (लांक रहेल क्षम्मत् नप्रांजन रहेपारा ।

खनिलांग डांग्रांन अधानकांत्र च्वांड (लांक उहिरक ग्रांन तो २४० आखानगणि आव भाक कार्यात पुंचल करत ना । जांड जननपूक (हट। हिंग पिता । यजनां करत्। এ বিষয় আপিনে ও সাবিধান হইবেন না হয় ইছার অন্যোগ আপনকার ওপর পড়ে এ 'अक्टो रहण विषय (कनना आनिकांत नेत्नत. विषय ठ कि 'इरेग्रां नियम इरेग्रां जिंग्रां जि गंशंत जुहिएउ प्रडिश इष्टेरिक अम्बल णव् नेन डाइ। वि अनेव (पनां इहेरव आत कांत नेन वक्त मा इहेल्ल किमा वैशिष्ठ कैंगि थारक नरर डावियां शित अजरात मगरा ज्विया यांत जाहार जांधारत्व क्षांडि डेकि! विकिं विकास किवारन हेलि।

রাজা ঢাকরকে।

মহাবীর রনেধীর বৈরি দল হারী
পুতু পুিয় জিডেন্ট্রিয় সাবর্তাল বীরী।
আজা পর দৃষ্টি মার করিবা ওপায়
যেন মত দৃষ্ট চিত হয় পরাজয়।

কিষ্ঠিত কাল হইল এখানকার সামন্ত তীর্থ পর্যাইনাথ বারানসী আগমন করিয়াজিল মে মানে বিশ্বেশ্বর কর্ত্তা কাশী মোক্ষবাম মব্যে মহান্দী শাস্ত্র পুর্যানে পাত্রা মার যে মে মান গমনে তেই পানিগনের পালের বিমোচন হয় শাস্ত্রাক্ত কিয়া করনে কি পর্যান্ত তাহার গানাকি ভাহা অনক্ত গন্যের মব্যে বিখ্যাত

. (य स्रांत आफ्रीज्राकारि जीए व अशिक्षांत उ उजिणं रहा हि (प्रवज्ञंत वाम ग्रांत। मकल जानेनर माण देहा अ युक्ति जांकिशार ज्यान् । क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं व्यान क्रियों ণিথিবীর মধীে নছে কাশী মুক্তিদা তেজোম্য় नती यरीत्माउन अस्त दुस्ति (कारी (जिए कित्या उंशंव (जा) उ (म निजा म्नि (य म्हात स्तिक िका अउद वाहिनी डांगी हथीं नारम्फ गर्भ प्वारम्य । म्न यादि लिखित यान पृथ्य कपाठिउ काय र्व ता। स्तव साना खान अ (एव एणन जीय पंजाहेतन उद्देन कतिएउ ज शक्षाजीर स स्निक्षिकांत पिंड प्रांत यांचि (लांक मान प्रां उन्न हेडाए किया (दपदिन किविएक यह गाउ नव्हें ज लिक्टिइएएव जंमीयानम आधि उ महेम्हरा स्थानर शंक्षेत्र र विद्या भारमांक न्ता मक्ष ० प्रभातीय जानम प्राष्ट्रित कविया ग्रहानत्म पूलांकिउ रहेरउ किलांग इंडिगरी। म्लिन्रवं शंख्वं अधिनं হ্রিবলুভরায়ের নিবেদন লিপি দারা তানা (शन (शाण्य प्राणंत नव्येड नविक्रामांद्र प्रण्ता जातिया (जनां जाजनी क्रिएंड फिन श्निम्संतित अनेत वल कित्रितन। म्ति प्रत्कि जार्गास्क प्रदेश रहेगार प्यर्मान डाहात विमात्न हहेगांक ए काल গরাইর রাজা তাহাকে রালাচাত করিয়া कावांशिरव निश्कृ वकारन वंशियां जिल्ल उन्हां उ नुंउ जारज नेपानकात् ग्रहांशंज जानेनि अहात् মাহালাথ মেনা মন্ত্রা হইয়া গদাবিইকে মাণ্ডার করিলেন মেই অব্থি মে হাজা নিজাপিকার ভুক্ত তাছাতে ইহাফে মুক क्रियां जानेन तांजा नंतवांग नियुक्त करियां (ज्न २ ३ २० निकार कार्य १ वर्ष वर्ष यादी। গুলুনা জিল কর পুদান ও দেই মত করিত

. (म गानेककान १७ इहेल नेत् जायांत मग्रा (इंड किन्त्रने जाठरात जाठराने । जल यान हिंद य माहम य किथा हहें उ नाहेल कि नशंक्रय हेश्व अखक मोहम इहेग्रांक जोना (निन नां। व्या टांश्य महांग 3 या जाना (कह हहेगा थाकित्वक নত্বা এয়ত আঁচর্ব সহসা বিষয় কি। योद्यां इडक टोहांव प्रयान कवा इद्यारिक অত্যায় তুমি নিজ পরিহার মেনা মাজনী ক্রিয়া তাহাকে সমহায়তে সংহার ক্রিয়া (गानेश (पन करंडन करिया जांचि उन कांचा महिंगन कित्रिय प्रसिल मह्तु छोत्रस् यांत्रिय प्रक्षिटक निर्व कित्यां अस्त्रार्थत उ आकृतन शिंख कत्वि जोनियां हेिंज।

व्यव्याज्यात ।

खंका मिछि ग्रहोग्रजि नेज जान्वजः। प्रानभील रीमांभील प्रांथ जाजिएकः।

বিবেচক বুদ্দিমান মহারায় চদুভান। আজা
পত্র পুতি মনোনিবিদ্ধ করিবা বিবেচনা
করিবা রাজপ্রাধিন হরিক্চদু বংস্কাবধি
এখানে অবিদ্তি করিয়া পুকাশ করিল
আগানি ইহার বিষয় মনোয়ে গ করহ না
ইহাতে নাগাপুর অবিকারী মাহরদ্বার রাজার
নামা মেও বিরোধে সদা স্বর্বন ওপ্রুব
করে তাহার বারল কেবল ইহা দিয়া হইতে
পারে না কহিল মাহরদ্বারা ইহার রাজ্য কতকং
অধিকার করিয়াতে মে কেবল ইহার রাজ্য
নহে এড কেবল মধ্যে বৃতি আগনি তাহার
জন্মগত্র নহেন এম্ভ নহে তথাত আলিকা

ইহার ভারত হওন বৃদ্ধির অগোচর ঘন্পত্ত उए९७० नगर्नावि नगर्गदल नविद्यांत करिया जानेति नियानि करमा यत्नोर्छाने क्रियां जूही नां इस्। उत्व यमि वत्रीदां দ্জুন পানাতে নিরুদ্ধ না হয় ভবে জানিবা निउंड उद्यात्राहर (यम प्रमा अविद् जंरकांत्र यदा उद्देश यउ जारजन (उधा) निरुवान्मार्य उद्दिष्ट प्रानीटर्प विरव उना करा पांडरवक डांवना कविया ना। र्डड বুজা ও ঘাহা অহ্দারি চিতোর রুত্তিগর उश्रिक जानित प्राप्त न्याय अनेरमण कर्ष शिल उथाठ रहा ना आहेल विज्ञित्नी मिन ठउविश्वाल शेयत कवियो मधोठिउ कविल न्यारित उर्श्व त्या न्यारिक निव्क करिया किल निय्यिष कर्म जांद्य हेश्रेष्रिशंक 3 (महे यउ नां किहान ४७उ र तिक नां। (महे दो (कोन विविद्य कथा डोइ'त कम्मीन्यापि एल

वैदेशित क्यां पांडेउ किन्तु श्रांहण्ययी त्रांत्जात् त्रांजा जनत्म नीनरीज क्वलकं विनेष शुंख হইয়াতে তাহারদের সহিত প্তধানকমে अथानकात महाव अव० (मोहाजांडा हेरानीनु नाना यउ अनोग्न नृपादनर आनिकात সকলেই অন্গত তাহার সাহাযাাথ বিবে ठनो करा शिय़रिक स्रोयन 3 जानक नथ शंड रहेग्रांक नेनत्रारामत कर्यता कर्ग घारवर् ाहे हेह्रां उरव यपि यांह्रांरप्रतापत पिवां জান হয় পুতি পুদান হওন ও স্মতি [দিয়া গত কালের দুজনতাতে লজাবিত হইয়া পদ্তলে শ্রণাগিত হয় এবং নিয়্মিত কর निर्धाजन कर्त उरव कि इयं वना घांच ना। नाथन्त्नि (उधिक्र (एणिएउ वांन्य करत् ক্তে সে ভোমার লিত্রান্তর এবং ভোমার अधिउ उ नुवा कांक अर्थात अ नुमन्न प्रकाभ नाइ हिंदुकांनांविश्व भागान

अविश्विक (स नेरवर नामद्या क्यों। यह पुज् जशन्था (जिस्क ना ग्रानिश पुरो लिए कित्यां जिल जो हां व (ली दीय) नवी ज लो खि नाहेरजरहा नरवर वज़ पूछ जाम्य किल খ্যান প্রহার আলাপের আলারতে ব্রাণ চায় वृत्य (प्रवर्ध हेश्रांक प्रमन इहेग्रं श्रीकरतन नजूरा न्वरंकात पूर्णिंडा जूहि इंशत विषय कि पणि (उन्योत करिमन मित्रिजाक्य न অপলে হয় ইহার বিবেচনা ক্রিবা আমার रेह्ना रेशांक आंत्रांत्र तिज परम जानेले लहां यांग् किन्छ त्यांग्रहारतं कहरते त्याग्रां स्था खार - जा होता प्राहेस पाइन्स प्राहेन प्राहेन प्राहेन न कर्या राष्ट्रे घरानिमांत राष्ट्रेयां राष्ट्र অবধান হয় তথাত ইহার আর বিশ্ম বড় इहेरउ निहिर्य तथा हिन्द्र विनेशाह वन्तारक राज्या योग इंग्रनांनरां ही विश्वाय द्रांजा लंकरमांख्य वृन्ति वे लंद्रथ पांडेरक्राज वाव

अधानकांत जाताक उ (महे मग्राडियांशांत घांश्उटक रेश्वरप्रव जान्शना (घ अविज করিবা পথপুড় লোক যেন ও অথে বহির আবিশাক হয় আনুকুলো তুটি না হয়। দিগদার এগানকার অত্যক্ত শার্নাগত এব০, अनेकांगी विव्रकान रहेल अक कांत्ल आग्रि अरोमीन (वर्ण दांवका प्रगति घांदेखिनिध তাহাতে ইহার আশুমে অতিথি হইলে ন অন্মানে আমাকে ভাত হইয়া পুল মজাতে আগ্রার সহিত ঘাইয়া ক্রমা সঞ্চোলন করাইয়া রাজবানী পর্যান্ত আমিয়াছিল। ড়াহার পুত্রাপকার আপনি করে। ইতি মাবা ঘদিতু হিন্দুখানের সিৎহাসনম্ আমি ता थाकि अश्वांप अनुमन्तात आनंति दांत न्निल्क मांउ नदेशं (महेशांत (नोनियां নতুবা হিন্দানে পুনবর্বার ছিরিয়া আমিয়া

সুমান্তাথে কিচুকাল ম্থানে বিশুম করিতে বাস্ত্রা করে, তবে তাহার কারন রমাকান্ত প্রের গড় পরিষ্ণার করিতে মাদেনা বাদ করনের আটক হবেক না দকল কার্যা প্রনিধান প্রবক্ত করিবা। ইতি।

রাজা চাকরকে।

হিতকারী সদাচারী শুচি মহা ধীর র বে বনে সবর্ব দানে সদম্র শরীর। পুলু কার্য্য অতি শৌর্যা সবল হদ্য় পরাক্তম ঘ্যাসম নবকান্ত রায়। আজা লিশি দুষ্টি করি কার্যা আচরিবা কনাচিত তাহা অনুচিত না করিবা।

অথ বিবর্লক বিশেষ ডোমার ও অঞ্চলের यारी यहां नीत ज्ञांनायण (म उठि उरउक्ड स्रात खनिलाग (मधानकांत्र (मदापि न्यान नेवर्व यउ इयं ना जायांव वज अक्ट्री यता (पांशं मि विषय पंजि नांचे अ वज्हे विकन्त কথা আমি বুঝি তুমি ওাছাতে জাত নহ অতএব মে বিবর্ণ লেথিতেচি মনোঘোগ ক্রিবা। মহাদেব বিবাহ করেন দক্ষের দৃহিতা মহাশক্তি অবতীলা দক্ষের গৃহে তাহার नांग्र मछी। एक ग्रशंगांक नुजांने वृक्तांत মানস প্রা শ্ব তাহার ঘামাতা বটে কিন্তু ইনি অনাদি কত কোটি বুহ্না ইহার আজাবহ তাহাতে দক্ষ কোন ব্যক্তি তাহার প্ৰৱ সাবিনাক্ষমে মহাশক্তি ভগৰতী তাহাৰ कना। रूप अवजीनं इद्देलत (महे कथा ग्रहां ने जिन ग्रहारम (यत् नं कि। ग्रहारम व पक्रक षश्चेत जां त ज्ञांग करतन ना देशां उदे

पक्ष ग्रहोपारवत ने जि जातिष्ठ कागन नर्हने . देवं (क्लिंड नवं क्रान क्रमा वांका ग्रशंपादव विनेवीए कर्मन भेरे ये कर्फ क्रांन शंउ रग्र। अरु प्राग् रृष् रर्गानि घाउँ िजूरन तियनुन रेरेल समञ्ज (पर গবের আগমন দক্ষ প্রাণতি ইত্যাদি जारायतं मकलारे उत्पान करिया जनार्यना করিলে প্রাপতি দক্ষ অহন্ধারে অহন্ধিত इहेग्रां यहारिरदत् नुनाय नां क्वांख डण्यान केंद्रिलित ना अवर आंनान उता केंद्रियाँ जाना (लांक्त महिउ णिंतिनमाग् पुरुषं (मरे रहेएउ प्रस्कृत (ष्रम विषय) २०० निर्व निन्त्र मत्रं नेरद्र प्रक्त ग्रष्ट् । रक्रांप्ने निजानग्र यशियां जानित यखात्यं कतिल्त विविकतां এই যে আমার যাজে মহাদেবের নিমনুন ক্রিব না ইছাতেই তাহার অন্মান হইবেক্

वह याउ पड़ांत्यु कतियां समस जांदांत করিলেন মহাদেষ তাঁহার ঘামাতা তাহার क्नां मश्लाकि मधी लिखित प्रत्नी उथांठ उशित पुष्ठि पृष्ठि ना कित्रा (तांघपुरक मगखरे विम्याउँ कना कियां वां कांशरक उ नियनुन कितिलान ना। अहे याउ परक्षत घडा रहेट कि यादी मडी निवृश्ह उपमुव श्रंनिय़ां अथका किंग्र रहेयां जागुत कांग्रा अजी निर्वात क्रिएडफिन यशंपिय पुंडा পিতৃগৃহে মহোৎসৰ আ্যার চিত্ত একার • वेशंक्न रहेग़ांक निज्शंह घाहेल हेहूं। रिया प्रीवनाथ हित्रकान शंख रहेन ग्रस्त মৃত্র করে ডোমার ঘরে আসিয়ালি পরে क्रभन निज़श्रह घांडे नांडे अवर यांजा শিতাকে দেখি নাই আমি আমার মাতার কন্যা মাতা আমাকে বড় ভাল বাদেন यांगि उ (मरे ग्रंड जागांद रेहूं। विज्राहर

মাইতে তুমি আজা কর।
চরনে ধরিয়া সাধি আজা কর ওেনিধি
পত্গতে ঘাই পুনিনাথ।
পিতার সন্মান পাব ভগিগানে সমুামিব
মায়ের রন্ধনে মাব ভাত।

নক্যা কহিয়া মহাদেবের চরনে বিরয়া
দাবিনা করিলে মহাদেবে বিমর্ঘ চিত্তে কহিতে
তেনে শ্বন ভোঁমার নিতা পাষত আমাকে মানে
না দেশ দে আমাকে আমান্য করিবার নিমিত্ত
আমাকে নিমন্থন করিল না বিনা নিমন্থনে
ভূমি গেলে দন্মান পাবা না এবং আমার
নিদ্যাতে ভোঁমার দুশ হইবেক পশ্চাত ভাহার
বারন হইবেক না। অভ্যার অনিমন্থির ঘানে
ঘাওয়া ওচিত নহে। দতী কহিতেতেনে পুলি
নায় আননার মানা নিভার নিমন্থন অনি
মন্ত্রন কি হয় ভাহারদের কাতে পুলা কন্যার

मन्तांत ज्ञमन्तांत कि जांगांत विदे जांगांत বড়ই ভাল বাদেন আমি বুঝি আমার অম मान कहिरवन नां अडी यां उत्नत अपयुक्त নিতাত্ত শিবাজা নছিলে সতী ফিদ্যমানা রোদন করিতে২ মহাকোবেতে কোবিতা হইয়া পদ্রুতে গতি করিলে মহাদের ন্দি মহাকাল মিবসেবককে আছা ক্রিলো ग्रहाकान ग्रहायान नहिंग, नक्षाउविज्ञ ক্রিয়া কতক দুরে গেল দেবী মে ঘানা (व्राह्टल प्रक्रांलग् अनिष्ठि नुमरी मरो कतारक पृष्ठं याद्वरे प्यानस्त प्रानिक्ड इहेग्रं शप शप हिस्ड घाडेग्रं क्नारंत स्थ চ্মুন করিয়া কোতে করিয়া নৃত্য করিতে লাগি এই মতে প্রোশক্ত সতী ও মাতাকে প্রাম করিয়া আর্থ সমস্ত ভগিনী ও অমাত্তা গালকে সমুধা করিয়া ঘক্ত, ম্বানে পিতার নিকটে घीडेग्रा नेवाय करिल एक उांडांटक (एणिया

शांदारे रदारकारन (क्रांनिउ रहेगां नितः तिनाग पुरर्ख रहेल। कहिल करता ज्या कियर्थ निर्धात जामियांक जोगत स्रोधी ছতের পতি প্যাশান মদানে তাহার অবদিতি इंग्डं यांना शिनांग्रं अनि नहेग्रं डाहांत (ग्रानां ষাদিয়ার বেশ ডোমার কণাল মন্দ অতএব এমত ঘটনা তোমাকে হইয়াকে আমি उशिक्त निम्नुल कित्रिलांग ना। न (प्रवमञ् जांगि वृद्धांव वृद्ध वांपिएरंव निगन्न (प्व সভায় হইতে পারে না। মতী কহিলেন পিতা ম্যত কুৎসা মহাদেবের প্রতি কহ কেন মহা (एव (एवएएव वुक्ता विष् हेडा पि घां होत् नम ग्रा नंत्रनाराउ (ग इत् ग्रांतीत जिन्ता म्यूर्क म॰ शंत क्रिलिन (प इत्र क्रांलक् है পান করিয়া সৃষ্টি রক্ষা করিলেন তাহাকে क्रमा वांका (अंग्रा वांविदक्र (कर्क्ट क्राइ नां ভূমি এ অনুচিত ফিয়া (কন কর।

खिड्न एक निम्नात पेडि एन निष्यो ए মুন্যে শিব নিন্দা করিলা তাহা তোমার नानं रहेयां ज्ञानन वपन रहेरवकः अहे मकल योक्ता प्रसः भूनवर्यात निवा निवा कतिएड পুবর্ত হইলে দাতী মহা কোবে ওপান করিয়া किहिएउएएस निजा मकल्लव अनेएक धिक निन्त्रा श्वात (लांक निन्तरक्व शिव (क्रम्स ক্রিকেল নতুবা নিজ পান ত্যাগ ক্রিকেল কিন্তা দে ভাগ করিবেক আমি আপন পান তাগি করিব ডোঘার আত্মতা তনু আর রাগিব না এই কহিয়া বদন আধিয়া পরিয়া ঘাইয়া মরামানে বসিয়া শিব কণ ব্রানে পাল তাগি করিলেন। সভার মধ্যে দ্বাগনে কোলাছল করিলে দক্ষ ভাছার मिराक याविया (धिमियो मिन। निम मिना शेल मगूपांग् लहेया (त्रांप्त क्तिएः लिंव मांकांउ निर्वापन कविषा गांद्य ग्रहारित्व (कारीविध निंदित (नामानिउ इहेट्डर महा (कारीरिक कानातुकातन मय रहेगां यसक रहेरउ अक जिंधे (जपन कविया (प्रिलिएनरे वीरत्व राजुक भीति मुर्भ क्तिलक राष्ट्रांपन यांन वीत पृष्टे ठक् त्रक्वनं मपा (कारीपुक जिन्नायां यादारे कंद्र नंदि निर्वापन क्रिलिन দেব দেব আমি কি কমা করিব। শিব क्रिलिन प्रक्रांक मण्डांत कर्ड ३१० निध কর ওাহার ঘজ আজানু নাবে বীর মাত कांडि प्रांता महिउ महायांन रहेगां छले (जप्त करियां पजक्ष मान्न करितन २४० एभागित नेम्रां कविया पज्रक्ष नेति भून करिल व्यक्तिनाक मिरान কর বদা করিয়া নানা মত দুর্নতি করিল

डाँशिय़ (परल अहे यउ जारम्। मकलरक कविया पजनां भीयां पारेयां निरमित कविन চন্দুচ্তের সন্নিবানে। পরে মহাদেব अजी जम प्रणंतार्थ प्रस्कृत ज्वरत अविष्ठ रहेगां मजीव म्जंबि मजरक कवियां न्छा कतिरा नेवर्व अहे याउ सहाराव नृत्वा निधिवी ভারাফান্তা হইয়া আর সহিষ্টা করিতে भावित्नन ता राख मयख रहेगा वुक्तांव গোচর নিবেদন করিলে বুক্রা কছিলেন বিষ্টু वाजित्वक देशंव अभाव जायापिया किन् श्रेष्ठ भारत ना। भरत विष्तृत खत कविया কহিলেন প্রেপ প্থিবী আর ভার সহিতে भारत ना अंडे याउ तुक्तां विष्टू मिरे यक स्रांत यशिया विविध पुरुष्ति ग्रहारातव स्वय क्विया विष् ठ काउँ मड़ी अस (कपन क्षित्वर साग्राणिक (क्षम इंद्रेग गावर

হইয়া পতন হইল। সাকলো একান ভাগি হইয়া একান মানে পতন হইল সেই একান মান হইল পৃথকং একং পাঠ মান ভাছাতে মাহাশাক্তির একং কণ এবং একং ভৈর্ব আধিদ্যান চূড়ামনি তব্রে ভাছার বিশেষন গিয়ালে অভ্যব এমত মহামান ভাছার সেবা চর্মা পুক্ত মত করিবা হাছার ইত্যাদির ওপর আতিসমক্রিবা না সাবিবান ইতি।

দিতীয় বারার শুথম অব্যায়।

न्थम पन् निर्णाक अव० निर्जुना मग्रस्थ ।

পর্ম প্রেনীয় প্রানুক্ত পিতা
মহাশায় প্রাচরে কমলেদ্। সেবঠা
প্রাত্মক ঘোদ দাদ্দা প্রামা পারে পরার্মিত

শ্রামনাদ শির तिरुप्तर्थं विश्निष्ठ। মহাশ্যের শ্রাচরলাব্র বাানত এ দেবকের এছিক পারব্রিক নিস্তার পর্ত, প্রাচরন নিকট ইইতে আই দনাবধি মহাশয়ের ক্পা পত্রী দুই বার পাইয়া তরিতাথ হইয়াচি বাচীর अकल्लरे न्विशिष्टिक क्लंटल आटित अग्रान् क्ने (अरे ग्रमन । (ए लित विज्ञां ध्राथां विज् जारा पूरे व भवांविष्ठ रहेरंडर शंड व भव वली जोमिया पांवपीय (लांटकत वीना हेडांपि क्षित जिविष जनां देशंकि नयउ वर्गा न দেশে ক্যান হয় নাই আশিতি বৃদ্ধ লোকেরা क्टि व्यव्यात वर्णा न नेतार व्याह মন ম্যাতার শ্বল করেন লাই অতি বৃহ্দ তাপার ওপর মাত আই হাত তল দেশদীয় मयस (लाक म्यनेत्वारत जिन यांम नेगांत নৌকারোছে পুলি রহল করিয়াতে কতক দৈব अध्य (प्रभाख्य इद्या यक्का नार्याक शक्

वाह्त उ जात्र प्राम्ख वंश हेजाहि अव कालीत उद्धि नेपानेपा नाहे उद्धि निर्मातकांत मकल (लारकत कृषि हेणांपि १।उ व-मा किन्द्र रूप नारे लिक पृथ्य जिन्त वाजम (पउतिव म०म्ति तिर् अनाग कि उर्शाउ षिजीग अनेपूर वर्गाउ यांवजीय (लाक निवन इदेशाराज उद्याराज यांदावां (भौगांत १४० वलवान डांहांत्रा प्रमा वृ उत्ड न्यउ देशांउ पित्रां कांश्रं किलू जिल छाराता नाग निमान कतिन विक लिएकत्र (मर्ल जिसिउ भारत ना (मण जर इहेन अया व्या पारेष्टराज १७ वटमाय्व वाज स्मित विलि रहेल ना मर्याठांत प्रोक्षण लिणि ग्रीकि (मार्गनकांव जाजान्यापि कवा यहिरवक বাভিতে বাগ্য় বাসনের অনাটন হইয়াচে ভাহাতে ঈশার পজার সময় সানিব্য হইক তাহার আর অধিক কি বস্থাদি এখন কিনিতে

मा भीतिएम भेक्षीं किएवे ग्रामा इहेरवक उहिं। ভাবিতে জি स्वानि ठाँवि होका नार्वाहरक्ति लहेग्रा उाउग्रंबणाक पांश्रा किछ इग्र उदिश ক্রিতে আজা হইবেক আ্লাকে এক বার वाही (में मिएउ आंजा निधिय़ फिल्नन দেবতা করেল তবে সুর্গ্য দৌশিয়া প্রাচরল मर्गन कहित अग्र वांक्षा उत्त वला यांग्र मा ङ्गिविषिह्रा जमूक वृङ्डि अधारिन मृष् जार्हन कार्या करम्प्त किज़् वन्तान क्रिय़ पिएउ पादि নাই ঠাওরাইডেচি আযুক্ত কর্ত্তা রাজা মহা শাঘের আগিয়ন হইলে এক প্রকার করিতে माति वा। विल्लंघ में कों जित्यम्न निशिव। খাত্তকালীসন্ধর রাঘেরদের বাধীতে মহা ভারত প্তকে আর্ঘু হইবেকে তাহার স্মুটি ৰত্ই ক্রিডেচেনে তাহাতে অপনার্দের এ विश्विष्ठ वाांग् वामन ठांहि (भांजा हेजांदि দিতে হইবেক এবং আর্থ ব্যায় ব্যাসন

एर्व ग्रहांनंग् कर्जा यांहा जांवनाक हम स्वि বেন আখাকে লিখনাধিক আরু কিচ্ছ অখ मिथिया ग्रीहा हग देशह नाक्षाह्य क्लाविन्द्रिय न्यायक नाग्यशाम इद्राध्या यहां म्य भंदात जाका नज लहेगा जाति जा ठाति प्रितम इहेल (नोलियां रिज्न उंशित विषय ग्रामर्गतं नर्जे १४०- व्राह्मं नेग्रामान ज्य গত হট্য়ালি সম্ম্য অতি মন্দ একার্ল मयाक ममार कर्राविड कतिएउ नावि किन्ड हेर्ति पड़न अभान रहेरड चिष्टु ना रूव उरद ठमामिउ। कलक अव० (अश्वांव्ये जाता स्रात यां जिन्ह । कविएउ ने विएवन नो उउन्न न तियिउ किल्कांन यज्ञेरवर्क मानेरल (ठक्कां क्षियो (प नेवां छ इग् डां इ' क्षियों निर्मियां (क मांजि मां०-१) कहियां पंशिधि (म जता स्कांन विद्यां कविरवन नां देशं व्यव्यक्त तिरवष्नियिष्ठि।

निया १४० नियु युना मकन एक।

नेत्रम न्जनीय श्रापुक नित्रां मश्रामंग् । शाठतन प्रालिष्

মেবকদা দুলামা নিবেদনক বিশেষ।
মহালয়ের প্রচরলালীবর্নাদের কলাল পরও
রাধী হইতে প্রায়ুত দাতারাম দাদ লোঁ লিয়া
কেন বায় বাদনের অনাধন হইয়াকে
ভাহা প্রেবই ভাবনার মধ্যে কিল বিশেষ
দাদের আইদনে অবিক মধান হইতে
ইটাত কিলু ঘোর হয় মহত দুখবা হইতেকে
না কিন্তু দেওয়ান তক দকল বিষয়
নিবেদন করিয়াকি নিরাশাও হওয়া ঘায় নাই
বিশেষ দুই একে বিদিত হইতে পারিব স্থরা
প্রচরনে নিবেদন লিথিতেকি ঠাওরাইয়াকি ঘদি

मिर्भात किलू मिश्रि तो इग् उर्वा कि ं नज कित्यां यांश नांशहर अयउ हेह्रा नांज़ि (घ इग्र ने अक्षेष निर्दमन निधित खांत थी।उ কায়দেবরায় এয়ানে আমিয়াজিলেন তাহার মাতার ভপুতি হইয়াতে কহিলেন তাহার स्रापा रीन किल् जिल स्म मग्र उद्यो जुर्ज হামাতা আয়ুত নন্দ্রকিশোর সরকার ওঠাইয়া लहेग् िग्रिएलन डेइन् वाघ प्राह्म वाघ কিন্ধিনাত্র অনভাব হয় নাই রায় কি हारत । प्रकल जालाजन करवन जाना घाडे তেতে তিনি গছারি করিতে ওদাত হইয়া চিলেন তাহাতে আমি বিদ্তং কহিয়া মানুতি স্কিত রাগিয়ালি মহাপায়ের নিকট ঘাইবেন वाउवाडेगारलन गर्भणाउ (ठाम न्यवंक पार्टाउ अक्ट्री विकिकि॰मा ना इग्र अ यउ करिए আজা হইবেক আত্মকলহ কদতিত ভাগ मरह तए। जन जाजाकलाह नक्ष रहेगांकिन ঘাহাতে স্বর্ত্ত রহা হয় প্রাম্ম আজা इंदेरवक मणानकांक कर्या जाता पृदेशांम शंड श्रेल विশामाय नावादाश्र्ल प्रक्रिनाक्षल গিয়াচেন তাহাতে রাজ কমা সমস্ত কন্ধ ছইয়ালে আমরা পায় বসিয়া আলি পায়ত (प्रअयान महानेत ने उर्हा निज विष्यं स्ल याद्या थात्कन जाताना कपाठिउ ज्ञाय या अप्रा না ঘাওয়া তলা কোন কমা নাই ওপিয়ত কোন বিষয় কর্তার আগমনাথ স্কিত थांत्र (प्रअपान महानेष्यंत्रं कारक प्रनं पिन विराग् अन्छ।न कविग्रांति धरिउ र्ग उरद কিচ্ কালের কারন আমি শাচরন নিকট भिएं निर्दमन क्रित्। शुनिलां य (एएनंत जातकर लोक । जिन्नामात আমিতেচেন তাহারুদের কারণ বাসা ইত্যাদি অনুসন্ধান করিয়া রাগিয়াচি কেং धारिमन नम्हाउ छाननाथ तिर्वमन निधिव

রামগোপালরায় মহাজনের দেনার দায় সানরিবারে প্রায়াসনুর গিয়াচেন ওাহার দ্বাদি যে কিছু সমস্ত বন্ধ ওাহার ওপর সমূহ বিজাট বড় কি গতিক হয় বলা যার না। যে হয় সুরায় জানা ঘাবেক। নিবেদ্নমিতি।

নিতা একং নিতৃত্বন্য সমস্বক্ষে।

পর্ম প্রেনীয় স্থায়ত অমুক্থ মহাশয় সাচরল

ক্মালেছ।

जाजि जान हिन इतिङक्ति वाजित्वक जीरिय য়ক্তা ভাব এড়েখে আপনে কৃষ্ণ বৎসর শত छाति इडेल नवद्यीनं नृतिमारी। जाजशनांधमिनु व्यक्तित् अंत्राम मिछ व्यक्तित अपरत অবতার হইলেন তাহার দাম খুইলেন जल कान घानन कित्रा नवहीर नव प्रान डप्ट्रांठांचा व्यवाम्पत्व मांवर्राडोप्यव ठड् ষ্ণুন্তিতে পঠেন ঘেমত আরুং পত্যারু ও किंगु छप्तार्था यांशा अक्षांत जात्राधित क्रांन जारा उ-ऋनाउ जाजाम र्ग २ गउ उ-नन नव॰ पांद्रा नारित मादी। जाहित्स सिंहे जांहां अंतियां अवशंख अयउ आंदित्तं আর কুপরান এবং ক্যালাম বাকা অয়ত্ত তত্ত্বা ইহাতে সাধ্বতিয়া বিষয়াপর হইয়া विरवठनां कि इतिन । रांनक कपांठ मार्याना

तर्ह देशंत उपस जात किए थोक्टिंवर्क তাহ'র সন্দেহ নাই। এই চিন্তাতে ভদ্ধানার্যা अमा अवर्षा रेठजरात पुंजि उद्देश थारकत इंशंत निविद्यांत नियिय डिप्रांठां मयस পত্যুর্দের আজা করিলেন ডোমরা এক जन निष्ठ पिराम नुंदि आयात् नांउश्मातित अग्राग् रिंडि वस्त्र अंति प्राप्ति पारिं लहेगां यांहे 3 अहे नियम भाकिल ! उपनतात পত্যারা প্তি দিবস সেই নিয়ম মত এক जन वस्त अ प्राप्त नहेगां यांत अहे याउ বারি তৈতনাের পালার দিন তিনি ও মেই মত कतिलान जधुर्गार्गा (शोर्गित्रायन जानिया कि निर्वाद जल प्रांशियां रस्त्र कार्न रैठउतगर्ति। इस विमान किति जाल जिस ठांति मोप्रांक्ष कहित्सस उर्श्व नेत्रिक्टनंद म्रान अरूर नेत्रा न्यानिङ नुजि निरात उत्न रहेन हेरा (एणियो

छक्षांठांचां ठयउक्उ इद्देलन किन्दु उथान किछ्डे बिलिलिन नां नेद्र म्यायांसुद्र ड्युठांचा कहिल्लन शोवांश सन जायांव নিবেদন এত দিবদ পর্যান্ত ত্মি আ্যার পত্য়া চিলা ৰটে আজি অৰ্থি আৰু আবশাক লাই পাঠ ক্রিতে আ্যার ম্নে ঘাহা হওক আমার সমস্ত পথি পুস্তুত আছে মুদ্রি আবশাক হয় তাহা সমস্ত দুষ্টি কর इंड्राउडे मग्छ जजाम इंड्रेखक जुति (करें। ভাহা আমান্ত ফ্লোচর হইল তুমি দামাল্য মন্দ্রা নহ তাহা আ্যার বল্প পুনানের স্যায় ल्कालं इहेग्राटा। हेर्। खित्रा भित्रिक क्िण रहेगां कहिएउक्त मर्भण्य जामि আপনকার পত্য়া ঘাছা আজা করিলেন তাহাই আয়ার কত্রা অভাব সেই দিবস इहेटउ रैठउना डधुर्गिर्वात मगर नेस्ट আপনিং আবৃত করিতেং অলু কালেই মহা

मर्शियोग् रहेलित (प्राचित नेकिंग इदेल (य शिवंधि मायांना यन्षा तर्व ঞিনি কোন অবভার হরেন ভাহার সন্দেছ नांद्र अहे करने कडक कांन शंउ इए देखि यादि। (अहांत विशंह क्यार अस्कत विर्धारी जना इहेल तग्रहम्य अ विषय त- मत् इहेल जांतड अनुसूत्र रूप नुकाण इस् नांडे डेडि ग्रादी। क्यांव डांवडी नांध्य अस जन पशी निक्रिय হইতে আমিয়া তৈতনাকে পোপ্ততে তাকিয়া কছিলন কছ তুমি নিশ্চিত্ত আতহ তোঁমার निश्च क्रिल यान नांडे (य कांवन (उंयांव আগ্রান্যুক্ত তাহা বিষ্যুতি হট্য়াচ এয়ত क्थात्तर नात जिति कहिल्त जागि नेकान হওনের অসমতিতে নিরস্ত আজি ज्यानंतकांत्र जारनिक्तिक नरत पृष्टे जन नरमीन रहेरउ प्रांत करिए। भौतिपंत घाँहेरा जात দুই তান অদৈত আগুর নিত্যানন তিনতার

सन्गाज शुर्व कत्तिन। এথানে रैठउतार यांजा नव० जंशत वांक्त भी न मम्बि भूतला तिजा । लाकात्जा रहेश िछ। मगुष्प यश्री नेद्र रेठ्उता जर्षाङ 1व० निजानत्त्व जाननाव प्रोवा भेगिक গ্রেনে ভাত হইলেন যে সৎসার আকু प्र रग नारे रेशांउ पृष्टे जनरक करिलन ভুাতারা আঘি বৃক্তি ভোমার্দের সংসারের মানা আতে অভাব ভোমরা দনাদ গৃহল करिएन डाल इति नांग पुरुष्णं कत्रावत स्ल তোমরা ও ডোমারদের সন্তানেরা হইবেক उांगर्थ पांड्या विवाह कत नव॰ श्रहाणंत्य থাক্ত মত্রতার্ক ত্রি নাম প্রাণ করত न्या कि हार्ग (अहार्तिशिक रेडिनाप्तर प्रथ श्रद्ध कि कित्तन (अश्रांता पृष्टे जन श्रद्भारा তৈত্রাদেবের জারং অনেক शांकिएन ।

लिंधा रहेल भंउ पूरे भंउ (लांक पोत्र्याधिक मांउ क्रिय़ां मयस स्मि त्रेन क्रित नेर्य (लांटक इ दिशाक ७ कि जन्मा हेग्रे इ दिशानु পুদান করেল কতক কাল এমতথ করিতেথ ज्यानकर (लांक रेवछव इडेल इविनाय पृधिदी याछि रहेल जानित रैठउना नीलां जल पांडेसां जात्रानि शहेलन। अहे किना प्रति প্তিম্তি নবদ্বণৈ আতে তাহার মহোণ্মার य भग्र ह्य उद्शित मगञ्ज (लाक प्रनिर्ध গিয়াতে তাহারদের আগ্রন পর্যান্ত তামার अस्ति लिखनेलक थाकिए इहेल खार्चा स्थित गाउँ दिक नुउग्धियन करितन कि হ্টবেক অত্যব লোকেরদের আগিয়না পেক্তিক আজি ভাত কার্ন শাতঃ নে নিয়েদন क्त्रिनाम। यथानकात पांचपीय लाक नांच বৈভার। শাক্ত শৈব দৌর গালিপতা পায় নাই। द्रांक्तन पांश्रे आफिन अंश्रेश स्रीमा

जाशी रेवक्षव नथानुची अधानकांत्र त्यांहर्ष এक जत रिक्षय छोड्रांत निष्ठा मकल्ल ष्राञ्चात्वरा उ उद्यं नारमामक हेडामि शृह्व क्रिएटफन अव् अंतितांश्ंउ लहेरिएफन বৈষ্ণবক্তে অম্রাপ্ত পুনায় করিভেচেন ভাছাতে क्लान मिरी करवन ना डेडाएउ घाडांवा অব্যাপক ডাহার্দিগকে জিডামা করিলাম (घ न नुकांत जमने कियां कत (कन जियतं ষাহ্মণ শরীর ডোমারদের শাস্থ্রে কহে युश्चन प्रकलत प्रीत एख रिक्षवित डजन কর কেন ডোমারদের এক জন ব্রাহ্মন ভূষে नाय विध् वक्ष्यल नेत्राचां कविश्रांकिल তাহার চিছ অদ্যাণি সালেরামের মব্যে এখন ভোমরা এমত আচরল কর জাঁচে क्ति देशत पुठाउत कांद्रा पिया द्य ক্তেন বৈষ্ণব ভক্তি নহিলে সকলি হিছেল তাহার কারন এই জাতি অজাতি

বিভেদ করনাকর্ত্রবা হরিতেভক্তি ঘার সেই
মহাজন জানিয়া শাস্ত্রে বলে চণ্ডালোনি
মুনি শুন্ত হরিভক্তি পরায়ন হরিভক্তি
বিহনিক দিজোনিশানিচাবিমঃ। অত্যব
হরি ভক্তিতে বর্নের ভেদাভেদ করিবে না
এই এক আশ্রুট্য এ দেশে দেখিতেচি বিশেষ
শাচরন নিকট নিশিয়া নিবেদন করিব।
ইতি।

उस नमूटक ।

পর্মাশিঘাৎরাশ্যঃসন্ত বিশেষ্ট।
ভবভাবুক পার্থনৈব অতুলানক পর্ও।
আনক দিবসাবিধি ভোমার এথানকার সমা
তার পাই নাই ভরিমিত্ত ওদিদ লোক ঘাভা
মাতে মধলাদি সমাতার লিথিয়া নিকদেগীঃ
করিবা ভোমারদিগোর অধিকারের কি

वीती इंडेएडफ जांडांत विलास विलासन लिथिया मुनामिज (घ न्कांदा रुग् उरिश ক্রিবা ভাহতি যে বাগ্র বাদন আবশাক হয় আমাকে লিমিকা তাহা এমান হইতে পাঠাইব ডোমার চোট শতা কোন ম্বনে जारतन । १४०- जोशंत कार्या कमा इहेगारत कि । चिष्ठ (कित स्रात ना शिश् थारकन ভবে এ হানে আমিতে কহিবা এক কাৰ্ব্য अविन्उ जारक जाउन्य निम् निर्धारेयां। कार्चा वड़ डान डिनि नेगांत जामिया (ठिस) किंदिरल इहेरड शिंद वी न कींद्र इहेरल তাহার দাতে আর দুই এক জন পুতিশালন श्रेष्ठ निहित्तक जांगित्रीनत्त्र त्रांजस् कान नर्गा इन्हारां इन्हेर्यार उन्हें। निधियां এব০- তাহাতে মনোযোগ অতি বিস্তারিত जीवनारू नेजारणिक भेउ नेकान गत् ने नेवत (प नंकाद इग़ कि तिवा वाग् वामत्न प

जारिणाक रग् निभित्न अभाग रहेट नीर्वान यशितक (कानं विषय जावनां कविवां नां पूर्व मुंजन कहिरवन। वांदीय माध्याप मीम् যাহাতে পাই তাহা করিবা দাপিতাক্যে ঘদি जिमि अक्षांत । जिथल जिमिष्ठ भीतृह চেন্ডা পাইবা আবশ্যক আচে জানিবা। এवर अधानकांत् जना अक जन (मरांडि (मरे ग्रांत रहेए जानिल जाल रग् । म्रांत মেবাতি লোক বিন্তারিত বেতনাকাঞ্জা করে এমান হইতে অনিলে তলু বেডনে হইবেক। এক জন রাজ কিয়াব্যক্ষ আমিয়া ছণাল (लांकरक वध ४८ नांउ कविग्रांरजन निग्रिय द्वारांत्र विर्णंस निग्रिया । १४०० पुंजा (लांकरक रेत्रांरेति करिएउफिक प्रति मडा হয় তবে ত্মি একবার শীঘু এফানে পৌলিত্য जामि नेपानकांत्र कर्यात् नक निनि कतिया

দিলে আর কোন ওৎপাত করিতে পারিবেন মা ঘদি ওগানে স্গতিক বুহাতে পারহ তবে जारेमत्त्र जारभाक नारे जामिन्द्रव শাযুত রতিকান্তরায় কার্যান্তরে আ্যার এথানে यां मिय्रां कित अधेक्त अधित अधीत इहेरड किज्ङान यां इंटि पार्रिडिजिन ना (अश्रंत कि कियो रहेया क्रायां क्र ड्रांश्य थाकिया । विषय प्राथक्ष प्रानार्वाश ক্রিবা এরাক্তি নিতান্ত সজ্জন ঞেছার বিষয় योशं किज़् क्रिए पोव्ह जोशंख प्वा प्रिक्षा **४**ड्य लांड ज्यि मिश्रिक्ट ३ विषय विखा विज निभानांशिक। जांवर विषय नेवर्टर পত্রে সমস্তই লিখিয়াচি তাহাতেই জাত্র আচ্ছে সেই মত করিবা ঘোষ বাব কি বারায় কার্য্য করিতেচেন ডাহার বিশেঘ निधिया डिनि रङ् कार्यास्य नरहन यथन स्थेत (य विष्यु उद्दिष्ट माववीन क्रिय़ा

দিবা ভোমারনিগের অনুগত লোক ঘাহাতে ফার্না শিক্ষা হয় তাহা করিবা এ সক্র (लाकरक डांन कविरल पांचला थांकिरवस अव० वेहिक पोविद्याक्ष मूर्गा॰ पेखि वरि विरवहना कविवा। अव्य भावा भावा । विरवहन तूशि औरत्त कर्च छात्र इध्रतक अगड खना पांद्रिक पित्र मड़ा इग् उत् जालू। लिय विषय वरहे 'আधार्यक्रिशंव अक आह कांग्रा डाल रहेए पात्रिक हेरात्र निक्रंग ज्ञानिया समाठांत नक्ठांउ लिधिय। वाहीय क्रांनिप्रांत्र पहितांत् निमिय अक जन एउ श्राणियां उद्धारित ता यांग रहेरव जांहा जांगि सारमर नाराहर (म विस्त घरशस स्तिर्या क्रियां वालरक्रिपिशरक नीजाजांम ना क्रवाहरन (य पुरुष्त छार्थ यूजिएउ पात्र उउन्य अर जान नीजिङ यान्स यत्र न्रवंस व्यागिया योनरकव्रमिशांक नीउ। जाम कर्षेट्रेयां

অরশাং ইছার অনাথা করিবা না কিমধিক মিডি।

उक लघरक

প্রাথিক প্রাক্তরমুকং পর্মকল্যান বরেষু তোমার পর পাইয়া সম্যাচার জানিলাম। লিথি য়াচ্চ এথানকার লোকেরা তোমাকে বৈদ্যনাথ দেবের বিবরন জিজাসা করিয়াচেচ তাহার ওত্তর করিতে পারহ নাই এ আশ্চর্যা বিশিদ্ধ লোকের সন্তানের এ সকল জানন অত্যা বশ্যকের মধ্যে এখন আপনার বালকের দিগাকে এ সমস্ত শাদ্ধ শুনায় এমত পত্তিত এক জন চাকের রাখিয়া দিবা যে বালকের দিগাকে নানা মত পুরান ইত্যানি পুন্ধাব অভ্যাস কর্মন পুবের আমার এথানে

স্বর্থ প্রাল বেতা পণ্ডিত এক তান নিযুক্ত থাকিতেন ইদানীন্ত কিত্ কাল হইল আপনার দের সময়ের মনতা পুতুক্ত তাছার কুটি इर्गारहः। जिल्लात्वा अगन (उधार्तिराव কোন বিষয়তে ন্যুনতা নাই অত্যব ম সময়তে न मक्ल ठालना ना कत्राल निमात कथा उउन्व जाजार्वणाक जानियां न विष्याउ প্তলের মগোগোগ করিবা মে বিবর্ধ আমি লিমিতে চি মনোঘোণ করিয়া অবগত হইয়া लिएक उपाउ कारत पुरुषि कित्रिया प्रवर्ति । রামরাববের ঘুদের মেম্ম রাবল বিবেচনা করিল রাম বিচ্চু আরতার তাহাকে তাম করেল মহাদেৱের আরাধিনা ব্যাড়িরেক সংশ্র অত वर्ष हियांनम् पर्वाउ घाडेमां काठांत उपमान् আশুতোঘ মহাদেহকে সিদা করিয়া সহাঢাথ এक चिवलित (महे स्न इहेट नकीय च्रांनार्थ लहेग्रां पहिरङ्क सर्गित्दरं सहिङ

तिय्य अहे जायि लक्षांय स्वित हहेल. (उ)यात नेदाजग्र इहेरव ना किन्दु (प ग्रांत আমাকে নামাইবা আমি সেই নানেতেই थाकिन उथा इहेरड कप्रिंड अविव ना जांहा त्रिया (प र्य क्त्र। त्रांतन जांतिन अक विन्त् পুস্তর কোন ভার নহে ইহা অনাত্রামে লব্ধায় লইয়া ঘাইব মহাদেবের পুন্দরভাতে আমার জয় হইবেক মহাদেবের বাকোঁ কোন সন্দেহের বিষয় নহে রামকে মারিতে পারিলে দীতা আমারি হইবে তাহাকে মোফারানী করিব यस्त्रित्री आयांव निदिवानी आंक उद्धांत उग्रेश कित्रिय में दिव नो ज्यून (मीमन कित्रिय হইবেক্ত মে জন্য আমার বড় ভাবনা নহে ग्राहोत इम्जिउ डांश्त प्रा भक्षे। সামান্য নহে আমার শেষকালের রানী रहेरान मीज जहांत महांत (कह नाहे कार्यात कांत्र सम्ब वांडक मीजा कार्यात

२व॰, जांगि मीउांत अहेकरणं कांन यांत्रेला कतिय। अद्रे मकल विरंविष्मां कविष्तः घां हे एक एक उन्ने प्राथित क्रिक स्थापित কে মন্তকে করিয়া সনিবাহইল আসিয়া उनात् कि इरेरिक। मकल्ल नेवांग्रण किव्या মেদা ও পরনক্তে আজা করিলেন ডোমরা व्यवस्था भीजा जन्माहिया ग्रहाराव लउत्नव वंदि। जन्मां याद्यां। (प्रवाचांत्र (यम उ नेवन তাহারদের সাধা মত বাত বৃদ্ধি করিল ওখাত व्यवन ज्ञारा निव्यान रहेन ना मकल्लहे नियमेग् कि कविरवन जिल्पा नीन ना। वृद्धा यनित्त रक्नेत्र ज्य मय्प्रीनेत्र अशंद उपरत प्रिप्त करांउ उद्धां र रायन प्रमांव পীড়াতে যাান্ত হইবেক তাহাতে মে ভক্ত लोक ग्रहारत्वरक ना नामहियां नुम्ब क्तिरव नां नामहिल (महे म्रांत महाराव विध्यिन देशांउ मास्य नारे। অত্যব

रक्न। (द्यायतां यांडेगां ३३ मध्य कत्। रक (अंत जाजीय मगुपु व्रोवत्थव सम्दर्भ नुरवण किंदिल व्यंवन नुमांव नीजांड जालिनां भीजिं रहेशं वाम् रहेन किनु भिवाक अ মৃত্তিকাতে তাগি কহিতে পারে না নিকপায় হইল। এই কালে ইন্দু দেবরাজ মাঘা করিয়া र्श्व युश्चात्वर (राण (महे म्रांत अविग्ठ रहेलन । इंश्वन डांहारेक (एणिया नेत्या इंग्रिप আগর প্রবৃক্ত শুক্তনকে কছিলেন ঠাকুর ত্যি আয়ার এই ওপকার করহ। আমি র্ণবল রাজা ইহার পরে আমি ভোমার परथक्ष ने जुल करिय़! जिय। नुष्टित विलिलन মহারাজ আঘি ব'লেল ক্লীল বল এবং বৃদ্ধ অতি ব্যাণককাল কালিতে পারিব না। রাবন विनिन जोशंत विष्य कि ज्या अक एय नेवातु শিব বীর্ণ কর ওবে আমি শুদাব করিয়া আদি। ट्रांक्तन विलालन जांन जांगि

जानेनकार जोजाग् प्रेपण नेगां रीत्व ক্রিব ই ছার্ অধিক আর পারিব না। রাবল उथासु वालग्रं युक्तालव प्रस्टाक लिवलिश व्याणियां नेमाव कविष्ठ विमल्न मगूष् जार्व अप्रम् नेमार्वर (वंश जांत्र भांख र्ग ना प्रे प्रायु नायु राज्य किश्लित মহারাজ আমার আর মাব্য হ্য় না জাবনি उ जांक्रिए नेतिल ता जांगि णिवनिश म्जिकांग् जारी कहि। है हेरा यिलग्रे लियिलिश म्जिकां उ थे हेगां नुम्नांत कविल । जांतनेव शांवल नहत नेगांच नुमांव करिल उपन्तर्व पिवव इहेया जामिया णिवरक जुलिए डेह्रां कवियां जानन नेवांक्य रेड लांडां ठांडा खित्न अक जिन अ नाड़िए नार्न ता उद्योख जाजि मृशिएज इहेग्रां निज स्रात लंदांन कज़िला। पेर्स (क्रिंड स्रेरत रान इत्यां जात्मक क्लांन नेगांत यहांत्रव एछ

क्तिलन नेरत कलियुर्गत न्थाय रेवज्ञानाय. এক জন গোগুলাকে প্রাদেশ করিলে তাহা হইতে পুরুশি হইয়াজেন অভার তাহার नाय रहेल रिकानाथ। (म स्नि मधाना नरह (म स्रांत धिनि धोष्ट्रा ठान्ना कित्या यांत उांड्र जिस्ति इयं अवर्ज विभाउ ने रेवपानारथत विदत्न। जाउन्य मक्नरक नहेर यउ कहिया २४० जानेनाता यत्यार महारउ नेत्रां जित्रांत्न क्वाह्या घाहार प्रार्थ स्था खर्शे इहेए मात्र। अ प्रमं नरतामु অতি বড় সাববীন ছইয়া থাকিবা আর কোন लिरिक्द मिरिउ विवाह किरिवाना। अप्राणंत লোক সকল দুর্জন আফুরিক মূভাব घां होट अवर्ज त्सां हम डांहां कित्रां। जांगि खनिशंकि ने पिएनं नक तृश्वकांग অশ্বশা বৃদ্ধ আজে তাহার তলায় হরিশ্বা রাজার হাতের হাত মাদুলি পড়িয়াচিল-

उ'र्। प्राम रअताउ अक जान खोत गत्ने इरेल डारांत विल्लासन निधियांकि छाउ रहेंथा उरान्मल कविवां। नेपाल नक श्राहे এক জন মাজ্য়া ও তাহার স্থী মাজ্য়ানী মৎসা विक्यं कविरंडिलि। डेडि ग्रादी। नेकी जिल्लानंसी जोशंत (प्रांकान इहेट अक्ट्री लंकन यथमा क्ति एति थिता त्रात यन माध्र स्थे उक्षारी क्रिया घाड्र उत्तिल डेड्राउ याज्यांनी है। जिया अगिल। योज्या वज् किरिया विलिल अक्रिय श्वाग्राजाती (उर्ग ग्रांठ लहेग्रा यांग्र जांत जहे इंगिय उरे कि भागली ना कि। (य विनन जांच जांचांव कांवन चीम नांचे। यांच्यां वाल उरव सीमिल (कन। (स्रवलिन शीमनांग (एए अए। नकार हिन्न अएन अध्य प्रत्न रहेग्रां कि य अम्हे। लक्ष ग्राच्मा नियो योहेट मेर्व ना। गाल्या करह उन उहे हेरा रहेरउ जिल्ह लाज विद्या (क्रियोग्न (प्रियोग्न विद्यान

नां आग्रि (पणि नारे। उत्त सीमिनि কেন ইহাতে তাহাকে বিদ্যারিত প্রার ' করিল। স্থাটা বলিল ছেদেরে আমারে ও কথা জিজানা করিন না ঘদি আমি তাহার বিবর্ণ কহি ডবে আমি মরিব। বেটা বলিল जुरे यतिमं कियां किज़ रहेम विनिउरे হইবেক এবং আরবার তাত্না করিল ৷ रांजूए। ती वतन श्रेन आंशि नेवर्व जता जिल्ल চিলামভারত সংগ্রামে অজুন ভ্রিশ্বা রাজার হন্ত বাবেতে কাটিয়া ছেলিল আমি মে इस नियां ने र्टक्त लागाय विमया गारेयां किलाग उरिं उरिं अक्टी योपू लि किल उरिं अ शिंटित् उलांच निज्यां आंटित (एथ चांडेयां 1हे ক্তিতেই মে মাথ্য ইমিতে পতিয়া বাল তাথ ক্রিল। পরে ডাছারা সেই তলা মনন ক্রিয়া अक र्षे यान न नारेन ठावि (यान म्यन

उदिख्य माजूयां विनयांन इहेल। उउ अव लिशिएडिं हेश्व उपन्न जिल्मा ममाठावें लिशियां। हेडि।

रध्यः लगुरक्।

नंद्र्य खंडां निर्द्धानंत खंडा विर्णाप्त ड्या सन

চির্দিবদান্তরে প্রায়ুত বদুর্জা মহাশিয়ের হাতে তোমার দত্র পাইয়া সামাচার জাত হই লাম। তোমারদিণের যে কার্যোর বিষয় লিটি মার ভাহাতে নিতান্ত চেম্না করিতেটি দে জনা কোন ভাবনা করিতা না ভাহার জনেক সুণাত্তিক হইয়াচে বিশেষ বিশেষণ প্রাযুত্তর পাত্র আর পাত হইবা এব০ তুমি ও জামার বিষয় মনো ज्ञातर विषयं पार्। इय ने क्यां ज निश्चित । जीव उ क्रम्जा डोग़ (डोग्रंव निकरे घोटेरडाजन गृहि. (अंश्व अक जोप कार्या (कान स्रोत अत्यात क्रिया निष्ठ भाग्र उत्य (अश्वं निष्ठां इन कात प्रवर जागि उ वज् जानाम भारे वम्जा ज्यायांविषिधांव ज्याना विश्व प्रतास्थ वर्षे क्रांक म्रांत त्रांजक्रांमा निगुक क्रिलन उंशिष्ठ म्थां जि जांक (म सर विषय ভাবনা ক্রিবা না আমি ঞেহাকে বিলম্ভন करने जीनि। (उपात यांज्न अरे म्रांन जिल्न म० ने उ नक कार्या भारेगा यापानव शिया (চনে এই ওপলক্ষেত্তে 🗠 তাহার ভাল করি (त्न अयन जन्यांन र्य यपि अ कांच्यां क्लि काल थाहिए नार्वित प्रवाद (उन्याद प्राचिति (नोक जानक पृथे जन स्म नेवां छ जिला पृथे अक कार्या इंटरनव राधा इंग्र मा। यांच विष (अंगांत जाउत्वेश पर अस जन ज्या स्थि।

देल छान इरेड भारत (य विश्विश्य करिय। আমার প্রক্রার বিবর্ণ হিদিত আজ্ছ उथांठ (म विषय जामानि 3 जक्षवंदे। वाय করিলা না কার্ল ব্ঝিতে শারি না আমার विष्या उपवादना कवितन अञ्य निक्त राम অত্যব এ বিষয় অবছেলা অনুচিত ভানিবা। ত্তা ওত্তবাবলোকি বিন্তারিত লিমানাথিক তোমার মরাম ভাতা অন্যক বাহীতে বসিয়া क्टांन योनंत कविरद्धकिन अभारन खादेल अक् जांत्र कांच्यांत्र (ठक्षां ठित्रज कत्रां यांग् नित् जियात हो । याज थारक जांशहे इहेरचक सर्वित्रभात । यह वर्षा अवस्ति आहत আগ্রিও মে জন্য ডেন্ডা করিতে জি 770-महिएंकि हिन्दु जोग्रांविपिटांव আশাৃ্য जाउत्श (कह (म कांचांत्र अनेएक अनिमुज অতএব ভোমার ভারাকে অতি শীদু न्यादन नार्वाह्यां जात् जायांत्र प्रितात वांदीरंड

घांडेगा छात्र निरुद्ध रायुक्त कहियां (उंड अक्रात अर्थात जांद्रमन अंद्रांत अक्र कार्या अनिव्उ जारिज जिनि नेगारिन जोहिलाई इहेरिउ भारत प्राठ मर्राडिक जांका। जीवज शिक्लां नम् त्रांग्रक कहिया जपा मछ्य प्रियम हहेल তাহার সাহেব বেলত হইতে আদিঘাতেন মেশ্র অম্ক মাছেবের দরেতে জাতেন কলা তাহার সমাচার আগ্রাকে জিডাসা করিলে আমি কহিলাম তিনি বাধী আচেন সাহেবের আজা হইলে দুই চারি দিনের মধ্যে আনাইয়া দিতে পারি। সাহেব বলিলেন ভাল তাহাকে সমাচার দিয়া শীঘু আনাও অত হব তাহাকে मञ लिभिएउजि २४०, जानिन गरिया उद्दिर भीग भाषाद्या नागात्म मारहरवत जांश মনে অনেকং সর্কার লোক ওপন্তি इरेटउक्त किनु जामानि क्रिंग नेमानिंउ रहेरउ পারেল নাই অত্যব রায়কে পত্র পাঠ আফিতে কহিবা আর জনেক সরকার লোক সাঙি
লইয়া আইন্সেন মৃতে হইলে ভাল হয়। সাহেব
বেলাত হইতে এক ভার্মা পাইয়া আমিয়াজেন
জনুমানে বুঝা যায় বত লুবান কার্মা হইবেক
তাদ্যালি স্ব্যাক্ত কিছে জানিতে পার নাই
ইহার দ্বারা আত্ম অন্তর্গ লাঁচ সাত জন
পুতি পানল হওনের বাব হবেক না আনুমান
এই মত হয়তবে সম্পরেদ্ধা কি বলা যায় না।
শাত্মত ভদ্দার্ঘর্মা মহালায়কে আমার পুনাম
কহিবা এবং ভাহার চতু দ্বাহীর ব্যয়ায় ১০
হাকা পার্মাইতেচি ভাহাকে দিবা।ইতি।

क्षठ लगुरक

নর্মাশাহিজাপনস্থ বিশেষঃ তব মন্ত্রল কামন্মা অত্যানন্দ পর্ত। গোমার পত্র পাইনা সম্প্রার অরগ্র

इंदेलांगा। नेपानकांत्र स्योठांत्र अपूज निनिक्त ভাগার এক কার্যা হইয়া তিনি বহর্মপুর গিঢ়াচেন ভাছার সাহেবের বছর্ঘণুরের জিলার কলেকুরি কার্যা হইয়াকে জানিব ভোমাকে নিয়া যাওনের নিমিত নিতার ইচ্না জিল সাহের তুরা যাত্রা করিলেন এ প্রক্ত ভোমাকে সমাচার দিতে পারিলাম না অভার ज्यि (म म्रांत भी पुरिल जान नक कार्प) ज्यवना इदेरवरु। अथात जाधात कार्या न्वर्वर আচে এইফ্রনে কিচু হইতেচে না পৌষ মাস नेवां उद्देशकांत्र मार्ह्य कहियारहत उद्दिश कार्णा ज्ञा जग्र म्रान रहेरवरू भगउ६ তান্দ্রান আচে যদি তাহা হয় তবে তোমরা দুই এক জন আগ্ৰাহ্ন সহিত ঘাইতে পারিবা। अधेक्टल योश्पिनंत अक्टी त्रम्यात कृष्टि क्तिरवन १६ (उछ्रां उर्जा जांदन जांदा इहेल ष्ट्रे ठांति जन (लाक पतांनन क द्वाउ पादिवाद

यात्रा नाहि। (म म्न इहरतक उष्क्रा जांज जीन वरहे यन्रामात वस्रि गरिष्ठ गरिष्ठ गरिष्ठ माश्री पश्चि प्रक्रीप छाछि मूलङ (म स्रात আমার কিল্ফাল বুঝি থাকিতে ছইবেক। चारित प्रोति राहायां व्यापीय विराधियां किरलान जोड्रांत योधी कमा किक इंडेग्रोरक कि না ভাছা জানিতে পারি নাই ভাছার বিশেঘ स्मातित चित्र अख्या थाक न्य जांडांत कार्चा কিচ্ হইয়া থাকে ভাল নত্বা তাহাকে সমাচার লিথিয়া শীঘু মুগানে আইমেন उद्याक पर कहीर शंणियां जायि रामधात য় প্রতি যাইব। আয়াইদিগর বাচী সারা কি नगांग रहेगांस विल्लंस निधारा जांगांव कतिसे ज्ञांजा जात (कांन स्ति जांकिन कोटा किलू इहेग़ारल कि तां विश्नं जोनितां न्यात्रा खित्रकि स्विता शिपारित म्यारन पाहिरांत्रजांवांक कि जोड़ां वृत्याद

नाहिलाग ना जित कानना शिया थारिकत 230- (क्रांत मृति उक् इहेरा थारक जान (मह भारत थाक्टियन नज्यां लिभियां नेभारत . जारियन कार्या (ठ३१ कतिल रेरेट पाति বেক। আথার সাহেবের এক তান তার্বর্ম अथाति म०्पुं जिम्मार्ह्य जांश्र महकांव (कर् जातानि अने स्व र्ग नार् (म मरिहरववं नेवीन नक कार्रा ग्रांमक भरक्षत्र मारी। इहरतक मध्य खना घांहरज्ञ उदि। इहेल पूरे अक जन लिक पेप्पिन হওনের বাধা হইবে না তুমি ত'হাকে এই मग्राठांत लिधियां जिनि एलं जीठ दिनत् गरी। वाही (नै रिलन। (डोग्रांत गोजुलत न्यात विदर्शहत कि इहेग्रांक महारात लिणियो अहार किल् योग वामत्नव जान গাতা আগ্রাক করিতে ছইবেক তোমার পত্র

পাইলে তাহার সাত্রাতা করিয়া পাঠাইব.।
সৌলাজি আমুহিলিগের লিতান্ত পোদ্য ঘণা
শক্তি আনুগতা করা কর্ত্রা ইহা না করনে
জাতি মদ্য অত্যর তাহাকে কহিবা ঘদি ও
সম্বর্ধ দির না হইরা থাকে দৈর্ঘা করিয়া
ভামার মণানে আইদান আর্বাদনের
নিমিত চিন্তা,না করেন পুতুল কোন মতে
হইবেক ম্বত্ন ন বিষয়তে তুমি ও ঘলুবান
হইয়া পুতুল ঘাহাতে হয় তাহা করিবাঃ
কিমবিকেন প্রান্তুলোছিতি।

उंखं लगु (क ि

নত্য শুভাশীর্যদিবিজাননক বিশেছে। তবকলালাকৈগো ক্রমিন্যা অন্তানন পর্ব। তির দিবদা পরে ভোমার পর পাইয়া দ্যাতার জানিলাম। নিগিয়াত ওলিতি দ্বমির রাজক खरानि विक खोक हेण्य कारत हि द्विएड नोविलाश ना विरमंघ लिणिया। नुगान कांत्र मयांचां वर्य कि वर्णव : निणित। अप्राविश्व सार्व (निर्वाय सिंह जिल्ला स र्ग नार भाग्ठ कडी मार्हर नेगादन नार्ड शुनिएउकि लीम जाजिएन जोहरन मोखाउ हित्य जम्बन एउ एवं नक्किन लिशिय। कानीयाथ (म घजा श्रीत्रांज नियां किरलन उंद्ये खनिया थाकियां म० पुंचि जाता प्रम लियम लोहोत्र ध्योस्टर वीयुठ ति त्राह्म भाग्नां सिर्धातिष्य स्थाति स्थातिष्य होतरकत घरेने डाहरित व्यक्तित नारित्व जानेनांना जातक (मागांत चिर्वा २३०-नां ज ने गंड थे रियो कि विक समिति। कि तियो हेर्टित कराठ जिस् भी ह्या (ए यांत्र कार्यत (छाडी कित्रिड निधियोज जोडी निधनां विक म जिए। जाति कतिराजित किन् अधिकाले

किए इस अग्र शिक्त माई अनेहिए इहेटलाई अयाजांत लिशिय। आयात्र अर्थातन रोमाद वार्था বাসন হওয়া তাতি ভার হইয়ালে আতি नर्गात विन दिन होका वाग्र करिया था। क्रियोजि। न्रांशिक आरत जाजिन अ०नुषि पिरम ठांति नांठ रहेल वायु पलाना मरहिंद्व महिउ मोद्धांउ कविद्यां घांउद्रांउ করিতেচেন সাহেব বিশুর আশ্বাস হরিতে (ज्ञ अक जांत्र कांग्र फिरवन कि इग्रन। यांग्र ता मार्ट्य विखः जन्तृह (प्रतिरिट्ण श्रांट र्या जल रहेर नीरत पांहा र्य भीग् जामा घोडे रिक्श थीएउ द्रोगरीत राज्त यि विषय आधिल हिल छाड्। इहेट नुक्ल म्बर्क जिल्ल इहेर्डिसन जिलि प्रम नेवि मित्तव यादी शंहा (नीनिरदन (क्वल 🕌 अभिराधि हत्रोव न्डाव निधिष्ठ (घ भोल (मरे जना (कान वारो। नारे मि जना विदिख

निहरं। व्याउ जोहिरहन प्राप्तक निवधे. नार्थाहर जी कार्य हो का कारण निवन। जारक उद्या मान्या कहिया विवा य इरिड जिशिक (१) में हिए करियां ज्येह जो प्राप्त मिरिनेड एवं विवर्ग अने मिर्ड कमरांट किल शहांत्र कि हरेगांक विल्लंघ लिशिवा। स्थाउ मार्टरित निकंटे रहेर्ड अक जातिकना पन लहेग्रा नाठां हर जिल्हा हरा उथानकात् मारहरत्व तिक हे बिदा २३०. टिडाएइ व सम्म जानन् रहा उनिम्ल थाङिया विरयहना न्यंक सामा कवियां कांन विषय डावना उतियां ना ३ विषय (ध काले लेवांडर कविष्ठ लेव्ह कविवा। थान्ड छोत्वि स्याणधार्तिराद मिंड (य च्यित दिव'म इच्योक्ति उद्योक्ति कि रहेग्रांज उद्यो निधियो य पिष्ठ निधु ज ना रहेग्रां थांश्क (प नेकांत्र महत्ज निव्छि इस कित्रिं। ইহাতে আপনার দিগোর কিচ্ছ ফেতি হয়

द्राहा उ सीकांव कविया। स्थित व्याप्त व्याप्त ग्रहानाग्यं महिङ खोधांत (घ मधा हिल. তাহাতাত আতহ তরিছিত প্রত্যাত হাত্নারাল द्रांतरक नार्व इरडिट इरिट क्रांत्र महिड मासिं प्राह्म देवाउर चह्या श्वारक नीच नेपारन निर्वाहियो। चीच्छ व्रांपद्र उत्त स्मन (म अग्रात्य मार्ड छलाना म्रात्य विखीए इहेग्रे गहिरहरून (मन (ज्ञग्रंत्र ने जिनिधि वागु र्यामग्रं पांच घाड्रित र्यान्डित जायांट (मन एउएमन यज्ञांन यज्ञांय जायांचा नियां पांद्रजन किश्यां जिल्ला जांगि स्रीकांत করিলাগ্র লা কৈছিলাগ্র ঘারত পর্যান্ত ভায়ার क्रांट्ड ना जा मरउरज्ञ डावड जोश (काधीर विरित्त नी विद्याल जाना अस जनरक भाकीन भरत (प्राय कोका करतन उर्श किर्व प्रति अपि अपि अपित् अधित कर उटर भीच अभात (न निर्मात) जांतर

. বিস্তারিত সমাচার লিগ্যা নহে সান্ধাত ইইলে সমস্ত কহিব শুলিব। ইতি।

लग् १३यः (सः।

ল্লামা নিবেদনশ্য বিশেষ। মহাশ্রের আশাবিহাদভোত্রশিরশ্ব পর্ত,।—

চিরকাল গত হইল মহাশঘ্রেরিগের ওথান কার মধ্যাদি স্মাচার না পত্যাতে নিতার দুঃগিও কি করা ঘায় নিকটের পথ নহে দে দিনেক দুই দিনের কারের নিকটে পৌশিয়া বিষয়ত হই কিন্তা মহাশ্রেরী বিশেষ বিশেষর নিথোন কিন্তা আত্ম লোকের গতা য়াত আচে কোন মতে বিশেষ না জাননেতে নিতার কোভিত। এখন বিবেচনা করিয়ালি স্বার্থিরের অনেকং কার্য আমার কারের কোনিত আচে ঘদি তাহারা আমার

घांउन कांव्रन लोका प्रिवंउ करव्रन उरव (कान मत्यह नहें अक्रांट (मडे लोका (पार्त (ने निर्मात ए प्र जिल्लांतरपत जातांतांप रूप एरवर्ड (एउए। जुराहे जाना चरितक (अ ध इडक। ग्रह्मलिय क्रांग कार्यं विषय (क्रांन मर्गेख इहेगांटल एंड्'व लिए"म विश्निमलं लिणिरतन। योगुड मोहत उस्क स्थान विष्ठि वया इहेलात महारात् महिए ग्रांभीएएंव न्ययं जोनंदज जिलं अवव विखानि उपन् रोह करिएन यहें काल मांकांड करिल धित्र अन जाम काणात् जाकियेत करिएजन ভবে শুক্তি হইতে পাত্তিত আহি কুকি ग्राम्य जिल्लामा ज्ञान होत तिरहरूना प्यर्क विश्विक विश्विक। प्रश्नामा अगानकांत्र गणानी कार्या कि नेपांड इरे छिएज उ इन्द्र ने उलाने उल निर्णियन रुखि त यह मात्र उ ज क्यान यह प्राध्यान शिव

कविरवन कि वीवां करवं वना यां मा তাহার মন ব্যো এমত লোক এথানকার यादी। कपांठिउ अक पूरे जन जारिक ना তিনি যে বীকার লোক তাছা দিয়া প্তা लिटिय अक्टो (मोडांश) इरेरिक अग्रउ विषय नरह (म मकल जित्या कि कर्र पांप अर्थात्रह्मा (पिहि डाङ्गेडे इत् अउन्न अ अक्षान যদিতু যাওয়া হয় তাহার প্রের স্মাতার लिशिटरन २४०- जानेतारा मारिशेन ने वर्दर थांक्टिवन। नेणांन इहें उ मर्गाठांद निणिएन আপনারা তদনুকা কার্য্য করিবেন ঞিছ বহু रैमना मां यस लहेयां याहिरवन उद्यादातिरात्र शोषा स्रोग्री जडारिलाक (प नेर्वात डोइर्त অ'য়ে'জন করিতে হয় করিতেন কোনকমে विधी नां रग्र। व मक्न (लांक घोर्ग्र) जानन কার অধিকারের পুজা লে'কের ওপর অতি

ক্রম না করে। এমত পুতুলের ওমোগে
থাকিবেন। এমানকার সমাচার পুবের্য সমস্তই
লিমিয়াচি তাহাতে বিদতি আচেন সেই মত
কার্য্য করিবেন কোন বিষয়তে ভবনা করিবেন
না ঈশ্বর অবশ্য পুতুল করিবেন। মহা
শয়ের পুথের বিবাহের সম্বন্ধ কোন মানন
নির্বার্য করিবেন কুটুদ্ব ঘোল্যাঘোল্য বিবে
চনা করিবেন ঘাহাতে কুটুদ্বতা মৌলাল্য
অধিক হয় এমত করিবেন সম্বন্ধ দৈর্ঘা
হইলে সমাচার লিমিবেন তদন্সারে আব
শাক দুব্য এবং ব্যায় ব্যহ্মন ঘাহা সাংগ্রাত্য
করিতে পরি নিয়া নিকট লেমিবি । ইহা
চরতে নিবেদন মিতি।

लगू (नांमा धकरक ।—

ুণুনামারিজাপনকৈ তদ্বিশেষেঃ তথাপিষ অত্যানন প্রণ্।

এথানকার স্মাতার অনেক দিবস না একান্ত ভাবিত জিলাম वार्ग्या नगद शाहरान पार होउ नाज नाहेग्रा मगमु मगाठांत जांउ रहेगां निकित्तु रहेनांग। লি গিয়াত আপনকায় কন্যার বিবাহের সদ্যন্ত শাত্ত রাজনার্য়ন রাঘের প্থের সহিত इडेग्रांट उर्शित कृल यग्रातां. अक्लंड होकां पिएउ इहेरवक । अममुख डाल वर्ष किनु हेकित मांग्रीस र्हड यांनित अहेक्दल उद्धार म॰-स्न कि अक्लंड होका नेन प्रिड হইবেক তদ্রিন আপনারদের ব্যায় তিন চারি শত টাকার ন্যুনে হইতে পারিবেক না তাহার मंक्ल महित अहेक्सल इहेर निहित्वक ता। আমার এথান হইতে একশত টাকার স্মার

হইতে পারিষেক ইহার অধিক কপ্র হটবে না বিফি চার শত অন্য কোন হাবন हरेड मक्षेड कवि उ मेर्व आउ स्थि जोडि (रिधाराउ परि ता जाउनर मुज्री- न मस्ता এইক্রে ছইতে পারিল না তবে ঘদি কোন म्। रहेट हे लित्र मां । शंडा क्रिए नेर्वन करव न्वउ इहरवन नम्धं उन्होंका जाति भारीहेग्रा जित डोहांत डांवना किज किति ना। প্রাত্ত রাজা মহাপায় আদা তিন দিবদ হইল किलोनां पंतरीनांग् यांजां कित्रांरित आंगि 3 प्रहे अक पित्नत् यारी। योजा कतिर (म स्रात यांडेग्रा कार्या ना न्यय इडेल होकांत मकल मां शंडा कि नेकार इस किन्दु नेक्टांड इड (तत वांते इहेरा ना पति । मस्ता यां मक मुहेगांम परत् इत उरव (कांत वार्ताह इत ना वीयुउ क्षत्रां यहां गंग्रक निभिरदिक अ ममुक्त नहेक्काल हो। इहेर्स नेकांउ जाराहांद्र ना

िए इग्र जिति अधा कित्रियां पिरवत। अध्य রামদ্দর বদ্শাকে আশ্বনিদিতে দে যানে पिठाहेरवन अक जांग कांचा जावना कविश्र দিতে পারিব অনিকে সাহেবের নিতন্ত অনু গৃহ আলে ইহাতে ঘথন ঘাহা সাহেবকে कि हि उ'ह द्वीयोग करत्न कोर्ग अंडि वड़ हरियोग्डर हेहोएउ यमि किछ् को 1 यह कोर्या निर्िष्ठि थे। किए निर्व उरव के श्रेष्त्री परथिस (लारकत ने जियालन इहेर नी तिरव। म॰-ने जि अक कार्या अवस्डि जारत वर्गम नाइ वस्त्रांटि एपि भीत पितिहेट पादिन उति ইহাতেই পুৰত্ত করিয়া দিতে পারি নত্বা जियारी न्डांत मराग् आंग्र ताही आमित সাক্ষাত সমন্ত কছিয়া শ্বনিয়া প্রা यमं न्वर्क घाष्ट्रा स्व तित किनु देशंत মুঠো ঘদি কোন আঠশাক হয় তবে আপনি न नेवाह जामिरदन दिएलंघ विविष्ठ इहेग्रा

घांद्रा कउंदा उद्दांद (ठक्षा ठत्न क्यां घांद्र के ক্রিয়া আঁর কোন কোললে কার্যা চলে তবে क्षांत्र क्षांत्र व्याप वाप्त वाप्त ग्राम्य न्याति जामियां किल्त जारा पृष्टे पिराम इरेल रांदांलणी प्यांन क्रिग्रांटित उर्शित नेय नेगारिन हिल्ल उर्शिन निर्विष्ट उहिर শীঘু তাহার বাধীতে পঠাইয়া দিবেন আমি डांश्टल नक भंड होका निधि वाण निधिउ দিয়া প্রায় রামানন বাবুর সহিত পাঠাইয়াচি मिंद्रेस निर्मेख महिम (ने निर्मेख निर्मित সেটান হহতে বাবু সাতি সমতি করিয়া पिरवन (म जना (कांन जांबनांत् विषय नरह । न मक्ल मेघाठाव उद्याविताव वादीति जानित घारेगा विरणंघ विरणंघन करियां किरियन विशिव (केर वास ना रिएन घांउग्राट रक्षलांपि लिशिएदन। कियिक মিডি ।

लग् (नेषि। एउक्टि।

पुलियां आरियमनकं विल्लंघ । जवप्रियां जवप्रियां जवप्रियां विल्लंघ

ম্থানকার স্মাচার পরে কত লিথিব।
আসিয়ালি অবস্থি নিকাফ বসিয়া আলি
কার্য কমা কিলুই ইয় লাই তাহাতে
নিতাত্ত বিবৃত হইয়া বেতাইতেলি বাদার
বাায় বাদনেতে অফ্য এবার কার ঘারায়
বুঝি কেবলে দুসু লাভ তম্বাতিরেক আর
কোন লাভের বিষয় দেখি না। কি করি
সকলেরি সুম্বর কর্তা মনুষ্যের হাত কিলুই
নাহে কিন্তু বেদ্রা ঘণাশক্তি কর্তব্য। ইহা
ভাবিয়া ম্থানে আলি আনাক্রমে কমা দ্বন
ভাগি করিতে পারি না। বরাহনগর প্রাত্ত্ব

विद्यां दि (ठक्षे) ठत्त खेंशं विश्वाय (प पर्याख रहेए पार्त खंदा अ रहे। उर्हे। उर्हे। उर्हे। जरा जि जाम्झकरम (कांन जुड़ां उक्त इद्देश का। य किल् रडक डाप्याम नगंड अर्थात थाक्ति इद्देशक देखे यादी। किन स्त्रिक श्य डांन मज्यां आंधिनापिए ए हिंदी केंग्राटक योहर योहर हो वक स्थान क्रांक म्रांच मिल्यह रूपमा । ब्रिन मिर्नोती তাহার পতনাপত্তন বিবর্ধ অন্যাত্রি किन्दे जीतिर प्रीतिनाय ता विल्यम लिभिर्वन नेत्रमूत्र खतिराउति छाएउ र ए (यांश्न पांघजांत्रिराग्न उधिकांत्र रज् रामकार भिद्रांकात्य ८ स्वांप्रवेष करमा लिणिएउ इग् यहानियां जार्य इनेट उंगत जान्कना किज् रे रहेरउ भारत ना यह किन्ड निधिरन ३ (क्छ न र्रेड उरव निधरन (ए सि कि खड़ नव ने मर्याद्यंत विर्णिष्ठ विर्णियन लिथि

(रत जोग्रां नियां घांडा इहेट्ड नांद्र नांनांद्र . किथा घरथासे कर्ग यांचक। जीवन विश्वासाल দেওয়ানের ভাতহোগ আমারদের দেওয়ান श्हेयां शियांकत अंशंत कांक आयांत तिरिशंत जातक (कह शिला अक कार्य) विवा िएउ नीरवन विरवहनां कवियां अक जनरक जां होत निक हे निशिष्ट्या जानेनात्पि शित् ए দৃঃ দ্যায় হইয়াতে এখন যানাপ্যান ভাবিলে কি ছইরেক কোন্মত পুকারে দিন যাপন श्रीत जीन नेरत एपि जिन्हात जीन सरत्म उरव मकलि पेश्विम घारवक अद्यस्त अहे বিবেচনাই ভাল ইহাতেই নিভার করিবেন (धर्णात शिल् किंड् डोन र्य अयउ द्विष्ठ नार्वत (मार्गात नांनाशिक्त प्रिक्त पांडेरड नंत्रयम् करित्तन पृश्नमात् रामारामा विरहण्यं किल्हे हेहेर पात् ना। न

, (मर्ल आयुउ वृंजि। महानंद्यंविद्रितंव अक्टे। उभाउ उपाउ उद्धाउ (मार्यं योगपीय (लोक वास मगस । जिस्कांत् त्रांग्राभ पोल म्यूपांत वलिया अक जन प्रमा जिल उद्धित वित्रव्य (प्रमाश्चित्र पर्छान इहेल राजवानी इहेरउ जाहारक विविरंड थानातात् जामियारक (म प्रमा अधन (कान দেশে ডাছার অনুসন্ধান পাও্য়া ঘার না डेड्रांद निधिय प्रकृति वास जिथात्वह्रां कि হ্য বলা যায় না। সমুতি শ্বনিলাম আমার पिरानं अक जन चुंजा तार्यत्र कि कि किर्त प्रनाहेग्रं शिग्रांटि उर्शिंड (क्रांन क्रांड नाहे ক্তিন্ত আগ্রার রাজ্যর এক পদি মান্য তাহার स्रात पाउना २३० जाताबि पैंडिल हे।कात् रारी १० प्रभ क्षेत्र। प्रियोक्ति वकी नेत्तव আধান তাছাকে কছিবেন আয়াক যে व्याद्यः जांद्र उद्या (प्रा उद्य जांद्र (कृति

আপদ নাই সাদদ বসতি ককক আমি রাজ দ্বের বক্লিতে নিতান্ত বিবৃত তাহা তানাইবেন। नेणारन (यर पुरवात निधिय निधियो किलन তাহা পাঠাইতেচি পত্র দৃষ্টে বৃঝিয়া লইবেন (य (लोक घोडेरउरक डेड्रांट (वउन प्रिय़) বিদায় করিবেন এক থান মোহর পাঠাইতেতি একটা ক্রণার চিলিম মূল্য করিয়া পাঠাইবেন আর আয়াকে এক দামগ্রী দিতেন কহিয়া जिल्त यपि अहे लिक्ति ग्रंति पिछ भीत्रन দিবেন আমার অত্যাবশাক হইয়াতে সামগু किल् वश्यमा नार किन्तु आयां विमाश्र अ (एएम प्राम जड़नेव निभारतिक न मामगुरे घड़ न्यर्क नागाद्दन। किमिरिक विजानन মিডি ৷

लग्न (भाषा) रिवास ।

नवि विज्ञानिक विश्लम् । ड्यानी

जांगि अगंदन जांमिग्रांतिः ज्यसि पेजांति कार्यार्थिय ज्यान ज्यान प्रमिष्ट पार्थिय रा यशनामि यार्यादाद निर्धित्वन । यथान হার স্মাতার সমন্ত সাহাৎ হইলে मिरामाट भराग रागेक इंग्लेंक उनाए जाताभि इग् मोरे वित्य योप्सक नेत्स्त् यहवा इहैरहरू जिहार विलिध (प इप् नक्कांठ निधियः। वंहेक्सन वाम उत्नय माह्य जगर ब्रांश ठलिलित आंग्रांत माँहत प्रय क्रांक्षां जिल १व०. खांग्रांक किश्यां जिल्ल यिष (कांन कींग्र) एयं उरव कृषि जायांत अधि धोरित भोतिया याचा उ उद्गाह

स्रीकंड जिलाय गणन मोछा॰ कविरन इय ने किंग्र निधित अहे स्हरन अधारत थ रकांत नुरग्जित नांहे यपि अरलय उ जांशांदल मांड लहेश पान उदव जावला कांउ कांत्र निधिनाय। (कांन विषय जा भरवर निणियोजित्न डांरा नेगातन कितिएक निरं निरं निरं निरं निरं कित उ पेरियोजि इस्प्रिड इहेटलहे भीच प म जना ठिछिउ न हिरदन। थाउँ (डा यात्कांत न्यान (कांन स्रात जारणन अशंत कनाति विवर्हत (क्नि स्रित इहेग्रेट कि तां प्रति देख्या ना हहेग्री उत् अरू म्रांत निरीण किर्या ज भगार्वात निणियन जानिन्दा हिर्गियम निशित स्योठीत विपित्र इहेया नगान वार्यामत्नव पांहर मार्वा कविरउ छ । हो है। जा के कि कि कि कि कि कि कि कि कि कि

इरेटवक जाउन्नव जोडांत्रपिशिक जोकांरेग्रे 'কৃছিবেন বিবাহের বৈ্চা করিয়া আয়াকে म्यार्वात (लालान उरव जांगि होकांत्र मुर्गिर्श थिकिय। जात् (अंग्रांद्रिशित् जिस्कांद्रित् कत् कि नेर्गात नेपान रहेन कड जारनेका उद्दिश विरमं निधियो २४० पुंजा रमिं ए पेर्गां उ ক্রিত্তে পারহ তাহাতে ক্রাচ ওরাদ্য ক্রিতা ना उद्धार पृष्टे ठाति गाउ दिका वाग्र र्य আমাকে লিখিবা আমি তাছার স্যোগ করিয়া পাঠাইব কোন বিষয় ভাবনা করিবা না ইশ্বের ণ্ডুল অবশা করিবেন। আগার এক জন চাক্র আবশাক হইয়াচে তাহা এথান হইতে (एस) करिया नार्वाहरा विनम्ब कार्यास्य ह्य २४० जनमना इय (४उन पृष्टे धांका कतिया तिव जांव जान वस्त नाहरवक न्रवर ভোঁমার চাকর যে জিল মে অতি ভাল डाहांक (ठक्का भारेश मिरा हाहिता उत्त

বড় ভাল নতুবা আর এক জনকে বিবেচনা করিয়া অতি শীঘু পাঠাইবা এখানে তৃত্যা অভাবে বড় ব্যায়োহ হইতেছে। অধিক কি

ाउँ प्रिपेनिक लगुरक ।

পুতিপাল্যমা পর্ম শুভাশনিবেদনশ্ব বিশেষঃ। মহাপায়ের হির রাজলক্ষ্মী মতত কামন্যাত্র নিবৃতি পর্ণ।

চিরদিবসান্তরে মহাশঘের আজা পরী পাইয়া সকল সমাচার অবগত হইলাম। এবংসর পদার জল বৃদ্ধি হইয়া ও অঞ্চল ভুবিয়া গিয়াতে কদাচিত কোন গুলম এক

SOME

And the last of the first of the last of t

जांप्रणांन बांही वृक्तां नाहेगांक अपरानंति उने याज रहेग्रांका हेरांख स्कांज कदितन कि इडेरवक नवांत स्वर्ज न प्रमा परियोक्त करं। यांग कि अ अवल रिटी आंनर नेत्र्रा শুনিতেতি মহাশয়ের অধিকারের এক গাম त्रमाउन शंउ इध्योटक २ खाउगां कियां तिउां उपार्व जिल्लामात देशं विष्य निणियो मत्मर छिप केविए जोजो रहेत्वर। আশনকার অধিকারের এক প্রার কন্যার মহিত আমার এক পুজা মভারায় নায়ে ভাহার विवारहत समुन्त इहेग्रां जिल २४० ि ने विन क्षेत्रां नेतांकरत् विद्यां जिल नेरत् जानेत्रकात् जितिकारत्त्र नुजा प्राधंडा क्रिया स्तांत्रत् ममुक्त रेव्णं करियांक जान यहिन छोरा जनाथा कविहा चानाज मस्या करत उरव পশ্চাত বড় মন্দ হটবেক অভাগ্ৰ আগন कांत अधिकारित नेजा छोड़ारक छोजाडेग्रा

किशियन अग्रज नां करत उत्त चित्र कथा পরিপ্র না করে পরে আমার প্রাা একথা इंडिंग नेगांत नेकाण कित्रियक ने नेगांत किल् ভাৰ ছইবে না অত্যৱ ঘাহাতে ভাল হয় करिएतन जांदर समाठांव नक्कांड निधिव। দিনাজপরের রাজম কোন পর্যাত্ত হন্তাগিত হইয়াতে এবং দে গাম মূশামিত কি মউ হট্যাতে তাহার বিশেষ তানিয়া লিমিবেন। আমার অধিকার এবৎসর মুদ্রে কণ न्धित हम ताहे (म जना मक्ट्रिंग विद्यित नुंजा (लास्क जागानि न्नारं करत नांद्र अव०-গত বৎসরের রাজনা বকি আচে তাহা प्य नारे अथनकांत्र (य नुकांत्र विठांत इरे ग्रांक अक होका कि इरेल निर्म रहेड र्ग (म मकन पांग नेजा (नारक किल्रे জানিতে পারে না জানাইতে ও কৌশল নাই

न्यान (प विठांत रहेगांक उर्शंट कार्ट वड़ नाई व्राज्यंत 'यह नीउ यद्गित उरिधर उउत्र कियाउ छप् इरेड भारत उर्श डांबिल अ उनाग् नार्ट (म (प रडक नागान रहेरउ नक জন ভত্র লোক আপনকার নিকট ঘাইতেচেন विलाम कांचांत कथा जांक (अशंत महिज আলাপ হইলেই যে পুকার লোক আনিতে পারিবেন পরে ঞৈহার সহিত কার্যের কথা विरित्ता न्वर्क किश्यन अल्लांक इरेल কোন ভাষনা নাই নতুষা ফিভি হইতে পারি (वक किनु देनि निउन्त विणिए छेड़ अस्तिन বটে তাহা আগ্রি ডোলি ঞেছার সহিত কেবল अहे न्या माक्कांड काउव माववीन न्ववंस যাহা বক্তব্য বিবেচনায় আইনে তাহাই ক্ছিবেন সহসা কিলু ক্ছিবেন না বাধীর सम्धित मर्याठांत लिशिरवन। डेडि।

ওক প্তিপালক ওককে।

भिक्षेत्र श्रीपुउ अमुक्र त्रंग्रहोतूती महाणम् नेत्रम कलानिद्दम्

কালিকেন গত হইন প্রায়ত অম্কের বালিতে মহাভার্থ পুনার সভাতে জবন বিবাল পুনাকরিয়াতিলেন দে সময় নিরাপ কাশ কমে বাহলা মডেনিবেদন করিতে পারি নাই নামন দেই বিবরল লেখা ঘাইতেজে অববীন করিবেন ত্রেণ ঘুণে ফেল্রিয় কুলে সূর্যাবং শতাত তালজন্ব হাহা হুহু পুভৃতি কনক জন রাজা বুহ্মার পুল বলিদ্ধ মহা মানির সহিত কন্মল করিয়া শান ভয় পুনুক্ত পানায়ন করিয়া আতি দূর বেশ পনিক্র সম্যু তীরে ঘাইয়া বদতি করিল চিরকান এই মতে তি হয় তাহারদের সন্তানোর

STATES OF THE PROPERTY OF THE

उग्रंड निर्देश रहेए नीर्त नी केंग्रेसीन नर्त सांत्र म्रान ज्यल कित्र ए एमरे स्रान अन मिउ रहेग्रे (मराधन स्कृति व०-णीग् क्राउलि लांक मना रहेगां वमिंड कविरद्धां शिवद जाराग्रस्त जाशिक महाकृत इडेल डेडांएड सांत्र विख्यातानेन रहेतां वारिन जानितन त्य देशंत्र जिन्जिल्ले होंद्रो इहत मतान दिनिक्षं मोन उत्त उछंडारव अभारत दम्डि করিতেলে তিনি তাছার্দিগিকে আপাদ ক্রিয়া ক্ছিলেন ভয় ক্রিও না আমি নার্দ বুশিশু লছি ইহাতে তাহায়া নার্দকে অত कांत्व शौन्रव इंड्र मिल्श्रांत्र वमांदेशं मिर्गार्ग होर्गा पड़ा करिया क्रांड्रिन इरेग्। निरात्न करिन पुरक्ष जांगात्रिरीव कि अनाग् नवर् नेकाम्बा रिलिस भाने जगरज (रणं छछ इहिंग भी म्हित रमिंड करियां रतन जांगरां २ (महे याज जांकि हेर्। इहेर्ड

কি কণে ত্রাল পাইতে পারি তাহার আছো. • इंडल। नांत्रप कृष्टिएतन खेन विनिधं ग्रश्रिष उांश्त रहांने इहेरउ न तमा थांकिए कपांठ युक्त रहेरउ मोरियां ना किन्दु अमीग् जारित कत्रित प्रतिल र्य। उर्शता विनन অপনি যে ক্রপ আজা করিবেন আম্রা তাহাই করিব। নার্দ কহিলেন তবে বিবিদ্য আঁচরল কর্ছ আচার ও ব্যবহারের বিপর্যায় अगठ काक नेकाम कवित्न उत्व वृक्तभाष किष् कतिएउ भेदिए ना उपात्रिशित मतारनत्पिशटक अश्वां नःत्रपानरपरण (महे यउ कतिन नेव० उर्शित्रात् वृक्तियान (लोक দেই ব্যবহার মত এক শাস্তা ও প্রশেশ করিল সেই হটুল তরন শাস্ত্র তাত্রত তাল জন্ত হাহ! হত্র দল্পনেরাই জবন দেই जींडिए ग्रहांबीत कोन्डबन डमुक (प कुछ हि॰ मां छ गुरुक्त वांजांव (कांने एए) जमा

A CAME TO COME A COME A

इहेल (म विदिव्य अ (लगा) घांडेएडएक उत द्यान कविरवन। द्यानेव प्रा श्रीटिष्ट्र क॰ भ विशाथ रेववकी शाई फावडांव इहेग् रू॰ नारक ষ্ঠ করিলেন রাজা জুরামিন্দ্র কণ্শের শ্বশ্বর क्ला ग्रा सुतिल (घ क्ष क्ट्र ने वरी क्रि ग्रांटित होही न्वल यांत्र यहां (क्वीनित हहेग्रां নিজ দেনা এব০ অন্তর্গ রাজাগনকে মন্ত্র यान कृतियां कृष्ठ प्रयनाथ रथ्वा शयन कृतिल डेडि यादी। जुरोमिना मणा काज्यन ভাপন মৈল্য দমেও অপুপামী হইয়া মুমুরা म्रो (वस्रत कविल अशुस्मन मृज्डि गर्भ গোবে সমজ হট্যা ড'হার সহিত ঘোরতর ম্ফা ক্রিলেন জবন অতি বনবান ওগ্নেনা দি তাহার হানে পরান্ত হইলে ক্ষ ভাবি (लन अप्रेख कलिज्यत जांशांत वरी। नर्ह অउ व प्रशंत असरत हेशांत नांनं कति।उ इरेटव देशं दिखानां कवियां कृष्ण वनवाम

पृष्टे डांरे डरियुत पाठीरतत डनेत डिरिल्स कांनजरन डांशं (प्रणिय़ं) यत्तर् व्यान हेहांवा जाएट नानाए पह रवना दित हेहां विररठनां कवियां पृष्टे जनरक विविरं (शन क्ष वलताम न्राहीत रहेरउ उन्मान कित्रा पुउ (वर्शांद्र भनायन कवि त्लन कोनजवन उग्रहा (त्रात नेम्हीं जिल्ला ने क्रिके जिल्ला ने क्रिके নানা যান ভুমল করিতেং কৃষ্ণ বিবেচনা कतिरानन भरवर् उतिकाम्द्रिक पृष्क (पत প্ৰ প্ৰাণ্ডৰ হট্য়া রাজা মৃচকল্পকে মৃদ্ধার্থ মেনা বিত করিয়াচিলেন রাজা মৃচকল্প মহা वन नव्रांक्य हिव्कानीविश जाम्ब महिड युक्त क्रिय़ी (प्रवर्श क्रिशित मार्श्या क्रिन हेहां उ दुस्ता उ हि। तक पुरु हहेगा व तक ति ঘত্রান হইলে মে কহিল পিতাগ্রহ আগ্রি চিরকাণাবধি অনিদ্রিত আজি ব্যাণক কাল निम् याद्देव देशांख (य निम् । इन क्रित्व (म

जांगांत एसि गांदारे छमा रहेर्व १४०, १४६ तिज्य स्न आयारक (पर (महे स्नान पहिंग्नी णग्न किंद्र रक्ता विललन उथास क्या हिया लग् नवरंउ छहा यादी। याहेग्रा भग्न कर्ड এव० (मर्मिन्यांट जांद्य जांद्य वार्य न प्राधित निर्ने उन करिएउ र दिक भेरे मित क्रियां पूरे जांरे यांरेयां श्यांन एयंत (अरे पेरां পুবেশ করিয়া অন্তর্ব্যান হইলেন কালতবন उ (महे एहां नेरवमं कृषियां (एएए नक जन न्कम भंगत्न जोरू ग्रहां (क्रिन रिन्न जोर्व वाविस अथत रुज्ञ मांख हरेग्रा निप्रांख यन प्रियोक्त नेक्क्षं-वर्डी यस जांक जांक जांक ता देश विनिया उद्याव वक्त मृत्यु ज मप्राचां क विल वांजा ग्रहक्का नेप्राचार जिल्ला डम रहेए। पृष्टि कहिता यांज कानज्यन उन्म ज्ञानि इहेन अहे पुरुषित कानजदन सम् इहेन এই শাংম্বাক্ত जवन विग्रुल जांनिरवन। हेरि।

एक ने जिने लाक नर्रक।

অনন্যতিক শোলাদা পর্য শুভাশনিবে
দনক বিশেষঃ মহাশ্যের অতুলোন্ত
রাজনন্দ্রী নিয়ত পুথনিয়া অনু নির্তি পরে।
আজিতুরীবিকের হাত মহাশ্যের অনুগুরু
পত্র পহিষ্যা দকন দমান্তার অবগত হইলাম
যেই বিষয় নিমিয়াজেন দে দকলি আমি
ভালিখনে দাবরীন করিভেন্তি এবং ঘাহা
অপেকা আলে তাহাও করিব তাহার তুলী এ
দারজন দিয়া কলাত হইতে পারিবে না এ
দানে আমার্দিণোর দহায়ের মধ্যে কেবল
দেন দেওয়ান মহাশ্য তাহারি নিকট
ঘাতায়াত করিয়া দাব্রা এ হার্য ও আহাদ

त्य अंकांत्र जांशांट नृत्यांट नीति न विषयां अप्राच्या जाति नीप्र इर्थि अ निधिय जाति वार्यकर्मन वार्याच् मेहिए इहेरव ना कांड . कांत्रन निर्वापन निश्चिमा । ज्या पिरम চারি লাঁচ হইল জাতত মাহানমরায় মহা শুয়ের সহিত মান্ধাত করিতে গিয়ারিলাম ড়াছাতে ডাছার বিন্তারিত অনুগৃহ বুরালাম ग्रहानिए। व वाही व स्माठां व प्रारक जिजामा करिल्त उष् मयस यक्त निराप्त कतिलाग उर्शिष्ठ वज् जाग्रिष्ठ रहेरलन विश्लंघउ। यहांलाख्य (लगानेज्यंत कथा नुबाल प्रश्नां एवं नीय कित्यां कि शिलन जिति जातक पिरम । जशल जारिमन त्र-अत जित्नक रहेन खाउँ द्वांप नाशावन राज्य यांक् मोर्काल आंजियां जित्नन प्रांश्ंख अ खांयांत्र महिख मास्रांख इग् नाई उभन उनि जिउतांनक अभन अ

पेकांत कुर्णल इहेग़ां रहत (नागां पदांत अनिया लक्ष नांडव - जार्मादिउ रहेनांग सर्व . तिश्रमत्मर रहेलन ठम् प्रत्य रहेल আর অধিক হইবেক তিনি আমার বন্ধু পুণ্ তাহাকে আগার আশ্বিবাদ কহিবা ইহা খলিয়া আগ্রাকে বিদায় করিয়া তবে অনাং नेवीनर यनिरालवं महिउ जानान महाम করিতে লাগিলেন তাহার দুহে বাৎ-সলা ग्रहां लिख्त पुंठ विख्त अव० कथावां वा ङिशिक्ट्य अयु जानाई लिन उ-कालीन মহাশ্যের একবার ডাছার সহিত মান্ধাত করিয়া আনন্দের বাহলা করেন অবধান প্ৰবক্ত বিহিত আজা হইবেক। প্ৰায়ত छवानी ने केत वस्त ग्रहानग् अक (यांच्र कें। वि जीव अक्रांन होति भड़्य अक्रांड अहे क्य पुता यश्रांद्र स्रात ठाहिया निष्टियां फिल ভাহার মাতার নিমিত্ত সাধীবন্দ্র দুইথান

তাহারদিগোর বানিক বন্দাদি এ বংসর , रुखि पीठीत नाहे (म कथा उठ'क्त्र यांडा भेकारां सहरता है हैं। य विहित जो जो इद्देश अाउ रम्डाग्रं विवाहत विष्य गांहा लिगिग्रांटिन उद्दित दिसा गरांनिक করিব তাহার ত্রি হইবেক না কিন্তু ভদ্য जर केल्एत्हा पाश्र ह्य पृष्ट अक याध्यत शदी तिरवपन निधिव किनु द्रांग् वामारनत् অনেক আবশাক তাহা মহাশ্র যদি अभीकात करदन उरव ममुना हित उता कविद्यां जिएक भी व चित् वावि वावि वामानव मार्गाव इक्षे करवन जाव न विषय नेहिक ल स्विज द्राणिएतन वर्षा नृजांट आव्ड इर्धम्मत् ঘটকরাজ এথানে আদিবেন এমত কলু आंटर जिनि जाहित्न डांहारक ग्रीवर्जी कवियां भ विचय (ठस्र) भाउया घांद्रेरक मत्ने जिया जान जान बांग्ल वांग्र न्या। उ

स्तिलोग्र ४एव जरुएनव इनेनिश्न मक्ल অধিकारित भीमा निधिय जरानत्रिशित কহিত বিষাৰ আৰু করিয়াচেন এবং-टाइन्त्रित्र क्किनिविधं घठर त्राज्रीन আত্যেন ভাছার্দিগের নিস্কট ও পত্র ঘাইতেতে व्याप प्रदेश (इ.१६) र ए र र शिक्ष व्याप्तिन जिल्ला प्रमा करिएवन अग्र (लगानिज्ञ) মহাপয়ের নিগের এখানে ও আদিবার विषय जोउ कांवल निरमत निधिनांग তাহার যে পরাম্ম সং হয় তাহার বৈ্যা ক্রিয়া রাগিবেন প্রাত্ত ব্নাবনচন্দ্র (लाक अक्जन कला तांजि जान्छिलं रहेगांटि कार्यां होता प्रियो किरा कर्राट स् जन्मकान कविया नाहरउरक ना नागात वांजा नवांछ ३ कथा विषिठ इहेवां वांजाजा वह इहेग्रांक उन्हांक (घ दिव्यां पिछ नात्व मिने द्वि देन जाकतः भाष्ट्रित जांत् तांज

प्रमाप पोर्टि धिनि विविध्य भंक नरहन जिनि जनमक्ति किर्गा मर्गाठीत पिरवत देशे नी केंद्रियां यपि दाजपुर मि (लोकरक देरियां जातित उत्व (य जिश्विकांत्व अव॰, (य श्रांत्य उहिरिक निर्देश म अधिकाती अ (म श्रीय यां मी लांक वांजपणी इहेरतन अहे वनवपांजा धिप (नांटकंत अ उपकृत्न मर्थात हरेता धौरक जन्मस्तान विश्व दुत्रम्ति उत्र भीरा वामी (लाकरक उँ माववीन क विद्या पिरवन कांग्र द्विएउ मोति (ए मेकांत्र जाको 1 লোকের নিমিত্ত কত সজন লোকের স্বর্নাল স্থা বা ইহার অনুেষ্ধে রাজদ্ত মহাশ্রের पिरिशेत अक्राल जाता है पाहरत आंतर (क्रांल . विष्युए जार्ता नांडे मयखरे ग्रीन रेडां भरत भेजार निर्यान बिजि।

निया नेपारक प्रवल्न नेपा जुना मामस्य । न्नरः

ल्वां ने जिय छात्र छात्र ने वस कना ने वरक्ष

চিরকালগতে এথানফার স্মাচার প্রদারা ভাত হইলাম রঘনাথের আত্মবিস্মৃতি কারল লিথিতে লিথিয়াছিলা তাহার বিশেষ লিথিতেছি অবগত হইবা প্রবিকালে সভাযুগে সূর্যার০ শীয় রাজা অমুরীশ নামে মহা পুলাবান দাভা সভাবাদী পর্ম বৈষ্ণব ছিলেন আপনি লক্ষ্মী তাহার কন্যা হইয়া জন্মিয়াছিলেন তাহার নাম প্রমতী প্রমনুক্রী পদ্মিনী কন্যা তাহার কপের শৃতিযোগিতা পৃথিবীতে কাহার সহিত ছিল লা রাজা অতিথি ভক্ত বড় পৃতি দিবস ঘত

जाउंशि जाहिरमन विभिक्षे करने मकल्त्र সেবা করেল ব্রাক্তন অতিয়ির পর ব্রাল लियं जन भावती जानिया पत्न अहे मत्त कड क्षान राउ इस मक्षियम नाश्वर अववर्ष पृष्टे शमि जमुत्रीण त्रांजात् वाहीरउ जाजिय इन्टेल राजा यहां जायां ए जायां पिड इरेग्र डाइरिक्तितरक जाडाधिना क्रिया ठवल वस्तां कवियां मि॰-शंमन पिलन वीयशे जान जानियां मुनिविष्टितं हव्ने रिवेड क्षिटिएउएलन मेरे सागग कता व स्थार्थ स्थार्थ स्यांत्नांकन कविया यूनिवा पूरे जातारे यूपना भक्त बहुता हुद्दा क्वित्तन में क्वारिक विवर्ष कति ग्रहां शिच नां प्रग्रानः चित्रनां कित् (लन छोणि ने लग्जे युक्तांत म'कांड नि प्र कत्यां प्रांता निविजानी चरेशोजिर नान न वनाःक प्रणियो उलंक रहेनाय जांग निर्वाण्य द्रोद्या व कार्रास्क दिरोह हरिएउ

ছ্টবেক ইহাতে আমার দিয়্য ভম জন্য ग्रहा भान उ स्थितं भवतं ग्रांन उ यातर अहे या विद्वहनः कृति त्नत । अहे ভারনাতে দুই তানে সমসত রাত্রি ঘাননা कतिए। प्रेंड भूरनत पंत्र ताजात सिक्हे अने नीउ शहेलान न्थाय नां इप स्नि संजारक ডাকিয়া নিজ্বনেতে কহিলেন শ্বন মহারাজ पास्तारे जांनर जांगिमांत्जांनी (प्रथिष এইয়ারে তোমার কন্যাকে দেখিয়া আমার দার্গ্রন ইন্না হইল্ডোগ্র ক্লাকেই বিবাহ করিব তুমি ডাহার অয়োজন করহ। ইহার পশ্চাত পর্বতমূলি ও তথায় ঘাইয়া নাইদের দাফাৎ হাজাকে কহিলেন মহারাজ ল্বের আমি লল করিয়াজি ভোমার শ্রামতী নামা কনাতে বিবাহ করিয় ওনিমিত্ত আগ য়ন, করিয়ালি বিবাহের ওম্রোগ করহ। রাজা

अक्था खेत्या विमार्गित कहिल्लत ठीक्व তাম'র এক কন্যা প্রামণ্ডী তাহার তাভিলাদি আধনারা দুই জন কেছ সামানা নহ আমি কাছাকে পুদান করিব এক জন কোঠ করি (लहे वृक्षी नांहे वांजा हेरा वलिया (धोनांव लम्बी इद्देशन। नेरह स्निद्रां क्षिलिन स्क्रांज हेहात अक विरयनना जारक यामडीरक सम स्वा कवां उधांत पाशांक हेहा रहेरद তাহাকে বর্ল করিবেন ইছাতে তুমি আঁমার দিগের কাছার কাতে তাপরাধি হইতা না পরে विनि गाउ (महेरत्भीत नीन्राक मान कविया। द्रांजा खालग्रा कहिलन (प जांजा उरव जन নার্ণ জল্য ভাগেমন করিবেন যে ভাজা क्तिलन हेश्हे इहेर्वक ग्निद्रे दिललन उधाण्या निर्ध द्रिट्र नेत्म्त कहश्कर्रल रियाउनां कतिराउराजन आंग्रां मुहे जन श्रीम खना कि रग्ना नो जोनि नोद्रम दिस्सनो क्रिएन

চেন আমার নাম কিজু ব্যাপ্তবটে কিলু প্রতি इंदेर उरग्राधिक अवन क्रमां नेवटंड प्रां এव या यो ला कित पुष्टा स्वारी ह क्रभेकाञ्च प्राचेत विरवहना ने क्रिके करत । इस्थि द्यां यांग्र कपाष्टि नंदर्खरक ত্যাগ করিয়া আঁমাকে বর্ণ করে ততঃব इङ्ग्रि अक्षी अनीय कतिए इहेरबक नहत विष् (नारक अने स्उ रहेग्रां नांतांग्रन महिल আলাপ নাড্রাঘ কডেফল ছটল ভদন্তরে নিবেদন করিলেন প্রো আমি দার্তাগী তাহা অরগত আতেন হিন্দু রাজা অমুরীদের ফন্যা পায়তীর মুখ দশন করিয়া মোহিত আর (नेच्यांतनस्न इहेट्ड नांद्र नां आग्रि तिच्य डत इहेलांग (महे क्नां विवाह कविव भाउ বাদনা হইয়াতে এব০- পাৰ্বত মুনি ও मिह्य जायता पृष्टे जन कला (म स्रांत याद्व व्याजाव नेन कना। (महिवित याद्यांस

वत्न कविरवक डार्शक महमान कविरवक। তাহাতে আমি বিবেচনা করিয়ালি পবর্বত गुरां नव कनेरांन जागि दुषां नव कु मिछ অত এব আমাকে কদাচিত বর্ণ করে ওপায় ব্যত্তিরেক ইঞ্জ সিদ্ধ ইইতে ভার আজা क्यन कना (यन कला नेवर उत् म्या (प्राय वांनद्वत म्हारात नांग्र विष्टू विन्तिन उथांन्ड नें रहिता होता याद्वापकरम नुम्न করিলেন। পবর্ত বিবৈচনা করিতেতেনে রাজার অন্যতি আয়র্গ ফল্য পুডিঃকালে সে ম্পনে ঘাইব তাহাতে কি হবে নার্দ মহাত্রণ আমি তাহার শতাংশের তুল্য নছি তাহাকে তাগে क्रियां जांगांटक (कांन धंटल वड़ल करिएवेक खड़ २व हेर् इ डिनांच नांत्रांचल विना (प्रिय ना । এইয়ত ভাবিতেজিলেন তথান নার্দ ছির্মা ঘান প্ৰব্ত কছিলেন নাৰ্দ ত্যি এই মানে ক্লবা কাল ডিম্ব আমার একটো নিবেদন অপেক্লা

जारत डांहांत न्युल कित्रा जामि। विदंख उ (महे ग्रड पुंज्र मास्रांड इहेग्रा मग्रम्ड. निरित्रत कतिरन प्राचा अहर ये इहिएए ইহাতে ওপায় কেবল আপনি আজা ককল कना (पन रूना। नांत्राप्त ग्राथ (प्राथ डल्लाक्त शूटभाव नांगा विक्षु विनित्नत उथान्त । এই মতে দুই জন মে দিবসগত করিয়া नंत्रित न्रांउश्काल नांउश्मानां मियानेत করিয়া শুক্লবন্দ্র পরিবাদ করিলেন গগা মৃতিকার তিলক করিলেন শুদ্ধাচারী ওতারীয় वस्य यादी। क्र निविधं क्रियां शंज न्द्रीरड यांद्रेयां अने स्कृ इहेल वाजां कनारक व्यानक्षांवापि इधिजा कविद्या ठउएमाना (वाहर्भ म्नि वांरजवरम्य मन्याग अविम्उ कहिल्त कता। (एएए)क जत उन्न क जांत তান বানর। কনা ইহার কিজু বিবেচনা করিয়া नेति नां जीविर्ज नां शिलन निजा कहिरलन

নার্দ মুনি আরু প্রত্ত মুনির আগমন इड्गारित इड्रांवर (कट्टर, वाहायर (अर्गार्स (शंलिन हेर्। जाविया मुक्ज रहेया प्राथिहिल मकल (मराग भंना रहेरउ अक जन षिञ्ज র্থারেশহে বাঘু গড়িতে আদিয়া ফন্যার হস্ত रीत्र कित्रा निया चूनवर्गत अस्ति शिष्ठ कित्ल এব০, ব্যাক্ত কাভাতে হাহাকার শালু হইল नावप म्नि अ नेवर्य भूति महाकारी नुष लिउ इहेग्रे ट्रिज्यान स्रांत जान्यन करिएरी रैवक्ष्य घांडेया नावाय्रतव मास्तं जान पिन कहिल पुंडि। सन ड्यार्ग राप्त अहर গতিক হট্য়াচে কোন হেটা জামারদের মুমত মনস্থাপ দিল ইহা আরু কাহার সাব্য হয় नारे (एउउ। (विधेवारे कविवां कि किवा विरण्ध जातिए पोत्नाध ना जान अहे ক্তিভিডি ঘদি আঁঘরা বুক্লেপ হই তবে যে (मरजा हेश कित्रांद्य (म नत्रांति जांछ

হওক এব° দেয়ত রাক্ষম বৃত্তি করিল তাহার দ্বী রাক্ষমে হরল করিবে দেন আরো বিন্দৃতি হইয়া দ্যিবীতে জন্ম লণ্ডক। অভি মন্নাত শুনিয়া বিল্ কহিলেন এ কি ক্মা করিলা অমুরীশের কন্যা প্রায়তী লক্ষ্মী অবতার হইয়া চিলেন তাহাকে আমি আনিয়াচি অতএব এখন কি হইবেক। নার্দ কহিলেন তবে কেন আনিনি দ্বের্য কহিলা না ঘাহা হওক আমারদের শান অন্যথা হইবে না তোমার আবশাক আচে রাম কণে আরু বিন্দৃতি হইয়া রাজা দশর্থের গুছে তন্য লইবার তাহার বিবরল বাল্মক রামায়নে বাংলা আচে আবশাক হয় দৃষ্টি করিবা। ইতি।—

धक निज्नांलक लगुरक।

ভাননাগতিক পোষনীয়ন্দ্য প্রথা প্রভাগ শিঘাৎ রাশায়ঃ মান্ত নিরেদনই বিশেষঃ।

মহালিয়ের পিল্ল পাইয়া সমাচার অবগত হইলার যে বিষয় লিমিয়াকেন তাহা

বিষয়তি নাছি একার কেন্দ্রায় আজি স্কুমাস্ট্রা হইলেই সমাচার লিমিব সে জন্য ভারিত নহিবেন। আরুত রাজা মহালায় অদ্যা পার্চ নিয়ের পুনার বাস্তে করিতেকেন তাহার লিমির পুনার বাস্তে করিতেকেন তাহার কিবের হৈন্য করিতে পারি নাই মহালায়ের ফানে যে কএক চীকা পাইনা আজে তাহা যদি এইফানে দিতে পারেন তাবে অথফা ভানির হয় কিন্দ্রা বাদিতু মহাপায় রাজা মহালায়ের মহালায়েক বিয়ো ক্রান্তে পারেন তাবে অথফা মহালায়েক বিয়ো রামিতে পারেন তাবে বিয়ো মহালায়েক বিয়ো রামিতে পারেন তাবে বিয়ো

वधान ना जिल्ला इरेटज नीएवं उर्शनहिल लंजनेक वंश हिए यहार पिरड हो जाउने जारित भेररिक विश्वि जांका इरेराक ! ग्रहानेद्यंत देववाहिक (भागकनादात नाम् मनदारीक इहेगालन जारांत प्रश्नात्र प्रिटिश्व पूरे ः क कत (लांक भूजिभानत रहेरवर जायांत्र प्रात्तेत् जान्य यान त्यम्। निंह न उप्त मुनिनिक्ष । प्राहित्त जिति लिया नेक्ष विष्णु आधाना नाहन यति जानारीय नेवर्यक जाशारक शिवकन्त निर्वात उत्य जांयां द्वितिशत ज्यापान्यन विखातिक अनेकांव एवं काशिक कि निर्वात निधिव। नुजिनान्तव जीव जारपानिन्द घोटाए ने जिना वहें अंह। कित्रितन जागांत्र - पिटारा यांडीव मक्दन अधन (क्ट्री कार्याव छोश्त विर्णंग किलारे जानक मियमांविष

जानिए नांव नांचे अधाव विश्व निभार जाजा इरावक जानेनकांत्र अपरण अक्षे विज्ञित रहेग्राज्ल उद्यं अधन कि नुकःव इहेग्रांक अंश जांड नांह गपि हा नेन् (कान क्ट उ च्रांत शिय़ थार्कत उख मग्रांठांव लिशिरतन अशांन इष्टे. छ. डांक् निशिष्ठ जीत्रूना लिनि कित्रा निर्वाहेव उरव जांव (कान ४८ माउ रहेरड मीज़िर ना मुखा ल्लांक (कानकरम पृश्य ना नाम महून थांदक अगड किथा कांग्रान कहिरदन मण्नु उ ए हिरोक्ती ्रें अंत्र सम्म जाउ स स्केट इहेन उद्देश বাণ্যবাদনের দ্বাভিত এগান ছইতে কিজ इहाउ लाएत अग्रज मान्जा नाहे वाधिक यस्याप्ति । ना इचेल अ निउन्ति (क्लोडिव বিষয় ঘদিত মহাশ্য কিচা কুমার অপ্লিকার कररं न उरव (क्षेत्र यउ पेक्रोरंड जन विल्'नेज एए उग्ने इग्न २४० विशिष्ट गांहे न जुवी २०११ एन

তেই নবার পুতা দেখিব। শ্রীযুত গমিবির বারু
নক পর লি থিয়াজেন জোট দাদা মহালায়কে
তাহাতে লিথিয়াজেন আমারদিগের বাটাতে
শ্রীমার কঠাম হইয়াজে কেবল নথানকার
অব্যবদায়তে তাহাতে আমার অব্যবদায়
কেবল মহালায় আর কাহাকে কথন ভার
গৃদ করি নাই নবং করিতে বাদনাও লাই
অত্যব ঘাহাতে লক্ষা না পাই নমত আজা
হইবেক আমার লজা হইলে মহালায়ের
ঘথেয়া মহিমার হানি। কিমবিকং নিবেদন
মিতি।

मग्रांन रहांशिक मग्रांनरक।

ন্যকারা নিবেদনক বিশেষ

যার নাদি সতত কামনীয় তাহাতে অক্রানক

পর্০।

পত্ৰ পাইয়া সকল সমাধ্যক কিটিত হইলাঁঘ संजन्मांह हरेगे जिन शांध्ययं द्वं रम्बंशंड इरेग्रांटल कृतांग ठालांस इरेटबर रेशाउ जाङ्गापिउ रहेनाय। जाप्तनस्य स्थित ष्ट्रांश्य जांग्रां क्रिशिव नाया ए छ्रांबि इहेदां जिल उर्शंत ४ उत् प्रिय इहेर्यक डांशांड वह यड निशियां पिरदम न्यवं व স্থামি আমার দিগৈর প্তার শাসিত চিল भरत त॰ मत क्यक भिष्ठ इहेग्रां जिल हे जि ग्रावा पत्राप्त व्लिग्नेर्व प्रांत्रं (म.ह প্রমিয় বন কালিতে পুরন্ত হইলে আমার जिरिशव (स्म कर्माठोदी (लोक वांदी इहेवां उंहांत पिरोट्स बांत्र कित्योक्तिल (म मकन (लोक क्वियान्द्र नात्यद्र निक्षे यार्या निरम्न किंत्र नीराय नक जन क्यांटारी नेशिष्ट्यां किएलन क्यांठांदी उ जायांत्रितात कमांठांद्री पुडे जन अक्त रहेगा मिहे विशिष्ठ पारिया पूरे

अधिकारित न्योन न्योन न्या च्रात्तव (ए मक्न लाक अ च्राः प्रवर्ष (टांड ক্রিয়া জিল মে সকল লোক আনাইয়া ভাত इडेन डाइरिन मकरनरे कहिन अ चिमि देनिए। পুরের নহে। আ্যারদের অধিকার পর্গাল কাহাপরের শন্ধির পুর পুর প্রামের ইহাতে বাধ্রির कमार्गित निवस इहेवा कहिएलक नुजा (निर्वह वन क्रिटिंड विम्इवं भेव्रभूग क्रिय्रिक्ट 13° वाम् वामन जानक इहेप्रांक 1हे मक्न पुजात (जांड धोरक नांठ वध्यत कत मंतात कथा करा शियां जिन उधारां आ रूथा मित ताशिया । इसि हेशतिहिरास लिंड किंदिड (२३ ३ कथां जोगांइपिशिंद क्याठांशे मिलांत क विदा कहिन डान (जांड করিতে দিব কিন্তু লেগাপড়া করিয়া आंग्रांटक मिश्रक जांशां के विल्यान्द्रत ल्याजांदी कहिल्लक नेश्वक लहेगां लिथियां

কিন্তু প্তারণ আমার প্রথ विभिन्न क वृत्री नेरव निशिय्री पिरवक् । अहे কথা হট্য়া সময়ন্ত ওপিয়া আইল পারে সে अकल नुजात गात कत्रसीकात निनिष्ठाहित पितर अहे कथा वरन निधिया प्रयंता अहे श्रु अक यद मद शंउ इडेल उथांठ नेष्ठुक लडेग़ां करमोकांत्र निनि (एए ना नेत रूपमत नेपुक नदेशं करमीकांद्र निनिना प्रिया च्या जांड क्त्रंड शिल (म मक्ल नुजांक वांत्र कृतियां अविद्यां क्यां निजािक्षात्व त् नुजात् मिशिक (जांउ कविरांज मियांजि विनियांनेव नंद्रातांव जिस्तिही जाप्तान्ड नानिम् ক্রিয়া জবান ভবাবে লিগিয়াতে ভাহার পর্গানার ভূমি তাহার প্রতার জোত ওঠাইয়া विष्णान कवियां कि देश कि देश दि हिंग । मक्न लिक उ कालीत उथाय जिल उारोब मिश्रक मिक्की योनियन उद्दिश यन नार्थाह

ভেজি এই মত হস্তবাব ও সান্ধীর নাম।

শিমিয়া দিবেন এথানকার দ্যবার গতিক
আর্থ সমাতার বিস্তারিত করিয়া লিমিবেন।
ক্মিষিক্র নিরেদন্মিত।

न्यारक उन्यज्ना मग्रहाक।

क्लानिवर स्वानिवर सार्उ उप्रकर नत्म

ভোমারদিণের মধলাদি সমাতার আনক দিবস পাই নাছি ভাছাতেই ভাবিত আদি সমাতার বিশেষ লিগিবা। চিরকাল হইল ভোমার মূলুভাত গধা পৃথিবীতে আগমন হেতু সমাতার পুশু ক্রিয়াচিলেন তামন ভাছার বিশেষন পান্ত হইতে পারেন নাই।

न्धान जान्पृवर्वक निधिएडिक उद्यादक प्रिया अयोग्ने जिथियो । अक करिज ग्रहारप्रव विष्कृत कांकांड वीना उनु भान क्रविराज्ध ग्रहाविष्ट्र ग्रहोप्तरवत् जात्यापिउ इहेरउ२ यहांनत्म पुत इहेरलत (मारे पूरवज़ नांग रहेन शक्षा वृद्धा पंत्रग घरपुर आहे जन रूर्णन खित्रां तांणिलन मारना वरन डिनि ग्रष्टांविष्ट्र मंकि मंकिकां एवछ्यी पेडिज्भेवली डिति दुक्त (लांटिक সম্প্রলাতে জালেন তাহা জনা কেই জানে ना रिक्डिन। नृधितीः ज मगत तांजा ग्रहांतन पंताक्य प्रांतन यहांदांडा यहा प्लातान जांश्र घरणंत्र जीयां नारे जांश्रंत साहि करम् नेया। द्रांजा वैन्तितंत्र कार्या जनस्यार घड आह्य कविलन युडी रहेग्रा जारा क्तांदिल विख्या जनार (लोक जाननांत्र मिंह अरम् वैद्य जायंत्र त्रक्तांर्थं निषक कित्राना

আপনি ইন্ত অখাহরল করিয়া পাতাল পুরীতে, क्लिन मनिकारे वक्त कतियां वाधितन। এখানে সগর বুত্রেরা দৈন্য সামন্ত সমেত প্থিতীর ততুদ্দিগ বেগুন ঘোটকের অনুসন্দান कतियो फिरत्न अप्नण (कार्या नान ना इंडा (उद्दे विवुज ऋज कान गज इद्दे उद्दर्भ। देखि शरी। नांत्र शर्मान नत्लांक ज्याल জিলেন সাগর পুথের দিগিছে কছিলেন ডোমার দের বরিড ঘোড়া চোরে নিয়া পাডাল প্রীডে व्राधियां कि । डेरा खनियां मगत् नृत्य्वा (मर् ন্থানে বস্বা মনন করিয়া পাতাল প্রেশ ক্তরিল সেই থাতের নাম হইল সাগির তাহার অথ এই সগরেরদের ক্ত সাগর। সগর न्धारं नाजान न्रायमं करियां (प्राथ अक ন্থানে ভাহারদের দৈল্লব বন্ধ আতে এবং वक जन छांहांत निकारे विभिन्न उपमा

कतिरउक्त मात्र नृधातां जन्मान कतिन ने दिशे (ठांत आयांत्र एतं रूपं ठ्वि कित्यां আনিয়াতে এখন আমারদের আগমন ভাত্ হট্য়া ভণ্ড তপ্সা আর্ড্র ক্রিয়াচে অত্যক डेशांक न्यास स्०.शंव क्वर। सि उनेस्री ক্লিল মহামূনি তপদ্যাতে আঁতেন তাহার विरवठनां नां कित्यां (छांत ज्या किनिलाक তাত্না আর্ঘ্র করিল পরে ক্লিলের নেত্রা नरल छोर्श्वर्थ मारि मरम् पूरा उ सम्ब দেনা ভদ্ম হইয়া গেল অভএব ঘোড়ার अल्लिणं इरेल ना (पांड्रा वाजिरत्यः यज प्रन হয় না সগরের আর এক পুতা অতি বামিক मिडे घाडेग्रां जान्यन करिएडर नांत्रापि (परण पांडान प्रायण कृष्या जापन (पांडा क्षिन्भार्य पेहिन २४०० उध्यउ पुंकांत खर करियां किनिन स्तिरक वसीजुउ करिन जुंधे হইয়া মুনি কহিলেন ভোমার ভারারা দুদ্রা

व्यक्त आंग्रांत (क्लांनानल डमा इहेग्रां शिग्रांटर युक्त (कांप्न डांश्वरप्त अस्तिनिडि इहेग्रांक তাহারদের মুক্তির ওপায় আর নাই কেবল लेखिउ नावनी शक्षा जिनि वुक्तलांत्क जांकन তাহাকে তানিতে পারহ তবে ইহারদের ওদ্ধার হইবেক নতুবা আর ওণায় নাই। जिति देश खतियां (पांड्रा नहेयां पांड्यां पंख দ্র করিলেন পরে গমা আনম্ন চেম্বায় बाम्ड २४०, किनिलिय जाशि नुकामं क्रिल विनिष्ठ डार्डाइएएवं नेर्वाहिड डिनि विनित्नन তবে বুহার পুসনতা ব্যতিরেক কার্য্য মিদ্ধি ছইতে পারে না অভ্যব আমি ডোমাকে বুহ্মার মন্ত্র পুদান করি তুমি হিমালায় পর্বতে ঘাইটা বুক্রার সার্থায় ত্রসা ফর্ছ তিনি দেই মত ক্রিতেং পুান ত্যাগ क्षित्रालन कार्या मिक्ति इहेल ना अहार प्य राजा जिनि । मिरे माउ मान जारी करितनन

স্পার নির্বশে ছইলেন মহারাত্য রক্ষা পায় ना (करल पूरे विरोदां दां वीयां ज लिया। मयस यांन्य कार्व रिष्ययांनी इडेल पृष्टे तांनी एक रल ভাহারা দুই তানে সাম ককক ভাহাতে এক जन शहरा इंग्रा नूया नुमर इंग्रेस मिट नूश समग्र त्रकां कहिरवक सिर्ट रहेरव क्लित मीलेक ने गाउ पूरे जांनी रहेल किनिछ जांनी शहंबडी इडेल , एलंग्र ग्रांटलं चूर्ल ठात्पुव माग् ज्ञान न्य जिन्ति रिववां जित्र कांत्र इहेल २व० वांलाकत अनंत पृष्ठ तृष्ठि रहेन प्रवर्ध सकल्ले र्मात्रक्ष्यं न्या जांउ क्या विशियां क विद्यं आंध्यांप एका म्यात मु जिमानन कांद्र उरि। यहांत्रांज न्ध्रीव्य भवद्यावाज्ये उर्नेव इंडेलिन महायलयांन अगुउमा चंडांत पुंजिमानन হিষি মতে করেল পরে শ্রনিলেন ডাফার नवर् नक्षायां नाजात्न किनिनाग्राय वृद्धः

जाजां ज महम् व मत् जानां व उनमां कतित्ल विष्ठं गुमन रहेग्रा ठत प्रांत पन्यांन इन्ट्राल जिल्ला विधार स्वाप्त स्वाप्त सिंग्रं कि (लग प्रज्य निजरोल अक्रांश्यर् मिजिजनीतनी पुरमग्री अन्ना जाखि वत् जाकां इडका विछ क्रिलिन उथां किन्दु शक्षा तुस्तालांक खारितन जाति उथा घोडेग्रा (जियारिक शिशा प्रांत कविव जीवना नाहे जुनि मित्र थांकह। भरत विक जशीत्यारक महिज नहेल दुक्त लिंग्लि घष्टियो अके किनिन यांग्रं कित्या शुक्तां एउर जन इर्ल करिएनन दुक्तां विष्ठ्र कारियान (लांहीर नुनाम कहिए) रज्यान विभिट्ड पिरलत नीपा (एउरना जन नीन नी हेशंट जाउर्गाम्ड रहेगा दुस्तालांक विष (लिक माम स्ति उ लेकिसे उ लेकिसे शिक्रवन कुणवं कित्रालन (क्रिशिंट जल पहि. [लाग लाई जांज जांनक न कि करियान जांतिए

भात ना मगर्ज रहेन कतियां भूनवर्गात विक. अन्यारा जामिया पांडाहेवां यांचे मांडि हहेल ভামার ক্যণ্ডলুডেনা জল আঁচে। তবে আমি জলভাবে এমত ব্যাণ্ড হই কমণ্ডলু সমেত সেই মহাবারি আনমূন করিয়া বিষ মুগপদ বৌত করিলেন তাছাতে তিন বারা (वर्शवंडी इहेल्लत अक विश्वं महर्गि मिंडि करि লেন তাহার নাম মনাহিনী ছইল তিনি ম্বর্গ গন্ধা দ্বিতীয় পাতালে তাহার নাম ভোগারতী जिति मेर्नाल शक्ष ज्छी य त्रीय ज्लीत्यार क प्राप्त कतिरानन अहे ग्रहावस्त ने जिखा का विली प्राणी जूमि प्थिरी उन हेग्रं गंउ जिंमां व भग्ने नेकस अन्नांत कत्र अवः वांव नांनी (अहांत भारतिह (यांक पर पहित्क किंड जिया कियाउ लहेग्रा घांहेवा (अहांव (वरा दीवं व क्रिंड पृथियीवं मोदी नरह जिनि भेजन इहेल पृधिवी तुमांजन पुमान कविद्वन

उरव म्हिं नांन इहेरव (अहांत (दर) दीत्व করে এয়ত আর কেহ নাই কেবল মহাদেব অত এর তুমি ঘাইয়া শিরারারিনা করহ তাহার नुमझडा वाजिरव्क डेहांव अनाग् नाहि। जगीव्या निक्नेग्र कडकान इरव्य उनमार्ड निघक इहेगा जाहारक नुमन कतित्तन। ग्रहारप्य হিমানম প্রত্তে বিদ্যা মন্তকে গঙ্গার বেগ वीत्र कतियाय इहेग्रा (शिलन मस्ट इंडेट जारा किंद्रिंड केर्डिन ना नेवं राधि हित्रकानाविति निव जिहेश्व मरदी। ज्यन क्टरंच याहियं इंडेरंड परा पान गा। राधा प्रे अध्य िस्ते पंतिरह इडेलन डेड्डि जिर्हास्य मिर्च व ल विद्यु निर्माहत्यं अक्षा । न्तीह्याः स्हारित्यत् मितिनां कृतित्व जांध (छांच ग्रहारणज न्यान हहेग्रा जानेनाज उहार विषांत्र कविद्यां फिल्लन (महे जिस्पु डांगीत्रशि याहित रहेया हिमानएए निज्ल नगर्ड

হটতে বাছির হওনের পথ না পাওনে ভগার্থ 'तिखनीय इद्यां काँनिएड लोशिलन। शक्षा আপনি তাহাকে কহিলেন পুণ্ৰ হিমালগ্ বিদার করে এঘত বাজি তান্য কেহ নাই क्टिन नेत्रंवड जाउनव ज्या हित्त्व खर ক্রহ তদ্যতিরেক ওপার নাই। গমার আভার ইন্দের শুর শুরিলে সুর্ণতি मप्य इहेया ने वांदे करें वर्ष निवर्ष विषांत করিয়া দিলে বেগ বাহির হইয়া পুরব ग्राथ पुउररशं घाष्ट्रिकिल्ता देशंड ভগার্থ কছিল মাতা আমি শ্রনিয়াচি আমার निर् लाक प्रक्रित। देश स्तिया (तरा नेतर्व যাইতে জিলেন তাহারি ক্রিক্ষিত রাজ্মছলের नीरि पिय़ा पृक्तिन मुला (वर्गदेजी इहेलिन ষত বারা দ্বর্ব দেশে গেল তাহার নাম . इहेन नेमा २ मिरा दर्श हाउग्राशंक नर्गाह

আইলে গমি তিজাসা করিলেন ভগারিও ভোমার নিতৃ লোক কোঁথায়। মে বলিল মাতঃ আম শুনিয়াতি এই দিগে নিশ্চয় বলিতে পারি না ইহাতে গমা মেই দানে এক শত বারা হইয়া অব্বেঘন করিতেও সকল সাগরে পতিয়া সগর মানিত মাত দিয়া পাতাল পুরেশ করিয়া সগর বংশ ওদ্ধার করিলেন তাহারা সমস্ত র্থারেগছে স্বর্গে গতি করিল ভগারিথ আনীতা গমা ইহাতে তাহার নাম হইন ভাগারিথী। গমার প্রথিবীতে আগমন পুনেম এই জানিবা। ইতি।

अयांत महांतरक।

ज्ञीत कालिवन्तु वामित्यकात्रं दहरवं। निव्यक्षके विल्लेष्ठ । ग्रामंद्यद ग्रिलाहि সদা পুথনা ক্রিডেচি তাহাতে অত্য মদিল প্র০ ।

मगाराउ पेत पोर्गा मगारांत छांउ लिधियां फित जायूक वेव शंबांव क्रेनाम। पुंजा लिक । रूप्यतं त्रांजम् रिष् आगात्रिरात नुज्य अधिकार्त नेनांहेग्रा জাদিয়াতে তাছার ছিদাব পাঠাইতেতি সৃষ্টি सहियां (प्रअप्रियां फिएं कियानान् मार्व म सकल প্রার্দিগকে আনাইয়া ডাত হইলাম उर्श्त कहिलक डाज्यांम नेर्गा यांम মানের নিয়মিত রাজন দিয়াতে আশিন शारम रजा। इहेरा। मग्रम नमा अध्यक्षंत जायांत्र जिल्लाक समायन कतियां किय मिल विश्वास विष्यु किवियो पिरव नीविजीय 'जाहार कार्राम एएश निराह कार्राम राजि क्याना पिरन जोगि क्या दिख

मीव ना ने (ब ने जाव) कहिलक (प मर्तन वृक्षांपि शवियां एए (म मक्न आंश्वंपिश्वं जञांत याता उन्हों क्रांज़ियां तिल विक्य खित्रा द्रांज्य निश्लांध प्रिः नांवि डांहां उ पुंजावित्रांटक नां पियां मत्कारव विकि कवियां लहेंप्रायत अव र वर्गात नत नं जाता अहने अ यनि । विचित्र कित्र्यं जिल्ला विश्व ालांध्या जाजियांक जांधां विकि किविश लश्यां एएन अभक्त पूर्वा चुनांता प्रान वित्र कथा कर्ड डांश हिमां व अग्रीमन जिला ग्रांजन्य (लंब रहेग्रां आंत् अधिक रग्राः जोनेनकांत रूपाठांदीरक जिज्ञामां कतिलाप (म मकल कथा किल्डे श्रीहा करत तो कटड ইহার ফিত্ই আগ্রি ভাত নহি। প্রারা কছে य मलन (लांटक किनिय़ांटक य क्यांठांदरी थांकियां विकि कहियांक अव० श्रीयम् ्रांनर (लांक थांकिए। यना निवृতि करिए।

पियोक्त मियस लिकि वर्गिन जोर्ड जानारेगा । यह करिनाम रिठांत करितन मगमुद्दे मद्रा जातिए पोहिर्दन। १४०- जोर् মাদ পর্যান্ত আপনকার হিদাবে ঘে उग्रांत्रिन पिग्रांक्तन नुजांद्रा (य यउ कर्ड তাহাতে ফিলু অনৈকা হয়। অত্যুক্ত দকল লোকে ও প্তা সাহ্বাত শুনিনে ইছার বিচার হয় তবৈ কি সত্য কি যিখা ব্বাতে পারি इंशंत (य इय़ लिशिर्यन उर्व अ विषय निधुर्डि ছইতে পারিবেক। আর ন্যানকার পুতা (लांटकता शंजरम्त निश्लांघ कित्र्यां ना पित्रां ज्याक नद्राक्षांत ननाहेता शिवारत उहांब দের বাহির ছিদার সমেত লোক আপনকার निक्ट भिक्षेट्र (म मक्न पुजा (लाक्टक আনাইয়া মোকাবিলা অবগত ছইয়া যে বাহ্ছি আপনকার বিচার সন্যত হয় দেওয়াইয়া ज़िर्वता जांद्र जानंतरुंब नेजा (लांक नेगांत

লার তথা রাগে তাছার রাজ্যর বলি জাতের দেওবাছিরা দিলেল। আতারাতে সম্পর্টিদ স্থাতার লিভিবেল লিবেদ্য বিমাহিত থিতি।

यतियं जीकशस्य रि

विजानिक विल्लाम । जाता महाना क्रांत वाहुनीय

তাত হইলাম পর্গানে যানপুরের জনেকং
তাঁঘার পরে গুলা এ বৎসার পুরা পলাতক
হল্যাতে এ সকল মহল পত্রন নহিলে রাজ
ক্রেরাতে এ সকল মহল পত্রন নহিলে রাজ
ক্রেরাতে এ সকল মহল পত্রন নহিলে রাজ
ক্রেরা হানি বিন্তারিত অতএব হানা ও চাকা
হলৈ বুলিতে পারি পরন হইতে পারে কোন
গুলিয়ে সত হানা কত চাকা চাহি তাঁহার একটা
চল্ অনুমানে বিবেচনা মতে প্রিলা পাটাইবা
তাহার দুল্ভে বিজেচবা মতে প্রিলা ঘাইবেক।

व बर्मा एक्षी मिरी जिल्ल नेजन नी कतिएउ पोशिल पेक्शंड पंउन इउन डांब इंडेरवरः। (घर शुंघ डेजांत्रपंद 3 शॉडि ध्या टाइड होकहम होति। होड्ड एपेड নের আরশাফ নাছি তাছার্দিগকে নিরাশ अउत लिया चलि अकांत (न मकल लारकत দিনোর ভাগারি দেওনের সামিতা না থাকে उदर डांश्त्रं अशादन ध्यामियां निर्वात कृतिल विरवहनां याउ (वयाउ रूप क्या पहिराक। ज्या आनिकांत ने एत्व (एक्स) मुं। नरत किर्यो अभिनक्षेत्र विश्वांम उपात् भुंडि विख्य म्याकार्यस्य लांड करिएड भित्रिल আत् वांचना इहेरवतः। आंत्र मृतिरः পুরের সীয়া লইয়া সাহসের অধিকারীর দের বিরোধ হইয়াজিল ভাহার নিমিত্ত अश्रिमत अधिकांदी वर्ष्यात नालिम कृत्यिक्ति (स्थाति दृश्वंतिपतित् नांनिस

जिमग्रिम रहेग़ां जिल नुनवांग्र (कार्ड जांक्लि नानिम क्रिय़ां जिन (मिर्शात 3 अंश्रां হারিয়ালে ডিসমিস পাঞ্যা গিয়ালে ডুমি उपाति नुरीतर नुजा लांक उ कम्ठांदी সমেত আইয়া সে ছমির চতুঃদীমা দে'শ্যা नहेवा हेरांख पुजा (लांक्त् 3 जांदिक जान्य शहरक (मस्ति न्त्रंडन नजा घड जांक उशिव्मिशिक नियापती शरेड ক্ছিবা এমত বিবাদ আরু হইবে না। আরু एणं नीठ घत नेजा ने स्रांत वसाहिए नातृह ভাছার তেলো নিভাক্ত ঘত্রান ছইয়া করিবা जहारा वाता अधि । वहा जातनात इब मिएउ छोर्। दियो। उपि मस्ति। श्रीस्मर् घोडेद्यां नेजां (नांदक्विपिशास जानाः डेग् रांग्या अयउ इहेल नुजा (लांक महुम ছট্যা বদতি করিতে পারে। শুনিতে পাছ तम्मा ज्या ज ज्ञा लाक विद्व जारांत ज्ञि

কিলু লিশহ না যদি এমত হয় তবে দুগু থে সকল লোক তাহারদিগের অনুসন্ধান করিয়া সমাধার লিশিবা এশানে কর্তা পর্যান্ত জাত করিয়া তাহারদিগকে দমনাথে লোক পাঠান ঘাইবেক দুগু লোককে নগু না করিলে আপনাকে নগু হইতে হয় বুজি ক্রের্য এমত বার্য ইত্যববানে বিহিছে

ठांकद्र यनिवरक।

আজাকারি প্রশিষতার বদোও নমস্কারা নিবেদনক বিশেষত। বাবুজি মহাশায়ের নিরে রাজ লক্ষ্য সার্বদা প্রাপ্তানের শুর্মিনা করিতেজি তাহাতে এ পরিজনের

त्राजम्य भाउया घारवरू ना । विषय भारवर् निर्वात लागा शिग्रां जिल उद्दित मुद्ध उत्व किछ्डे आहाम नाहे नकांत्र जूननिर्वप्त निभिरउकि क्रांक हेजांद्रपाद्व मधेउाउ जारनक देकि। विक जादिक कवियार अकावन

সরকারের রাজস্বের নিমিত্ত দুই তিন বার नप्राजिक जामियोजिन जाउन्य मन्य अरू

लित नौरम अग्रड लिधन यांग्र (य अधान इहेर्ड (घर देजां व्रषादाव नांच्य जादानर नां निम

कत्रिन निरुद्धन निर्नि निर्मिन पांद्र (महे निर्मन विपिउ कविया नेपांजिक नोर्धन य उद्दित

मिनेटक रेकिया (एउया याय लांनिटम्ब वर्नेम्ह

223

तित्उि पद् ि जिन्नितिमां छ द मंत्री मोह्या मिरद्रितिर्गि कृतियां स्थान्छ । स्यांवाय विविच इहेग्रा नव्याङ्गाविज उद्देशाय । उन्मवं जयं याम । नद्शकारउ कामिग्रांकि डेरांत मती योश योश योशतत् कांवल पृष्टे बांव निर्वतन निणियों जनाय তাছার সুমুদ্ধ ওতার কিচ্ছেই আজা হয় নাই আয়ার বাচী যাওনের নিমিত্ত বাচী হইতে प्रदे जिन एक। मर्याठांत जाहेल जाहारज कि করে চাকর মনির সমুক হইলে মনিরের जान्याजि वाजिएत्क कार्या म्न इहेरउ ঘাইতে দারা ঘায় না অত্যব দুনঃপুন निरंत्रमन निशिएजिङ जारदीन न्ट्रेल विश्वि ळाजा इहेरवक न्यानकांत्र कार्यत् दिष्य शिष्णेय कि लिधिय शिष्ठ इष्ट्रोडिल २ जना पेडा (लारकत स्रांत द्रांजस जाफ़रक पांडीर ঘায় মুঘত কুফা না পুজার ওপর নিডাত্ত

পৃতিতি এইকনে সরকার হইতে দিতে হবেই তাহার অধিকার লিখিলে তবে তাহা করিয়া পিঠান ঘায় সকল বিষয় লিখিলাম ইহার ওবর শীঘু আজা হইবেক কিম্বিকিৎ নিবেদ্নমিতি।

यनिव मौर्याना ठांकवृत्यः।

পুরোজনক বিশেষ।

দে রোজ শার্ঘুনাথ ঘোষ হাত ভোমার পত্র

পাইয়া সমাচার জাত হইলাম শাকানাইদাস

মারা পুভৃতি যে তিন নৌকার চালান লইয়া

গিয়াচিল ভাহাতে সে তিন ভরা কান্ড
ভবানীপুর গুামে কান্টা গমার মারী যাটো রোমিয়া

ভর্গ অদ্যাপি বিক্রী হয় লাই অত্যব তৃত্রি वज वाठ जरांनीवुद गुरम घारेम वीठ काठ पिराम (महे स्ति थाकिय़) जिन छत्र। कांक दिम्म क्रिया होका भीन नांगंडेवा नगांतन ৰাাত্য বাদনের বড়ই অপুতুল হট্য়াতে এবং আর কার্যান নৌকার চানান দিডে হইবেক আঘি এথান হইতে কানাই মাহ্যিকে শীলু হিদায় করিব জুমি ভাছার অপেক্ষা ক্রিবা না আর ওগানে কি মত ভোদা পদ उ (छोल पेत लोकोत ज्यां स्कि इहेरजरू ভাহা জানিয়া নিমিধা ভোমার বালী হয়তে পরশ্বঃ এক লোক এখানে আমিয়াতিল তাহার মার্ঘত ডোমার মৃত্যু লিমিয়ালিলেন ডুমি অন্য তারি মাম বাধী, হইতে আলিয়াল मग्रीहां किछ्डे (लाग्रह ता नव०, होकां किछ् किल्हें निर्धाउ नां हें होएउ अभिन प्राथिष्टि 'ठाउन्त (म लिकि लिमित अपोत्न पारेष

জিল ভাহাতে আমি ভাহাকে এগানে রাগিয়া (ওাঘার ভারু মাদ পর্যান্তের মাহিনা ১০ কুজি होको उद्देश स्था मर्यादा निणिया जाना उश्रिक विष्या किङ्गांग ज्या जा নিমিত্ত ভাবিত নহিবা ভুমি অতি শীঘু কাঞ विकी कविद्या होको नागात नोशंहरा उगात यां हां वर (प्रता जारक डांहां वृक्षिय़ां प्रिवां शायुड मी यनि मत्रकार्व पण होका भाउत वाकि (मत! जांक जारा मिया भाज नरेयां च्यावारक जिथात अर्थात नार्थहे जाहारक क्लिकां उांत्र यादी। (कांन म्। त्न वांमा कित्रिश দিয়া কোন এক জন জানবান লোকের সহিত সাক্ষাত করাইয়া দিবা সেইগোনে পঠিবেন (अश्रिक कार्राज उ कीनी कनम जजा वनाक घाष्ट्र ठाष्ट्र डांड्रा मिया निधन निधिज प्रायु इद्देश जुमि मदर्ग्। उष्टिशिवन

करियां होका किए एएनए व पांडा जीव. भिक रहेरवक उन्हां ज्या विरित्तां करियां पितां तमापि प'शं किनिए इय उधि अ ज्ञि থাকিয়া কিনিয়া দিবা আর এক তন সেবাভি लिक विरद्यां क्रियां इत्यां द्रांधां द्रियां এখানে লোকের জন্য বিশুর অনুমন্ত্রান করিলাম তাহার মনের মত লোক মিলিল না न यउ नक जन (नांक घाचिन नहेत्र वामाव कार्त्वारङ नियुक्त कतिया पिका वासी वाहीत मान द्वांत जातानि इस नाई ज्या कांक्ष विकी कविया यारमक नरेक्क कामाय थाकिया प्रहे এক। भाग नाय नाउन वाका हिंदा जात न्ताउन देना मोहार्डियं नतांत कांक्र रिख्यं किया थाड़ कितिए रहेरव ना वांगात्त्व जिनित्रा भाज जांक जात मि एक कडक का है। हो। जी जित ९भिजिद् दो जीउँ भोग बियां स्थान शियांरज

ध्यारे भोलांद्र गोज उथा रहेट जाताहियाँ योगिता दीने चोड्। लाती खांडा नजन वांतीन छ्टेएउ कांहे। हैता अव्यक्तांन चिकांव वाहीएउ भारी क्षित्र जारक जांद्र नगर्य रामा यांदी छाताहिया याहा दामा याहीत पहत लाडी जांशी लाशिरवर जात पंजा नैधारत आंयदोन कत्वा वाणिया गंठीत ठांति भारे पाकां उ कविवांव (ठक्षा पादिया मरजव इंजिति हे हे नेस्उठ आरक्त आंत्र घोश अधिक लांदरां डांश् किलाउ इहेरवक छन उ अव्योध ও রাজ মতত্ত্র মাছিলা ফি তাছি ভাহার अक्टो एल करिया नार्वाहिया छोहा पृष्ठि किया होकां क्या व्याही प्राप्त होता हो का भाग्ठ व्यन्ति याव्य क्रीए नातान यांद्र क किया होका व हाला हो हो का व हो का व हो का व ने करीवांत्नव क्लीएक जामिवांरक स्म हेरियां क्रामण कार्य होता कार्य होता लाग्य महास् ভুমি দাবধান হইয়া কার্যা কমা করিবা যেমতং লেখা ঘাইডেকে ইহার অনামত কার্যা করিবা না দামাচার শীঘু লিখিবা নৌকার চালান কারন প্রকা শীঘু লিখিবা বিশ্বাদের দকন নৌকার চালান কারন দেওয়া ঘাইকেক ক্যাত আলদা করিয়া কার্যার হানি করিবা না পত্র পাঠ তথায় ঘাইয়া এখান কার মন্তল বার্তা লিখিবা এখানকার দামত মুন্দির তানিবা কিম্বিক্মিত্তি।

यतिव मार्याना ठांकतरक।

প্রারণিনাথদত্ত ও প্রারাঘতন্দ্রিপান্স ও

नाय जारीत मोजा नेत्रानीत नेत्यानमन्त्र গামের প্রাহারালক বিশ্বাস আমার নুমানে नानिम करियोध्य (जायरा ३ (जायार पिरार शास्त्र मेजारंपिशत्क मांड लहेगी महमा याति भीड किरियोध्य डेड्रांय कायं स्थापित मात्निया ना विशाम आधान जाएक (उधारी नेज निष्ठ अगारत (ने निलग्ने ने विषय विहिड হট্যা বিচার করা গোটবেক আর ডোমার দিগের এতমাধ্যের বরুরি দিগের ঘাহা পাওনা उदि। जानिया नैति हारीन जिन भंड (उद्यांत जिर्गात अध्यारम अवात विनि कतिराउ इडेरवक <u> न्य ग्रहीय नक्षामक्षेत्रं जत्ना (शिर्प्यण्रिंग्रं</u> अधि कथा वाजी मित्र कित्या विष्ट धेका जांश्वितिराटक विद्या ग्राष्ट्रीय गांच नां कविया पृष्टे गाँउ (यान एशि अर नेड (यान एति एड मिडि (यान निक् कला) उक्लेड केन्स विलि क्षिया ए जन्न (नांदकः प्रितेष प्रत्येषे म करिये।

उद्योगित किए किए किए गान पिया विक श्रिमांव कविद्यो नक्ठींड (ए उद्यो घोडेरवक नांवि • কেল তিন হাজার আর শ্রেকাক দুই শত क्षीमि मिट बहेरवक डेश्वं उप्रांत एक्षां यकिया গোমের প্রারদিগাকে নিমন্ত্র করিবা क्रियंदी न जांद्र मग्रा मकल्न अभारते आहेरम न मक्ल प्रवाद (ठक्षांत्र थांकियां पिन म॰ एक इडेल नेश्हीशास्त्रोह तो इस छोड़ों कतिया रैमप्तानरत्त् वातांग्रह प्रांतांन न्निज (एउ लंड थांत वरम्त छत्यांहम लह्यां िग्रिंगरेल २४० जिनवादि उद्दित ठाति गाँउ शिक्षे 3 लहेग्रांटा वरम्बत कि नेगां के कित्रांटा जातिर मेविलाय ना जायांविष्ठिय गानि হইতে দে গাম নিকট অত্যব তোমরা এক जन (मम्रात घारेगा रम कि नर्गात पुष्ठ ইইয়াতে জানিয়া আমিকা আর কাকি পুন্তত इहेट कड पिराम इहेरवक डाहा निकास

জানিতা আদিবা ঈশ্বরী দ্তার মধীত बचा प्रां क विया (प्रा जा होत पिरा व यो हो भाउना डाहा नहेगा याय आंत डाहात्रिशिक যথেশ্য তাহিদ করিবা আরু শুনিলাম তোমার पिरित् भारत काली कीउनीया अक मयुअ আদিয়াতে তাছারা কি প্কার গান করে र्ভान यन्त जानिए पीति नाष्टे पपि जोन्ह হয় এমত ব্বাহ-তবে তাহারদিণের সমুত্রা সমেত পথিছবা এথানে কত্তিন र्हेरवरू 1व° वांग्र यांजा 3 जांत यमि 1यउ मिक जियाद मितिव उपाति योत्क उद उधित्रितिक कहियां द्राष्ट्री न्डात् जिन दिवम न वांहीरड आंमियां यांना उ नास मुक्टिन करत् यपि अ म्हिन ना थारिक एरद ফ্লিন্তর হইতে আলাইবা ভোমার্দিণেবু এত্রাঘের রাজায় ভাবু পর্যান্তের বজি नग्र होजात्र होत्र। छाहात् मरिग ठाति होजात

क्षेका नातंहिएांक न कि या विरायकना वृक्तिस पाविलाग ना जिन गांश छोजि जातानि হন্দাণত করিতে পারিলা না কি বৃদ্ধিতে জানি নিশিক্ত আঁচেহ এখন পর্যান্ত ডোমার मिरित छाम् व निमिय निभिष्ठि चिमि আশনার্দিগের কল্যাল কামনা কর ততে ভাদ পর্যান্তের রাজমা সহিত শীঘু (প্রীপিছ প্নরায় ডাহিদ না করিতে হয় এক পত্রে হাজার তাফিদ জানিবা ঈশ্রবী প্জার পরে তোমার্দিগোর গ্রামের বন্দোরস্ত হইবেক প্রার্থ্যপুদান দাদের পুযুগাত শ্রনিলাম তোমারদিগের ওচানে চিনির মহাজনেরা আদিয়া তিনি বিফী করিতেতে মেই মহা मिडिंडिया नगातन জানককে उतिर কিন্যা ভোমরা ভাছার্দিণের নিকট शहिए। डान छून हिनित छत्राहिम पिरा ' जिनि नुसुउ इहेल अर्थात सम्बद्धि निधियां

NAME OF THE PARTY OF THE PARTY

क्षेत्रां लहेगां (लोक घांडेरवक नेज्ञांनुमांरतं अञ्चल प्रा विलि क्रियो नेज नीठं (उांयरां अभारत (ने लियां विलम्स नां हय डेजि।

यित्व मार्याना ठोक्वरक ।

প্রাক্রমার ১০ কার্তিকের পরেতে জানা হইন পর গলে মর্বুদীয়ার করক গুণিয়ের পুতারা নম্ভা করিয়া রাজন্ম না দিয়া ভোমার নামে জিলার আদালতে লালি দ করিহাতে দে জনা চিন্তার বিষয় কি দে নিমিত জিলার ওফিলকে লিমা গিল এবং এমানে ও যেমত হ সুন্ধ আতে ভাহার চেম্বাও ছইতেতে তুমি ওমানে বিশক্ষন শক্তিতে কার্যা পুয়োজন করিবা কোন

लिरिक्त नधेउपि कि इहेरउ मेरित (प अकन पुजा प्रधा कतियां जिनाय लानिम किरिए গিয়াতে তাহার্দিগের নাম এক ফল করিয়া भीच न्यादन प्रिंडिया आंत्र उद्दित्तिर्धित र्जि विकारा यांचा थांटक डांचा निक्कंय जानिया ফল করিয়া মালে পাঠাইবা এব০, তমি আইন মত দাত দিবস মেয়াদে এমুহার होताहेग्रां फिया यपि (य्यांप्पत यादी। उद्दिश সাহাত হট্যা অপনং রাজন বনোবস্ত করে ভাল নত্যা এস্তাহারের মেয়াদ গত হইলে পরে কাজিকে স্মাতার দিয়া বজির ওপাক্ত ভাষারদের বৃত্তি বেশাত বিক্নী করিয়া महेगा नेपाल मग्राहोत निधियो एए नेजांत ব্রাক্ত প্রবাহত কৃত্তি বেশাত না হয় তবে তাহার मार्शकांत्र जानिया नेपारन निधियां • क्यांत्रिव जन्तुंधित एक निशंदियं जिन् चांउ हर्ग शिन हेहांत (य ह्य जातंत

काइयांना ।

जारमो वहे निरद्रांनेन।

া বট করা করি কণদ নক করা

মই সমস্ত নাম। নক করার পরিমান

ওবিন কাত্তি ৪ চারি কাক ৭ সার কনা

নব দত্তি ৪৭ সতের কনিকা .২৭

সারাইশ জব ৩২ বর্ত্রিশ দার্ড ৮০ আশি

জিল। ৩৬০ তিনশত ঘাইট বুল। এই সমস্ত

করার নির্মা তাহার অস্কের আকার এইং।

/// । তিন কাত্তিতে করা

নাই চারি কাক । অনাজনার আকার

নাই গাননার মূলে কেবল নাম মাত্র ঘাদি

লিখনের আবশাক হয় তবে অস্কের প্রান্ধ

আক্রর তাত্মিয়া নাম লিখিতে হয়।

মানের গরে মন্ধ নিকায় করিয়া পাঠান ঘাইবেক দাঘা জালানি গত বংদারের মত এখন করিবা পদ্টাং বিবেচনা করিয়া যে বিহিত করা ঘাবেক পর্গানা হইতে যে রাজ্য তিলার ওকিল পর্যান্ত চালান করিয়া ঘাহা দিলো টাকা সমস্ত দিয়া গত টাকা ঘাহা চালান করিয়া আহা ঘাহা চালান করিয়া তাহায় যে কমি হইবেক তাহা বোরার নামে শ্রুচ লিশিতে ওকিলকে লিশিয়ান্তি ইহা বুঝিয়া কার্যা করিয়া পাকাং বিলাম্যান্তি ইহা বুঝিয়া কার্যা করিয়া পাকাং বিশেষ পাতন কি পুকার হইতেতে তাহার বিশেষ লিশিয়া আর যানাকার যে বিষয় ওলাইত হয় এ পর্যান্ত বিদ্যান করিয়া কিলু করিবা না ইত্যি বিশিষ্ট বিদ্যানা বারি বিদ্যানা বারি বিশ্বিদ্যানা বারি বিদ্যানা বারি বিদ্যানা বিদ্যানা বারি বিশ্বিদ্যানা বিদ্যানা কিছে করিবালা বিদ্যানা বিদ্যান

্। কড়ার আকার এই ए नक कड़ी पाष्ट्रकड़ा (अ जित कड़ा) (३ ठाति क्रांग नक राजा है। स्वार क्रेंग है। ह्य कड़ा हिक शिष्ट र्रा एक स्थान १६क प्रेशिया अहे काम ए जिन शंया ८८ छ। ति · डावः ए क्रिड शवा नक वृद्धि ए। मेउग्रेक्ट शंश (बा मारड़ नैक शंश (बंध भोरन कर् গণ্ডা ৬ চয় গন্তা ৰে নাত গণ্ডা ৰা৷ সাক্ত भाउराथा अब एक रुद्धि एम जांक्ष राधा ्रेत्र राजा ८० मण राजा ८३ अर्गात राजा ्रेर दर्व शेखा (४२॥ मांद्यवांत्र शिखा अवर् खाउं हे वुड़ि ७० एवं शंथा ७४ एम शथा ्८० लेरनद्र शिषा अवय जिन युष्टि । ७७ सिल গুত্তা ত্র সত্তের গতা ্র্যা কাত্েসতের राजा द्व प्रमान पेन ्रिम आतिह राजा र्वे अनिले रियो । क्डिंगया ३ अक नेन र ने कि वृद्धि अवन मडग्रा ने भे कि प्रा वृद्धि

प्रेव॰ एक नेन ४०० मांड दुष्टि प्रव॰ भोरन मूडे पेन २० मूडे पेन २७ नग्रुं जुं नव० अध्या मह मन ४०० मन गुड़ि १४०, उ। छ। इ मन % अर अभित रृष्टि अरें , (भौति उत्त पेन थें তিন পল ৩৫ তের বুড়ি এবৎ সওয়াতিন পল থাত চদা বৃত্তি এবং সাত্তেত্তিন পল থাতে नंतित् वृद्धि अव० (नीतिकार्ति नेतं। ठाति नेत यह कत्य। Vo वैष्ठ वेल 12. क्य वेल 12. मांउ पन 11. जोहे पन 11. तम पन 112. एम नल 112. निर्मत नल भः यात्र नल W. (उत् मलाग्रं ठम मल पटा मरनत मल a) (धाल पेल प्रवर्ग प्रकार्म था। क्रिप् पेल 200 विका पत 2र्दा को उसी को इन हो। • ठिविकार नेन २४० (एउ काइन ६५. जिहिन्ने नन भित पूर्वे क्षांहन १ । पहे क्षांहन १। मध्या पूर्वे क्षांहन र्।। आज्रेट काइन ६४० (शोतन उत्ते काइन अ 'তিন কাছন ৩। সওয়াতিন হৈছিল তা आंदि जित खांहत ७५- [भोतिजाति कांहते १)ठाति कांहत। अहे अध्य लिणिए ह्या

কণাকে!

न्यवाद्ध।

 याउ कहिएउ हरतक हेश्र नाम नंउकियों जनजाम अ०-ऋउ ठनन पूरे कथाहे जीय अकरन सरहा

नंउक्। च

৪ রক্ত ২ দুই ও দি ও তিন ৪ চারি ও
ভাত মন্ত ৮ আটি ও আটে ১ নয় ও
নিব ১০ দেশ ও দিলা ১১ মলায় ও মকাদেশ
১২ বার ও দাদেশ ১৩ তের ও ক্রিয়োদশ
১৪ চদ্দে ও চেটুদ্দশ ১৫ দনের ও দকেদশ
১৬ ঘোল ও ঘোড়শ ১৭ মতের ও মন্তেদশ
১৮ আঠার ও অন্তাদশ ১৯ ওনেশ ও ওল বিৎশতি ২০ কুড়ি ও বিশ ও বিৎশতি,
২১ মক্ট্রশ ও মেন্টের ও মন্তাদশি
১১ মক্ট্রশ ও মুক্ত ও বিশ ও বিৎশতি,
২১ মক্ট্রশ ও মুক্ত ও বিশ ও বিৎশতি,

५८ ठिवियमं उ ठ जुर्सि० मेडि १८ मेडिम उ. ्राप्तिक राज्यावितमं अ सङ्बिल, भंडि १९ मां उष्टिणं उ मछ वि० मंडि १४ छारिशिन उ उप्रधाहि०, मिंड १५ अनित्रमे उ अन जिल्लंड ७० जिलं ३ जिल्लंड ७४ अक्जिलं ३ নক্ত্রিৎশত ৩২ বত্রিশ ও দ্বতিখ্পত ৩৩ छित्रणं उ तिशस्त्रि॰ गाँउ ७४ कोत्रिणं उ ততু স্থিত, ৩৫ পঞ্জিত্রিশ ও পঞ্জ ত্রিণ্শত ৩৬ চ্ছিল ও ঘটত্রিণ্শত ৩৭ माभितिलं उ मछिति०-लंउ ७৮ আहितिलं ও অপ্রাত্রিৎপত্ত ৩১ ওনচল্লিশ ও ওনচত্তা রি০শের ৪০ চল্লিশ ও চত্তারি০,শাত্ত বেয়াল্লিশ ও দ্বাহতারিৎশত ৪৩ তেতালিশ ও ত্রিচন্তারিৎশত ৪৪ চৌরাল্লিশ ও • ততু কারেণির ০, শত হরে প্রায় প্রালিশ ও পঞ্চ इयोशिए ने 85 हा लिने उ मुद्रावीरिक

৪৭ সাতচল্লিশ ও সপ্তচন্তারিৎশন্ত १४ जाहेहिल्ला उ जाए।हर्जाहरू, नंड १३ धननेकाल उ धननेकाल उ त० नकाल उ नकाणउ ७३ अर्हात ३ अरूनेकाल अव० こをするかずる टर वांग्रांत 3 प्रांतरांणंड ৫) जिननान अ जिनकानाउ ७८ हो एन अ তত্ত্বখাশত ৫৫ পঞার ও পঞ্চশতাশত ८५ क्रांनिनात ३ क्रानिकाल ३ महनेकाल ३ ८१ माउन्त उ मछनकाणंड ६৮ जिन्नि उ जाक्षानकांगंज ७४ अनमार्डि उ अनम्सि ५० मारेड उ मिछि ७३ नकमिछ ७४ श्रांचिक्ष अ प्रांचिक्ष ७० (उमिक्ष अ जिग्न अ सि ५८ होमिसि ३ ठउ धमिस ५० ने असि उ मेर्यक्ति ७५ (ज्यक्ति ३ यहेयकि ५१ क्षाउम्सि ७५ जिस्सि ३ অম্ঘটি ৬৯ ওনসত্তরি ও ওনসগুত্তি १० मउति उ मछि । भूकांउति उ भूक

्मछि ११ वांश्वत उ शंमछि १९ তেহাত্তরি ও ত্রিসপ্ততি ৭৪ টোরাত্তরি ও ठज्शमछि १८ नेठाउति । नक्षमछि ৭৬ চেয়াত্ররি ও ঘটনপ্ততি ৭৭ মাতাত্রি उ मछमछंड १५ जारी उति उ जारी मछंड ৭৯ ওনাশীতি ও নবমগুডি ৮০ আশি 'ও অশীতি ৮১ একাশি ও একাশীতি ৮২ বিরাশি ও দ্বাশীতি ৮৩ তিরাশি ও ত্রাশীতি ৮৪ চৌরাশি ও চত্রশীতি , ৮৫ পচাশি ও पश्चाणीउ ४७ (ज्यांनि उ घड्नोडि ४१ সাতালি ও সপ্তালীতি ৮৮ অগ্রালি অগ্রা भौजि ५ । अन्तव्यहे अ अन्तवि ५० বিশ্বানৈ ও দ্বানবন্তি ১৩ ডিরানই ও जितांनववडे अव[्]रियांनविं ३८ छोतांनरे

8000000 10000000 1 二二1 3 平面间 时香竹 यिउ पुरवात (णंत (यांन हेउ। पित प्रक्त्व भेरा ८८ ठा है तीरत अरू हाँ**उ** ।।। শাত্রের রবিতে 🗸 এক আনা হোল আনায় अक (उनिर्ग हा नाउग्रां (उनिरंग एवं अक कांद्री रे।। जांद्रिह (डालांग रे॰ जाहि लिंक गाँउ जिला । । वक लिंक । जारी क्रिकेट 130 (एउ क्रिकेट 130 (भीति पृष्टे क्रिंट अत्रे क्रिंक उ जारि भिया अद भाउत्रां प्रदेशक २५० जांजारे क्रिके रेश (नोत्निजन जिलेक थें थें। जिन जिलेक थेंड পাওয়াতিন চাটাক থ,০ পাতেতিন চাটাক थाव भारतार्विक होता । जाविक होता

उ छोत्रांनववरे २व० ठज्नवि निठांनरे अ निठांनरवरे अव निश्चनरिं १५ > চেয়ানই ও চেয়ানব্বই এবং দ্লবতি ১৭ সাতানব্যই ও সাতানই এবং সপ্তানৰতি ৯৮ আপ্লানই ও জঞ্চানববই এবং জঞ্চানবত্তি ११ तित्राति उ तित्राति वर्धे अव **अन्नां**ड শত ও শহশু এব০ অজ্ঞ ও লক্ষ কোচী। हैं तर १० १८ १८ १८ १६ १६ ८५ ७० ७१ ७५ ७० ७८ ७७ १७ ११ १७ ११ ७० ४१ ४८

110 তেইঘ শের 118 চবিবশ শের 11৫ দিঁচিশা
শের 11৬ চাবিবশ শের 11৭ সাতাইশ শের
11৮ অটিটেশ শের 11৯ ওনরিশ শের ১৮
রিশ শের ১১ একরিশ শের ১২ বরিশ
শের ১০ তেরিশ শের ১৪ চৌরিশ শের
১৫ প্রথরিশ শের ১৬ চারিশ শের
১৭
সানিগরিশ শের ১৮ আটরিশ শের
১৪
ওনচল্লিশ শের চল্লিশ শিরে
১৮ এক মোন
হইবেক। দেত আতাই শ্র্যা শাতে
বৌনে সমস্তই পুর্ব মত জানিবা।

ভূমি পরিমাথের অন্ধ ও তাহার পুরুর।
এবং তাহার নাম কাঠা বিদা ও কুড়া।
এ এক কাঠা /১ দুই কাঠা /৩ তিন কাঠা
/৪ চারি কাঠা / পীচ কাঠা ।। চন্ন কাঠা

अक (नींग्रा) हेहांद्र नेत्र अहे यउ भेउप्री भीरङ (नीतन नाग्र इरहरू। एनां क होति 12 जर्र जर्रेक 12 मंत्र जरीक ॥• जाहे जहेरात जाते (लंब ।ए. नव जहेरत ॥० पन करिएक जाजाई (लीव) ॥० अशीव क्टोरक प. वांत क्टोरक जिन (नांटा W. एव क्रिक प्रभः वज्र क्रिक प्रथः नेत्नव क्रिक (यान जिल्ले ।) अर्क (नंत इहेरवक हेइ।3 म्बर्ध ग्राउ मेश्यां हे लाए एए आड़ाहे (नीत कि कार्य नांय इहेरवक । । प्रहे (लंत ७० जिन (भेद ४८ वर्गांत (भेद १० नेगंत (भेद 19 छात् लिंत 19 मांड लिंत 15 छोटे लिंत ्रे नग् (लंग् । एक (लंग् ।) द्रीय (लंग् ा रांत लिंव ।) তের लिंव । । । ठल लिंव ं १८ (नीरनद (नेत् ।५ (घोन (नेत् । । माउत् लित । ज्यातीत लिव । विश्वतिल लित ।। ल्डि (पंत ॥। अक्ट्रेण (लंद । योहण (लंद

188

च्याद जरू।

লুক্বল ম দেশে মই মত চারি হাতে কাঠা

কাশি হাতে নক কুতা কম ছামির দীঘ পুষ্

পরিমাল করিয়া সন্ধেতানুঘীই অন্ধ করিলে

তাহার নাম হয় কালি সে মই মত চন্দে

বুতি কতাকো গণ্ডা। আর্ঘ্যে কৃত্রৈঃ

কৃত্রিঃ কৃত্রোনুঘ্যে কাঠায় কৃত্রৈঃ কঠায়

মৃত্যঃ কাঠায় কাঠায় বুবু পরিমাল সেই

সে কালি পশ্চিম যান।

मगांखार्यार्यार रात् ।



....

S. .

・メイン